निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

• बोकारो, शुक्रवार 21 नवम्बर 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 184 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

बिहार में 10वीं बार नीतीशे कुमार

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नीतीश कुमार समेत 27 मंत्रियों को दिलायी पद एवं गोपनीयता की शपथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना का गांधी मैदान गुरुवार को एक बार फिर ऐतिहासिक गवाही देता नजर आया, जब नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। व्यापक जनसमर्थन, देशभर के नेताओं की उपस्थिति और अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह क्षण बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय फिर जोड़ दिया गया है। नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री के रूप में 10वीं बार शपथ ग्रहण कर लिया है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। उनके बाद सम्राट चौधरी ने मंत्री पद की शपथ ली। वह दूसरी बार बिहार के डिप्टी सीएम बने हैं। विजय सिन्हा के शपथ लेने के बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विजय चौधरी, विजेंद्र यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडेय और दिलीप जायसवाल को एक साथ मंत्री पद की शपथ दिलाई। इसके बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने लेशी सिंह, मदन सहनी, नितिन नवीन, रामकृपाल यादव, संतोष सुमन और सुनील कुमार को एक साथ मंत्री पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने जमा खान, संजय सिंह टाइगर, नारायण प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद और रमा निषाद को मंत्री पद की शपथ दिलाई। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने श्रेयसी सिंह, लखेंद्र रोशन, दीपक प्रकाश, संजय कुमार, संजय कुमार सिंह, डॉ प्रमोद कुमार को मंत्री मद की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा, विजय कुमार चौधरी बिजेन्द्र प्रसाद यादव, श्रवण कुमार, मंगल पांडेय, डॉ. दिलीप जायसवाल, अशोक चौधरी, लेशी सिंह, मदन सहनी, नितिन नवीन, राम कृपाल यादव, संतोष कुमार सुमन, सुनील कुमार, जमां खान, संजय सिंह 'टाइगर', अरुण शंकर प्रसाद, सुरेद्र मेहता, नारायण प्रसाद, सुमित निषाद, लखेंद्र कुमार रोशन, शैलेश कुमार सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, संजय कुमार, संजय कुमार सिंह और दीपक प्रकाश शामिल हैं। शपथ ग्रहण समारोह में देशभर से कई बड़े नेता पटना पहुंचे और अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी मौजूद थे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और कई केंद्रीय नेताओं जैसे गिरिराज सिंह, शिवराज सिंह चौहान, चिराग पासवान, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल, रविशंकर प्रसाद, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा भी इस समारोह में शामिल हुए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, उनके बेटे और आईटी मंत्री नारा लोकेश, चिराग पासवान की मां रीना पासवान भी पटना पहुंचीं और समारोह की गरिमा बढ़ाई। मंत्री पद की शपथ लेने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि यह 'विकसित बिहार' के सपने को पूरा करने की चुनौती है। सरकार की प्राथमिकता है कि बिहार कानून के राज में विकसित हो। मैं पहले भी मंत्री रह चुका हूं लेकिन मुझे संगठन की सेवा करनी थी। यह चुनाव मैंने प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए लड़ा। अब मैं फिर से मंत्री बना हूं।

संक्षिप्त समाचार

महिला ने फांसी लगाकर दी जान

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। झरिया थाना क्षेत्र के राजमाता कॉलोनी में बुधवार देर रात एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान 30 वर्षीय दीपाली दां के रूप में हुई है। वह अपने पीछे दो बच्चों को छोड़ गई हैं। दीपाली का मायका टुंडी थाना क्षेत्र के ओझाडीह गांव में है और उनके पति का नाम तापस कुमार दां है। परिवार के सदस्यों के अनुसार, पति-पत्नी के बीच अक्सर छोटे-मोटे विवाद होते रहते थे। बुधवार रात भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी।

युवक ने की आत्महत्या

बोकारो (नबिटा ब्यूरो)। हरला थाना क्षेत्र में बुधवार रात एक 28 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना सेक्टर 9 स्थित बसंती मोड़ की बंगाली पड़ा बस्ती में हुई। मृतक की पहचान शंकर प्रसाद के रूप में हुई है। वह अपने माता-पिता के निधन के बाद अपनी पत्नी लक्ष्मी उर्फ रिया और एक बेटी के साथ इसी बस्ती में रहता था। शंकर दिहाड़ी मजदूर था और उसके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी।

पोल से टकराई तेज रफ्तार बाइक, दो की मौत

गिरिडीह (नबिटा ब्यूरो)। जिले के जमुआ प्रखंड स्थित पोबी गांव में बुधवार की देर रात हुए भयावह सड़क हादसे में रोहित तुरी (22) और चंदन तुरी (22) की जान चली गई। उनकी बाइक बेकाबू होकर बिजली के खंभे से टकरा गई थी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों युवक किसी निजी काम से शाम को जमुआ गए थे। देर रात लौटते समय पोबी मोड़ से करीब 100 मीटर पहले अचानक बाइक नियंत्रण खो बैठी।

हाइवा की टक्कर से युवक की मौत

लातेहार(नबिटा ब्यूरो)। बालूमाथ थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। बरनी जंगल के पास एक हाइवा ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। मृतक की पहचान बालूमाथ थाना क्षेत्र के कोमर गांव निवासी कुलदीप गंझु (36) के रूप में हुई है, जो रति पाहन के पुत्र थे। जानकारी के अनुसार कुलदीप अपने घर से बालूमाथ बाजार जा रहे थे। इसी दौरान बरनी जंगल के पास एक हाइवा ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया।

46 हजार सहिया समेत अन्य कर्मियों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड की हेमंत सोरेन के नेतृत्व में चल रही इंडिया ब्लॉक की सरकार ने राज्य भर में कार्यरत सहिया दीदियों, सहिया साथी व प्रखंड साधन सेवियों के मानदेय व प्रोत्साहन राशि में बढ़ोत्तरी कर उन्हें एक बढ़ा तोहफा दिया है। सरकार ने सहिया (आशा) का मासिक मानदेय/प्रोत्साहन राशि 2000 से बढ़ाकर 4000 कर दिया है। इसके अलावा सहिया साथियों का दैनिक (अधिकतम 24 दिन) के आधार दी जा रही प्रोत्साहन राशि में प्रतिदिन 50 रुपए की बढ़ोतरी की है। वहीं स्वतंत्र साधन सेवी (बीटीटी व एसटीटी) के दैनिक (अधिकतम 24 दिन) प्रोत्साहन राशि में क्रमशः 80 रुपये व 100 रुपये की वृद्धि की गयी है। मानदेय और प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी का अनुमोदन भी विभाग को मिल चुका है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 'झारखंड स्वास्थ्य प्रहरी' कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के तहत कार्यरत सहिया (आशा), सहिया साथी एवं स्वतंत्र साधन सेवी (बीटीटी एवं एसटीटी) को राज्य योजना मद से अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि देने के लिए लगभग 01 अरब 08 करोड़ की स्वीकृति भी प्रदान कर दी है। सहिया और अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के मानदेय/प्रोत्साहन राशि में बढ़ोतरी पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि राज्य की हजारों सहिया, सहिया साथी, प्रखंड प्रशिक्षक दल (बीटीटी) और राज्य प्रशिक्षक दल (एसटीटी) द्वारा वर्षों से की जा रही अनवरत सेवा भाव को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे गांव-कस्बों में स्वास्थ्य योजनाओं को पहुंचाने वालों में उत्साह का संचार होगा और स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी। उन्होंने कहा कि इस फैसले से जमीनी स्वास्थ्य कर्मियों के जीवन में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। सहिया,सहिया साथी, बीटीटी और एसटीटी हमारी स्वास्थ्य सेवा की रीढ़ हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर पहुंचाने का काम करते हैं। उनके कार्यों का सम्मान और उचित मानदेय मिले, यह उनका अधिकार हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि इस निर्णय से विभाग पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा, इसके बावजूद हमने सहिया, सहिया साथी एवं स्वतंत्र साधन सेवियों के हित में यह उठाया है।

दो बाइकों की टक्कर में तीन युवकों की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में बुधवार की रात हुए एक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या गुरुवार को तीन हो गई। दो युवकों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी जबकि एक ने इलाज के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। जपला जाने वाली मुख्य मार्ग पर खेंद्रा गांव के पास लरमी घाटी में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई थी। इस दुर्घटना में दोनों बाइकों के चालक सहित तीन व्यक्तियों की मौत हुई। जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। एक बाइक पर तीन और एक पर एक व्यक्ति सवार थे। रात में घायल युवक को अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर में प्राथमिक उपचार दिया गया था। इसके बाद उसे बेहतर इलाज के लिए एमएमसीएच रेफर कर दिया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद मृतकों के शव गुरुवार को परिजनों को सौंप दिया गया। मृतकों की पहचान पलामू के चैनपुर थाना क्षेत्र के गुरहा निवासी राजकुमार पासी के पुत्र रमेश पासी हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के देवरीकला निवासी राजकुमार चौधरी के पुत्र मनोज कुमार चौधरी और जोखू चौधरी के बेटे बसंत चौधरी के रूप में हुई है। मनोज और बसंत की मौत घटना वाले रात ही हो गई थी। रमेश पासी एक ट्रैक्टर एजेंसी में कार्यरत थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार रमेश एजेंसी के काम से हुसैनाबाद से छतरपुर की ओर लौट रहे थे। वहीं, मनोज चौधरी, बसंत चौधरी और हुसैनाबाद के उर्दवार निवासी राजेंद्र रजवार छतरपुर से हुसैनाबाद की दिशा में जा रहे थे। ये तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। इस हादसे में राजेंद्र रजवार गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

चैनपुर अंचल कार्यालय का बड़ा बाबू गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले में घूस लेने के आरोप में चैनपुर अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू विनोद राम को एसीबी ने गिरफ्तार किया है। बड़ा बाबू विनोद राम पर म्यूटेशन की नकल देने के नाम पर घूस लेने का आरोप है। विनोद राम मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के सिंगरा खुर्द पूर्णाडीह के रहने वाले हैं। वे पिछले कई वर्षों से चैनपुर अंचल कार्यालय में तैनात थे। कार्रवाई के संबंध में पलामू प्रमंडलीय एसीबी की तरफ से एक प्रेस रिलीज जारी किया गया है और मामले की जानकारी दी गई है। एसीबी की तरफ से प्रेस रिलीज में बताया गया है कि चैनपुर के रहने वाले अनुज कुमार ने अपने जमीन के म्यूटेशन के लिए आवेदन दिया था। म्यूटेशन होने के बाद मनोज कुमार लगातार चैनपुर अंचल कार्यालय में नकल लेने के लिए दौड़ लगा रहा था। इस दौरान अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू विनोद राम ने नकल देने की एवज में 10 हजार घूस मांगा था। मनोज कुमार घूस नहीं देना चाहते थे और पूरे मामले को लेकर एसीबी से शिकायत की थी। गुरुवार को पलामू प्रमंडल एसीबी की टीम ने पूरे मामले में ट्रैप लगाते हुए चैनपुर अंचल कार्यालय से बड़ा बाबू विनोद राम को 5500 रुपए घूस लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। चैनपुर अंचल कार्यालय अधिकारी विनोद राम की गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम ने विनोद राम के घर की तलाशी भी ली। हालांकि इसमें कुछ नहीं मिला। मेडिकल जांच के बाद विनोद राम को न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की तैयारी है। बता दें कि एक लंबे समय बाद पलामू के इलाके में एसीबी ने बड़ी कार्रवाई की है।

रांची में विस्फोटक सप्लाई नेटवर्क का खुलासा

भारी मात्रा में जिलेटिन स्टिक और डेटोनेटर बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के ओरमांझी थाना क्षेत्र स्थित एक घर से अवैध विस्फोटक बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि यह विस्फोटक अवैध माइनिंग के लिए इकट्ठा किया गया था। मामले में पुलिस की जांच जारी है। बुधवार की रात रांची के ओरमांझी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध विस्फोटक सप्लाई करने वाले एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर ओरमांझी के पिस्का क्रशर मंडी के पास स्थित एक घर में छापेमारी के दौरान पुलिस ने 5,000 जिलेटिन स्टिक और 300 डेटोनेटर बरामद किए गए हैं। यह विस्फोटक अवैध रूप से पत्थर तोड़ने और स्टोन चिप्स तैयार करने के काम में उपयोग किया जाना था। फिलहाल इस नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। छापेमारी के दौरान घर में मौजूद दो युवक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस दोनों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। विस्फोटक बरामदगी जिस मकान से हुई, वह पिस्का गांव निवासी आनंद बेदिया का बताया जा रहा है। पुलिस अब मकान मालिक समेत इस अवैध कारोबार से जुड़े सभी लोगों की तलाश में जुट गई है। बता दें कि रांची का ओरमांझी इलाका अवैध माइनिंग का एक बड़ा क्षेत्र है। सरकारी कर्मचारी और माफिया के बीच साठ गांठ की वजह से अवैध माइनिंग का धंधा ओरमांझी में जमकर फल फूल रहा है। अवैध माइनिंग करने के लिए अवैध विस्फोटक की भी जरुरत होती है। पुलिस को संदेह है कि बरामद किए गए विस्फोटक के ठिकाने पर न सिर्फ विस्फोटक रखा जाता था, बल्कि उसकी अवैध बिक्री भी होती थी और इसे ओरमांझी के अलावा अन्य इलाकों में भी भेजा जाता था। अब पुलिस यह जांच कर रही है कि इतना बड़ा विस्फोटक कहां से लाया गया और इस नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं।

झारखंड के लाल को मिला सर्वश्रेष्ठ एंटी नक्सल अभियान ट्रॉफी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के गढ़वा जिला के निवासी और भारत तिब्बत सीमा पुलिस के कमांडेंट विवेक कुमार पांडेय को छत्तीसगढ़ में असाधारण ऑपरेशनल सफलता और क्षेत्र में व्यापक सामुदायिक सेवा के लिए प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ नक्सल विरोधी बटालियन ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। विवेक पांडेय छत्तीसगढ़ के अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र में शुमार मानपुर के 27वीं बटालियन में तैनात हैं। उनको यह सम्मान आइटीबीपी के डीजी प्रवीण कुमार ने वार्षिक बल स्थापना दिवस महानिदेशक परेड के दौरान जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में प्रदान किया। महानिदेशक ने यूनिट के उत्कृष्ट अभियान कौशल और प्रदर्शन की सराहना की है। गढ़वा जिला के मझिआंव थाना क्षेत्र के ऊंचरी ग्राम निवासी कमांडेंट विवेक कुमार पांडेय, स्वर्गीय रामनाथ पांडेय के बेटे हैं। पत्रकारिता और इतिहास में पोस्ट ग्रेजुएट हैं। साल 2003 से ऋद्धउघ में सेवारत हैं। इस दौरान वह जम्मू कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश, असम, उत्तराखंड, नई दिल्ली और छत्तीसगढ़ एवं केरल में तैनात रहे हैं। प्रारंभिक शिक्षा सुदूर ग्रामीण इलाकों के सरकारी स्कूलों और उच्च शिक्षा रांची कॉलेज और इतिहास विभाग, रांची विश्वविद्यालय से पूर्ण हुई है। पहले एसएससी और फिर यूपीएससी प्रतियोगी परीक्षा पास कर अधिकारी बने। फोर्स के एक वरिष्ठ अधिकारी के रूप में उनकी यह उपलब्धि न केवल ऋद्धउघ के लिए बल्कि पूरे झारखंड के लिए गर्व का विषय है। कमांडेंट विवेक को साल 2007 में असम में उल्फा के विरुद्ध बहादुरी अभियानों के लिए सेनाध्यक्ष के प्रशंसा डिस्क से भी सम्मानित किया जा चुका है। मोहला-मानपुर के चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में 2023 में कमांडेंट के रूप में तैनाती के बाद, कमांडेंट विवेक कुमार पांडेय ने गढ़िचरौली (महाराष्ट्र) और कांकेर (छत्तीसगढ़) की सीमाओं के निकट कई बड़े रणनीतिक अभियान चलाए गए। उनकी बटालियन ने वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ छत्तीसगढ़ में एक प्रभावशाली ट्रैक रिकॉर्ड स्थापित किया है, जिसे केंद्र सरकार के मार्च 2026 तक नक्सल आतंक को समाप्त करने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिहार-झारखण्ड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

आवश्यकता

1. बोकारो जिला मुख्यालय के अलावा प्रत्येक प्रखंड के लिए संवाददाता चाहिए।
2. नवबिहार टाइम्स के बोकारो कार्यालय के लिए उप सम्पादक/कार्यालय संवाददाता की आवश्यकता है। हिन्दी में समाचार लिखने और समाचार की समझ रखने वाले अनुभवी संवाददाता ही सम्पर्क करें। मानदेय-योग्यतानुसार।
3. बोकारो कार्यालय के लिए एक चतुर्थवर्गीय कर्मचारी की आवश्यकता है। बोकारो, चास या आस-पास का ही निवासी होना अनिवार्य है

सम्पर्क करें:-

7295863300/8210783623

'नवबिहार टाइम्स' कार्यालय, 31 कॉपरेटीव कॉलोनी बोकारो (झारखण्ड) मो0- 7004247547/6206165107

E-mai : nbtimesbihar@gmail.com

C M Y K

पुलिस की बड़ी सफलता : हथियार बनाते पांच लोगों को किया गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। पुलिस अधीक्षक, डॉ विमल कुमार को 19/11/2025 की रात्रि में विभिन्न माध्यमों से गुप्त सुचना प्राप्त हुई कि गाण्डेय थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम-महेशमरवा में शायर अली नामक व्यक्ति के घर में कुछ लोग 2-3 दिन से रह रहे हैं, तथा अवैध हथियार निर्माण में संलिप्त हैं। प्राप्त सूचना के सत्यापन एवं त्वरित कार्रवाई हेतु पुलिस अधीक्षक, गिरीडीह के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर गिरीडीह के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया।

एसपी के निदेर्शानुसार गठित दल के द्वारा ग्राम-महेशमरवा, थाना गाण्डेय स्थित शायर अली के घर को घेरकर छापामारी किया गया, छापामारी के कम में शायर अली के घर में जमीन के नीचे बनाए गए कमरे से 5 लोगों को अवैध पिस्टल का निर्माण करते हुए रंगे हाथ पकडा गया। इस दौरान कमरे से पिस्टल, गोली, मैगजीन, अर्धनिर्मित पिस्टल, पिस्टल के पुर्जे एवं पिस्टल बनाने में प्रयोग किये जाने वाले मशीन तथा अन्य सामग्री बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों से पुछ-ताछ के कम में बताया गया कि शायर अली, मुख्य अपराधी उस्मान अंसारी एवं गिरफ्तार अन्य अपराधियों के सहयोग से हथियार बनाने का सामान एवं मशीन दो दिन पूर्व मुंगेर से लाया था, एवं गाण्डेय स्थित अपने घर में अवैध पिस्टल का निर्माण करा रहा था। उपरोक्त अपराधकर्मी पूर्व में भी बिहार एवं अन्य राज्यों में इसी तरह के अपराध में जेल जा चुके है। इस मौके पर शायर अली उम्र करीब 40 वर्ष, पिता-स्व० शपत अली, सा०-अस्ता, थाना-मार्गोमुंडा, जिला-देवघर। फुरकान अंसारी, उम्र करीब 30 वर्ष, पिता-शुभान, सा०-खरजोरी थाना-मार्गोमुंडा, जिला-देवघर मो० चुन्ना, उर्फ वसीम, उम्र 48 वर्ष पे०-मो० इलियास। मो० शमीर मल्लिक उर्फ सद्दाम, उम्र करीब 30 वर्ष, पिता मो० मुर्शिद मल्लिक। मो० मंगली उम्र करीब 35 वर्ष पे०-स्व० मंजूर मो० कमरुदीन उर्फ सदना, उम्र 36 वर्ष, पे०-मो० समीउल्लाह, सभी सा०-मिजार्पुर बरदह, थाना-मुफ्फसिल, जिला-मुंगेर बिहार के रहने वाले हैं।

इस छापामारी दल में : जीतवाहन ऊरांव, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर, गिरीडीह पु०अ०नि० आनन्द प्रकाश सिंह, थाना प्रभारी, गाण्डेय थाना पु०अ०नि० गुलाम गौस हूस्सामी, थाना प्रभारी, अहिल्यापुर. पु०अ०नि० सुशांत कुमार चिरंजीवी, थाना प्रभारी, ताराटांड़ पु०अ०नि० मणिलाल सिंह, गाण्डेय थाना। पु०अ०नि० रौशन कुमार, गाण्डेय थाना स०अ०नि० देव आनंद मारला, गाण्डेय थाना म०हव० सुमित्रा देवी, गाण्डेय थाना तकनीकी शाखा, गिरिडीह थाना रिजर्व गार्ड एवं चौकीदार, गांडेय थाना शामिल थे।

धनवार पुलिस द्वारा हत्या का उद्भेदन, एक गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। धनवार थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम अम्बाटॉड में 13/11/2025 को शांती देवी उम्र करीब 54 वर्ष पति गंगा प्रसाद सिंह ग्राम अम्बाटाँड थाना धनवार जिला गिरिडीह को सर काट कर हत्या कर-के सिर को 100 मीटर की दुरी पर फेंक दिया गया था। जिसके आलोक में धनवार थाना कांड संख्या-316/2025 15/11/2025 धारा- 103/238/3 (5) बी०एन०एस० दर्ज किया गया था ।

इस कांड के उद्भेदन एवं त्वरित अनुसंधान हेतु पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी खोरीमहुआ के नेतृत्व में एक एस०आई०टी० टीम का गठित किया गया। तत्पश्चात संदिग्धो का छान बिन करते हुए तकनिकी, डॉग स्कोड, फोरेंसिक टीम एवं मानवीय साक्ष्य के आधार पर छापामारी कर गंगाप्रसाद सिंह उम्र करीब 64 वर्ष पिता स्व० नरसिंह प्रसाद सिंह ग्राम अम्बाटौंड थाना धनवार जिला गिरिडीह को धनवार थाना के पुलिस टीम के द्वारा छापामारी कर हिरासत में लेकर कडाई से पूछ ताछ किया गया। जिसमें उसने इस घटना में अपनी

संलिप्ता स्वीकार की एवं घटनाकारित करने में प्रयोग किया गया हथियार दावा छुरा को छिपाये हुए स्थान से बरामद कराये। घटना के बारे में अभियुक्त से पुछने पर पर उनके द्वारा बताया कि मेरी पत्नी हमेशा बिमार रहती थी और मानसिक स्थिति सही नहीं थी एवं शंकर ओझा लोग से हमलोगो के बीच करीब 07 वर्ष से जमिन संबंधित विवाद चल रहा था। इसी को फसाने के लिए के अपनी पत्नी की गला काट कर हत्या कर दिया और उसके सिर को झाडी में फेंक दिया जप्ती बरामदगी घटना कारित करने में प्रयोग किया गया खून लगा हुआ दावा छुरा घटना में उपयोग खून लगा हुआ काला टोर्च अभियुक्त का मृतिका के गले से खून लगा हुआ लुंगी मृतिका की एक पिला रंग का छोटा टोर्च मृतिका के पास एफएसएल टीम द्वारा घटनास्थल, फेंका हुआ टॉर्च एवं घर के अन्दर ब्लड सैंपल गिरफ्तार अभियुक्त की विवरणी गंगाप्रसाद सिंह उम्र करीब 64 वर्ष पिता स्व० नरसिंह प्रसाद सिंह ग्राम अम्बाटाँड थाना धनवार जिला गिरिडीह छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी का नाम राजेन्द्र प्रसाद, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी खोरामहुआ।प्रदीप कुमार दास, पुलिस निरीक्षक, जमुआ अंचल पु०अ०नि० सत्येन्द्र कुमार पालस थाना प्रभारी, धनवार पु०अ०नि० मनिकान्त कुमार, थाना प्रभारी जमुआ पु०अ०नि० महेश चन्द्र, थाना प्रभारी, हिरोडीह। पु०अ०नि० धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल, ओ०पी० प्रभारी घोडथम्बा पु०अ०नि० सुजित कुमार सिंह, धनवार थाना आरक्षी 1268 जोधन महतो, तकनिकी शाखा, गिरिडीह।

कृषक पाठशाला पचम्बा का औचक निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष संजय सिंह ने किया कृषक पाठशाला की जांच, पाई गई कई अनियमितताएं जिला कृषि पदाधिकारी ने कहा रिकवरी और ब्लैक लिस्टिंग के लिए सरकार को लिखा जाएगा पत्र कृषक पाठशाला में समेकित कृषि का एक मॉडल तैयार कर आसपास के 7 गांव के किसानों को ट्रेनिंग देकर पहुंचाना था लाभ गिरिडीह जिला मुख्यालय से मात्र पांच किलोमीटर की दूरी पर पचम्बा कृषि फॉर्म में कृषक पाठशाला के संचालन का गुरूवार को जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष सह जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी आशुतोष कुमार मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि कृषक पाठशाला झारखंड सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। कृषक पाठशाला के माध्यम से किसानों को समेकित कृषि के प्रति जागरूक करना था। कृषक पाठशाला में वैज्ञानिक तरिके से आधुनिक खेती, मछली पालन, बकरी पालन, गाय पालन, सुकर पालन, मुर्गी पालन, मशरूम उत्पादन, पॉली हाउस, नर्सरी, फलदार उद्यान, मधुमक्खी पालन, अजोला खेती का मॉडल कार्य करके आसपास के सात गांव के किसानों को ट्रेनिंग देना था। लेकिन तीन साल बाद भी योजना धरातल पर नहीं है। फिर भी कार्यकारी एजेंसी को लगभग एक करोड तीस लाख रू का भुगतान कर दिया गया है। जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष सह झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह ने मौके पर मौजूद जिला कृषि पदाधिकारी आशुतोष कुमार से कार्यकारी एजेंसी मेसर्स शारदा एग्रो को टर्मिनेट करने, जांच कर रिकवरी करने और ब्लैक लिस्टिंग करने की मांग की है।

बिहार में बहार है नीतीश कुमार है : सरयु गोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जदयू के सर्वमान्य नेता वो राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के बिहार में 10वीं बार मुख्यमंत्री पद के शपथ ग्रहण पर गिरिडीह जदयू परिवार कि ओर से मुख्यमंत्री के साथ सभी मंत्री को भी बधाई देते हुए झारखण्ड जदयू प्रदेश सचिव सह कोडरमा जिला प्रभारी सरयु गोप ने कहा कि शपथ समारोह में शामिल होकर बधाई साथ ही कहा कि माननीय नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व दूर दृष्टि बिहार में सर्वांगीण विकास एवं बिहार की जनता की मान सम्मान के लिए बिहार की जनता ने एनडीए को प्रचंड बहुमत देने का काम किया अब इसका असर झारखण्ड में भी पड़ेगा और जदयू मजबूत होगा बधाई देने वाले में मुख्य रूप से सरयु गोप जवाहर केशरी विनोद राना पवन कुमार वर्मा सुधीर आनंद रुद्रकांत लाल दास राजेन्द्र उपाध्याय मृत्युंजय कुमार दिलीप कुमार सिंह अर्जुन प्रसाद जिब्राइल अंसारी बासुदेव विश्वकर्मा यदि लोग है।

आज से 28 नवंबर तक 'सेवा का अधिकार सप्ताह' का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले के सभी पंचायतों में शिविर का आयोजन कर सरकार के विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं का ऑन द स्पॉट लाभ दिया जायेगा सरल एवं सहज रूप से ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देना एवं उससे लाभान्वित करना मुख्य उद्देश्य उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, रामनिवास यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय सभी पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी/अंचलाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की।

इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि दिनांक 21 नवंबर से 28 नवंबर 2025 तक "सेवा का अधिकार सप्ताह" का आयोजन किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन एवं संचालन को लेकर सारी तैयारियां पूर्ण कर लें तथा अपने-अपने प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायतों में शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक कराते हुए ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ अवश्य दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा निर्धारित तिथि को शिविर का आयोजन कर सरकार के विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ आमजनों को ऑन स्पॉट दिलाना सुनिश्चित करें। शिविर के तहत अहर्ता प्राप्त व्यक्तियों को योजना का लाभ से वंचित नहीं रहना पड़े, इसका पूरा ध्यान रखा जाए। शिविर में सरकारी योजनाओं की जानकारी के लिए भी विशेष व्यवस्था की जाए, ताकि सरकार की योजनाओं को लेकर लोगों में जागरूकता आ सके और वे योजनाओं का सीधा लाभ ले सकें। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि "सेवा का अधिकार सप्ताह" कार्यक्रम के माध्यम से सभी पंचायतों के वंचित लाभुकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ते हुए लाभान्वित करना हमारी प्रमुख प्राथमिकता होनी चाहिए। इन शिविरों में निम्नांकित गतिविधियों का सम्पादन किया जाय आम-जनों से "झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011" में सूचीबद्ध सेवाओं एवं तत्सम्बंधी समस्याओं से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त किया जाय एवं आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया जाय।इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित मुख्य सेवा प्रक्षेत्र सर्विस फोकस एरिया के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किये जायेंगे जाति प्रमाण पत्र स्थानीय निवासी प्रमाण पत्रआय प्रमाण पत्र जन्म प्रमाण पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र नया राशन कार्ड दाखिल खारिज वादों का निष्पादन/भूमि की मापी मैसूरमेंट ऑफ लैंड भूमि धारण प्रमाण पत्र/विभिन्न प्रकार के सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की स्वीकृति से संबंधित आवेदन। इसके अलावा उपायुक्त रामनिवास यादव ने कहा कि "सेवा का अधिकार सप्ताह" कार्यक्रम के जरिए जनता से सीधा संवाद स्थापित कर आमजनों के शिकायतों एवं समस्याओं का ऑन द स्पॉट निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।

उपायुक्त की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति डीएलसीसी की द्वितीय तिमाही बैठक संपन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सभी विभाग मिशन मोड में कार्य करते हुए लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करें सिडी रेशियो को बढ़ाएं तथा विभिन्न योजनाओं में वंचित लाभुकों को शत-प्रतिशत केसीसी से आच्छादित करना सुनिश्चित करें बेहतर कार्य योजना बनाई जाय, ताकि उनका उचित क्रियान्वयन सुनिश्चित हो आज समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला स्तरीय सलाहकार समिति डीएलसीसी की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में उपायुक्त ने विभिन्न योजनाओं की उपलब्धि की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। जिले के विकास से संबंधित सरकार की प्रायोजित विभिन्न योजनाओं नाबार्ड, पीएलपी 2025-26, किसान क्रेडिट कार्ड, जमा साख, महिला स्वयं सहायता समूह की क्रेडिट लिकेज, पीएमईजीपी की उपलब्धि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, आरसेटी के कार्य, स्टैंड अप इंडिया की उपलब्धि एवं एनपीए जैसी विभिन्न बिदुओं पर विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने चालू वित्तीय वर्ष में डेयरी, मत्स्य पालन, बकरी पालन, सूअर पालन, पशुपालन आदि पर जोर दिया। उन्होंने सभी बैंकर्स को जीएम, जिला उद्योग केंद्र से समन्वय स्थापित कर पीएमजीईपी के लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा वार्षिक ऋण योजना द्वितीय तिमाही की समीक्षा की गई। सभी बैंकों के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया। समीक्षा के क्रम में किसान क्रेडिट कार्ड योजना की प्रगति की समीक्षा की गई तथा किसानों को केसीसी ऋण उपलब्ध कराने का दिशा निर्देश दिया गया। इसके अलावा बैठक में एलडीएम को निर्देशित किया गया कि वे बैंकों की उप समिति की पूर्ण बैठक कर व योजना बनाकर जमा साख के अनुपात में सुधार लाएं।

बरही लूटकांड का सफल उद्भेदन : एसपी ने थाना प्रभारी सरोज चौधरी को किया पुरस्कृत

नवीन सिन्हा

हजारीबाग। बरही लूटकांड का त्वरित और सफल उद्भेदन करने में सराहनीय भूमिका निभाने पर पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी को सम्मानित किया। सम्मान समारोह में एसपी ने उनकी सूझबूझ, नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क की खुलकर प्रशंसा की।

ज्ञात हो कि हाल ही में बरही थाना क्षेत्र में हुए लूटकांड ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। घटना के तुरंत बाद पुलिस सक्रिय हुई और थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर मामले की तफ्तीश शुरू की गई। आधुनिक तकनीकी सहायता, सीसीटीवी फुटेज और लगातार की गई छापेमारी के आधार पर पुलिस ने कम समय में ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लूटकांड का सफल खुलासा कर दिया। एसपी अंजनी अंजन ने कहा कि थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी और उनकी टीम ने पेशेवर दक्षता और प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसी तरह की कार्यशैली से जनता का पुलिस पर भरोसा मजबूत होता है।

सम्मान प्राप्त करने के बाद थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने कहा कि यह सम्मान उनकी पूरी पुलिस टीम को समर्पित है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बरही लूटकांड के सफल उद्भेदन और त्वरित कार्रवाई से स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

चौपारण की सड़क समस्याओं के समाधान को लेकर सक्रिय हुए जयंत सिन्हा, केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मिले

महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन

नवीन सिन्हा

हजारीबाग/नई दिल्ली। हजारीबाग के पूर्व लोकसभा सांसद जयंत सिन्हा ने बुधवार को भारत सरकार के केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से महत्वपूर्ण मुलाकात की। बैठक में उन्होंने चौपारण और हजारीबाग क्षेत्र की सड़क परियोजनाओं से जुड़ी लम्बे समय से लंबित अहम समस्याओं को विस्तारपूर्वक रखा और त्वरित समाधान की मांग की।

बैठक के दौरान श्री सिन्हा ने विशेष रूप से तीन प्राथमिक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया, जिन्हें क्षेत्र के विकास, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

1. एनएच-19 को 6 लेन में विस्तार की मांग

चौपारण प्रखंड से होकर गुजरने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग-2 (वर्तमान में एनएच-19) लंबे समय से जाम, दुर्घटनाओं और यातायात दबाव की समस्या से जूझ रहा है। पूर्व सांसद ने कहा कि इस मार्ग को 6 लेन में अपग्रेड करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे भारी वाहनों के आवागमन में सुगमता आएगी और दुर्घटनाओं की संख्या में भारी कमी आएगी।

2. चौपारा बाजार में फ्लाईओवर निर्माण का मुद्दा

चौपारण बाजार में फ्लाईओवर निर्माण वर्षों से अटका हुआ है। इस मार्ग पर प्रतिदिन भारी जाम लगता है, जिससे स्थानीय नागरिकों, स्कूली बच्चों, व्यापारियों और यात्रियों को बड़ी परेशानी होती है। श्री सिन्हा ने इस परियोजना को तत्काल शुरू करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि फ्लाईओवर बन जाने से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में व्यापक सुधार आएगा।

3. दनुआ घाटी में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर

दनुआ घाटी को हजारीबाग का सबसे संवेदनशील और दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र माना जाता है। यहाँ कई गंभीर दुर्घटनाएँ होती रही हैं।

पूर्व सांसद ने घाटी में—बैरिकेडिंग, आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम, स्पीड कंट्रोल मैकेनिज्म, चेतावनी संकेत, और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय, तुरंत लागू करने की मांग रखी।

उन्होंने कहा कि इन कदमों से न केवल दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

गडकरी का सकारात्मक रुख कार्रवाई का आश्वासन

चर्चा के बाद नितिन गडकरी ने सभी बिंदुओं पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए जल्द आवश्यक कार्रवाई करने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि मंत्रालय क्षेत्र के विकास और सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है।

'जनहित के लिए मेरे प्रयास जारी रहेंगे' : जयंत सिन्हा

बैठक के बाद जयंत सिन्हा ने कहा-'अपने क्षेत्रवासियों की सुविधा, सुरक्षा और विकास के लिए मेरा प्रयास पूर्व की भांति निरंतर जारी रहेगा। चौपारण और हजारीबाग की इन महत्वपूर्ण समस्याओं का समाधान अत्यंत आवश्यक है, और मैं इसके लिए हर स्तर पर प्रयास करता रहूँगा।'

जमुआ, बेंगाबाद व देवरी प्रखण्ड हेतु विशेष सावधानी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जंगली हाथियों से सुरक्षा एवं बचाव हेतु महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए हैं। उक्त क्षेत्रों में इस समय जंगली हाथियों का एक दल उपस्थित है तथा दल का एक सदस्य घायल बतलाया गया है। सामान्यतः हाथी दल अपने किसी भी घायल सदस्य को पीछे नहीं छोड़ते, इसलिए वे आसपास अधिक समय तक रुक सकते हैं। इस परिस्थिति में सबसे महत्वपूर्ण है कि सभी ग्रामीण पूरी सावधानी बरतें। घरों सुरक्षित स्थानों में रहे तथा किसी भी प्रकार से हाथियों को तनाव में न डालें।

मनुष्यों एवं जंगली जानवरों के बीच टकराव की सूचनायें अक्सर मिलती रहती हैं। कई बार ग्रामीण असावधानीवश अथवा कौतुहल के कारण हाथियों के पास चले जाते हैं, सेल्फी विडियो बनाते हैं या उन्हें छेड़ते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है।इसलिए अनुरोध है कि जब हाथियों का दल गाँव के आस-पास हो, तो निम्नलिखित

■ जंगली हाथियों से सुरक्षा के सरल एवं सामान्य उपाय

सावधानियाँ अवश्य बरतें हाथी नजर आने पर उसकी सूचना तत्काल नजदीकी वन कर्मी को दें हाथियों को देखने के लिए पास न जायें और न ही किसी को पास जाने दें हाथियों के रास्ते को न रोकें और न ही भीड़ जमा होनें दें। उनसे पर्याप्त दूरी बनाये रखे कम से कम 100 मीटर हाथियों को लगातार न खदेड़े एवं जंगल में उनका पीछा न करें। इससे वे क्षुब्ध एवं हिंसक हो जाते हैं जंगल से लगे क्षेत्र में खलिहान न बनायें खलिहानों में रातों को न सोएं खेतों-खलिहानों में रखें या घरों में रखें संग्रहित अनाज को हाथियों द्वारा खाते समय उन्हें न छेड़े और न ही परेशान करें। नुकसान का उचित मुआवजा विभाग द्वारा दिया जाता हैं। इसे समय पर प्राप्त करने के लिये अविलम्ब निकटस्थ वन कर्मचारी पदाधिकारी को सूचित करें हाथी के चारों ओर कौतुहलवश भीड़ न लगायें। हाथियों को छेड़े नहीं, विशेषकर उनपर पत्थर, गुलेल, तीर, जलता हुआ टायर आदि फेंककर प्रहार न करें नशे की हालत में अकेले कभी नहीं निकलेंल्लहाथी जिन क्षेत्रों में हों, उसके आस-पास के गाँवों में संध्या के प्रातः काल तक आवागमन से बचें क्षेत्र में जब हाथी रहें, तक तक हड़िया या देशी शराब नहीं बनायें। इसका भंडारण भी न करें। हाथी शराब की ओर आकर्षित होते हैं और इसे प्राप्त करने के उद्देश्य से इन स्थलों घरों गाँवों में आतें है, जिससे नुकसान का अवसर उत्पन्न होता है बिजली वाले गाँवों के घरों एवं खम्भों पर तेज रोशनी वाले बल्ब लगायें। अंधेरे से बचें। ल्लहाथी द्वारा कान खड़े कर तथा सूंढ़ उपर कर चिल्लाना इस बात का संकेत है कि वह आप पर हमला करने आ रहा है। अतः तत्काल सुरक्षित स्थान पर चले जाएँ हाथियों की सूघने की शक्ति अत्यधिक होती है, अतः हाथी को भगाने के क्रम में हवा की दिशा का ध्यान रखें हवा की दिशा में यदि हाथी हो तो मिर्च का मशाल बनाकर धुओं करेंल्ल मिर्च लपेटी गई रस्सी के साथ-साथ गोबर में भी मिर्च पाउडर डालकर उसके अच्छी तरह मिलाकर सुखाकर रख लें। हाथी के धान खाने के अथवा हाथी आने की सूचना प्राप्त होने पर घर के आंगन या बाहर रात्रि में उसे जला देने से हाथी द्वारा नुकसान से बचा जा सकता है लाल मिर्च के पाउडर को जले हुए मोबील अथवा ग्रीस में अच्छी तरह मिलाकर उसे मोटी रस्सी में लपेंटे। रस्सी को भंडारित अनाज वाले घर के चारों ओर लपेटें अथवा हाथी के गाँव में प्रवेश की दिशा में बाँधें। रस्सी के साथ सफेद या लाल रंग के कपड़े की पट्टी भी बांधकर लटका दें, क्योंकि हाथी लाल और सफेद रंग को नापसंद करते हैं।

नई बाइक लेकर लौट रहे किशोर की सड़क दुर्घटना में मौत, परिवार पर टूटा दुख का पहाड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के बसरिया रोड पर गुरुवार शाम एक हृदयविदारक सड़क हादसा हुआ, जिसमें भगहर पंचायत के लोहरा गांव निवासी 17 वर्षीय अजय कुमार यादव (पिता- संजय यादव) की मौत हो गई।

सूत्रों के अनुसार, अजय नई स्प्लेंडर प्लस बाइक खरीदकर उत्साहित मन से घर लौट रहा था। इसी दौरान बसरिया रोड पर एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अजय गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों और परिजनों ने तुरंत उसे चौपारण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे हजारीबाग सदर अस्पताल रेफर कर दिया। हजारीबाग ले जाते समय स्थिति और खराब होने पर परिजन उसे बरही अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहाँ डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है और इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

6.523 किलो अफीम बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। शहर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अफीम तस्करी को विफल कर दिया है। पुलिस ने एक कार से 6.523 किलोग्राम अफीम बरामद किया है। कार चला रहे व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। साथ ही उसके पास से मोबाइल फोन बरामद किया गया। पुलिस ने कार को जप्त कर लिया है। उक्त जानकारी पलामू की पुलिस अधीक्षक रिष्मा रमेशन ने दी। उन्होंने कॉन्फ्रेंस हॉल में अफीम की तस्करी करने वाले व्यक्ति सहित बरामद किए गए अलग-अलग पैकेट बंद अफीम को प्रेस के सामने प्रस्तुत किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 20 नवंबर को लगभग 2 बजे रात्रि गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि सफेद रंग की एक कार से एक युवक अवैध अफीम लेकर डालटनगंज रेलवे स्टेशन की ओर जाने की कोशिश कर रहा है। शहर थाना से एक विशेष टीम का गठन कर सशस्त्र बल के साथ रेडमा चौक से रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। जांच के दौरान एक सफेद रंग की मारुति बलेनो कार संदिग्ध प्रतीत हुई।पुलिस टीम ने रोककर उसकी जांच की। कार में काले रंग का पीठू बैग लिए एक युवक ड्राइविंग सीट पर बैठा पाया गया। तलाशी के क्रम में उसके बैग से 6 अलग-अलग पारदर्शी प्लास्टिक पैकेट में भूरा गीला पदार्थ मिला। देखने में अफीम जैसा प्रतीत हो रहा था। परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन ने सभी पैकेटों को क्रमशः 1 से 6 तक अंकित कर डीडी किट से जांच की गई। इसमें अफीम की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि सभी पैकेटों को इलेक्ट्रॉनिक तराजू से वजन करने पर कुल वजन 6.523 किलोग्राम पाया गया। कार से एक वीवो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल, एयरटेल सिम व जियो सिम बरामद किया गया। कार में बैठा युवक 22 वर्षीय अभिषेक कुमार चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदुआ शाहपुर निवासी है। उससे अफीम के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए। परंतु वह कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। तत्पश्चात कार सहित उसे थाना लाया गया। छापामारी दल में परिक्ष्यमान पुलिस उपाधीक्षक राजीव रंजन, पुअनि तंजिलुल मन्नान, सअनि इन्द्रदेव पासवान, सअनि संदीप राम, सअनि राजेश कुमार साहू, सअनि अजय सिंह, आरक्षी अनिल पासवान, आरक्षी नंदलाल पटेल, आरक्षी सतेन्द्र कुमार राम व आरक्षी सजीव मल्लिक शामिल थे।

रांची सदर अस्पताल में मरीज की मौत के हंगामा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची के सदर अस्पताल में इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने चौथी मंजिल पर अस्पताल के काउंटर का शीशा भी तोड़ दिया। काफी समझाने के बाद मामला कुछ शांत हुआ। मृतक के परिजनों का आरोप है कि सदर अस्पताल में इंजेक्शन लगने के तुरंत बाद मरीज की मौत हो गई। गुस्साए लोगों ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण यह स्थिति हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रात में डॉक्टर अस्पताल में मौजूद नहीं थे जिस कारण मरीज का इलाज ठीक से नहीं किया गया। पूरे मामले पर सदर अस्पताल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ बिमलेश सिंह ने कहा कि इलाज में कोई लापरवाही नहीं हुई। उन्होंने कहा कि मरीज को ब्लड कैंसर जैसी गंभीर बीमारी थी, जो उसकी मौत का कारण है। डॉक्टर ने मरीज के परिजनों को इस बारे में पहले से ही साफ-साफ बता दिया था। सदर हॉस्पिटल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ बिमलेश कुमार सिंह ने बताया कि गुस्साई और भड़की हुई भीड़ को शांत करने के लिए पुलिस को बुलाया गया था, लेकिन हॉस्पिटल मैनेजमेंट ने मृतक के प्रति संवेदना जताई और केस दर्ज नहीं किया। उन्होंने बताया कि मृतक का बेटा रात में डॉक्टर के न होने का झूठा आरोप लगा रहा है, जबकि कल रात सदर हॉस्पिटल में तीन डॉक्टर ड्यूटी पर थे। उन्होंने बताया कि सदर हॉस्पिटल के हर फ्लोर पर अब रात में एक डॉक्टर ड्यूटी पर रहेगा, यानी रात में छह डॉक्टर ड्यूटी पर रहेंगे। सदर हॉस्पिटल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ने बताया कि सदर हॉस्पिटल में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, और अब गंभीर बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। यह पक्का करने के लिए कि सिक्योरिटी कड़ी रहे और डॉक्टर और हॉस्पिटल स्टाफ सुरक्षित माहौल में इलाज कर सकें, हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन से सदर हॉस्पिटल में एक परमानेंट पुलिस पिकेट बनाने की रिक्वेस्ट करेगा।

पीवीयूएनएल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में 'प्रगति' ब्यूटी पार्लर एवं टेलरिंग शॉप का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पतरातु (रामगढ़)। स्वर्णरिखा महिला समिति द्वारा पीवीयूएनएल शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में "प्रगति" नामक ब्यूटी पार्लर एवं टेलरिंग शॉप का शुभारंभ किया गया। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है। समिति की अध्यक्ष रेनू सेहगल तथा उपाध्यक्ष सोमा मुखर्जी ने महिला क्लब की अन्य सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से इस दुकान का उद्घाटन किया।

यह दुकान आसपास के गांवों की महिलाओं को आवंटित की गई है, जिससे उन्हें रोजगार का अवसर मिलेगा और वे अपने हुनर को आगे बढ़ा सकेंगी। इस कदम से स्थानीय महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनने का मंच मिलेगा, साथ ही समुदाय में स्वावलंबन को प्रोत्साहन मिलेगा। पीवीयूएनएल द्वारा सामाजिक विकास तथा महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को इस पहल से एक नई दिशा मिली है। 'प्रगति' के माध्यम से महिलाओं को न केवल उद्यमिता का अवसर प्राप्त होगा, बल्कि वे अपने परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान भी दे सकेंगी।

अवैध संबंध में पति की हत्या की प्लानिग शूटर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। परसुडीह थाना क्षेत्र में एक महिला ने जेल में बंद अपने अपराधी प्रेमी के साथ मिलकर पति को मारने की योजना बनाई थी। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए तीन शूटरों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं महिला फरार है। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया कि यह मामला बर्मामाइंस थाना कांड संख्या 147/25 से संबंधित है, जिसमें जावेद नामक व्यक्ति पर जानलेवा हमले की योजना बनाई गई थी। जावेद अपनी पत्नी हीना के अवैध संबंध के बारे में सवाल करता था। वो पत्नी को प्रेमी से अलग होने के लिए कहता था, जिस कारण उनके बीच अक्सर झगड़े होते थे।

अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। बोकारो पुलिस ने बालीडीह थाना क्षेत्र में बढ़ रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने में बड़ी सफलता हासिल की है। बोकारो एसपी हरविदर सिह ने बताया कि पिछले कुछ महीनों से रेलवे कॉलोनी, रेलवे गुड्स शेड और गोविद मार्केट सहित आसपास के इलाकों से लगातार बाइक चोरी की शिकायतें मिल रही थी। इन शिकायतों के आधार पर बालीडीह थाना कांड संख्या 299/25, 311/25, 319/25, 323/25 सहित कई मामलों की जांच तेज की गई थी। एसपी ने जानकारी दी कि चोरी की वारदातों का खुलासा करने और चोरी हुई बाइक बरामद करने के लिए पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने मानवीय और तकनीकी सूचनाओं का उपयोग करते हुए अथक प्रयासों के बाद एक अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है और उनकी निशानदेही पर कुल 9 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की है। गिरोह का मास्टरमाइंड समशेर आलम (33) है, जो बोकारो के माराफारी थाना क्षेत्र का निवासी है। उसके आपराधिक इतिहास में हरला और चास थाना में दर्ज चोरी के कई मामले शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया कि समशेर ने एक संगठित गिरोह बना रखा था, जो योजनाबद्ध तरीके से शहर के बाहरी इलाकों में चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। शहर के भीतरी इलाकों में सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता के कारण वे उन क्षेत्रों को निशाना बनाने से बचते थे। यह गिरोह चोरी की मोटरसाइकिलों को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में अंगद कुमार की मदद से सस्ते दामों पर बेच देता था, ताकि पुलिस की पकड़ से बचा जा सके। गिरफ्तार किए गए अन्य दो आरोपी चंदन कुमार उर्फ छोटू (20) और अंगद कुमार (20) ने भी चोरी की वारदातों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है।

नालंदा केवल नाम नहीं बल्कि एक सभ्यता : गजेन्द्र सिंह शेखावत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नव नालंदा महाविहार के 75वें स्थापना दिवस पर आयोजित भव्य समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत स्वयं को विश्वविद्यालय परिवार का अभिन्न सदस्य बताते हुए इस ऐतिहासिक अवसर में शामिल होने को गौरवपूर्ण क्षण बताया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि नालंदा एक संस्थान नहीं, बल्कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा और सभ्यता का जीवंत प्रतीक है। विश्वविद्यालय के उद्देश्य वाक्य "ज्ञान मानवता को जोड़ता है, विभाजित नहीं करता" को इसकी आत्मा बताते हुए उन्होंने कहा कि यह संस्थान वैश्विक बौद्ध अध्ययन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है।

मंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद नव नालंदा महाविहार ने राष्ट्र-निर्माण में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के केंद्र के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यहां से शिक्षा प्राप्त कर विदेश लौटने वाले विद्यार्थी बौद्ध धर्म के सांस्कृतिक दूत के रूप में विश्वभर में शांति और सद्भाव के संदेश का प्रसार करते हैं। उन्होंने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, भिक्षु जगदीश कश्यप और महान चीनी यात्री ह्वेनसांग के योगदानों का विशेष रूप से स्मरण किया तथा विश्वविद्यालय की 75 वर्षों की शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना की। कुलपति प्रो. सिद्धार्थ सिंह के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि नव नालंदा महाविहार, संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एनईपी को अक्षर और भावना में लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय है। अंत में उन्होंने विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए संकल्प लिया कि सामूहिक प्रयासों से नव नालंदा महाविहार को पुनः विश्व पटल पर शिखर पर स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के गांव कल्याण बिगहा में मनी होली-दिवाली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। पूरे बिहार के लिए बृहस्पतिवार का दिन ऐतिहासिक रहा। क्योंकि नालंदा के लाल नीतीश कुमार 10 वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ पटना के गांधी मैदान में लिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शपथ लेने के साथ हीं उनके गृह क्षेत्र हरनौत प्रखंड में भी खुशियों की झलक हर तरफ दिखाई दी। मुख्यमंत्री के पैतृक गांव कल्याण बिगहा में उनके समर्थकों और ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के 10 वीं बार शपथ लेने पर जमकर आतिशबाजी की एवं कविराज राम लखन सिंह स्मृति वाटिका में माता परमेश्वरी देवी पिता स्वर्गीय राम लखन सिंह एवं पत्नी स्वर्गीय मंजू देवी के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। इस दौरान एक दूसरे को गुलाल लगाकर बधाई दी। कल्याण बिगहा के ग्रामीणों ने कहा कि जब तक बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के पद पर हैं। बिहार का लगातार विकास होता रहेगा। ग्रामीणों ने नीतीश कुमार को विकास पुरुष के साथ-साथ भगवान का अवतार भी बताया। जैसे भगवान राम अयोध्या लौटने के बाद ग्रामीणों ने दीप जलाकर स्वागत किया था ठीक उसी तरह से आज नीतीश कुमार के 10 वीं बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद गांव में आ ति श बा जी हुई। वहीं ग्रामीण युवाओं ने कहा कि नीतीश कुमार 10 वीं बार मुख्यमंत्री बने हैं तो निश्चित तौर पर युवाओं के बारे में सोचेंगे रोजगार देंगें। पलायन एवं समस्याओं को भी जड़ से खत्म किया जाएगा। बिहार की जनता ने सुशासन विकास सुरक्षा के नाम पर प्रचंड बहुमत देने का काम किया है। उधर विधायक हरिनारायण सिंह, जदयू जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार, जदयू प्रखंड अध्यक्ष रविकांत कुमार, रौशन, मुकेश, टुनटुन, बंटी आदि नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है।

पूर्व रेलवे

ई–निविदा सं.: 183_2025–26 और 184_2025 –26, **दिनांक:** 19.11.2025, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, रेलवे स्टेशन के पास डीआरएम बिल्डिंग, हावड़ा–711101 **[वरिष्ठ डीईएन/सी/हावड़ा]** द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/ सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई–निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **क्रम सं. 1, ई–निविदा सं. : 183_2025–26, कार्य का विवरण** : (i) एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 5/2 के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। (ii) एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 5/3 के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। (iii) एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 5/4 के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। (iv) एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 6/3 के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। (v) एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 7/1 के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 32,40,18,905.10, **बयाना राशि :** रु. 17,70,100/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य। **समापन अवधि** : 12 (बारह) माह। **क्रम सं. 2, ई–निविदा सं. : 184_2025–26, कार्य का विवरण** : (i) एडीईएन/आजिमगंज के अधीन कटवा–आजिमगंज की शाखा में लालबाग कोर्ट रोड–डाहापाड़ा धाम के बीच किमी 173/24–26 पर लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 27/बी के स्थान पर सीमित ऊंचाई के सबवे का निर्माण। (ii) एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 24ए/4(ई) के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। (iii) एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 24ए(टी) के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। (iv) एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 24ए/12(ई) के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। (v) एईएन/आजिमगंज के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट संख्या 26/1/1(ई) के स्थान पर नए एलएचएस का निर्माण। **अनुमानित मूल्य :** रु. 30,88,19,418.69, **बयाना राशि :** रु. 16,94,100/–, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य। **समापन अवधि** : 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 12.12.2025 को 14.00 बजे । निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-406/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन लुटेरे गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां। लूट की घटना को अंजाम देने वाले तीन लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने लूटी गई मोबाइल, लैपटॉप एवं अन्य सामानों को बरामद कर लिया है। पकरीबरावां थाना में गुरुवार को आयोजित पीसी में पकरीबरावां के एसडीपीओ राकेश कुमार भास्कर ने बताया कि बुधवार की शाम को पुलिस को सूचना मिली कि पकरीबरावां थाना क्षेत्र के देवीबीघा गांव निवासी गिरजा प्रसाद यादव के पुत्र मनोज कुमार के साथ दो बाइक पर सवार छह लोगों ने मारपीट कर मोबाइल छीन लिया और वारिसलीगंज की ओर भाग गए। सूचना मिलते ही एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ के नेतृत्व में एक छापेमारी दल गठित की गई। पुलिस ने लुटेरों का पीछा किया। वारिसलीगंज के पटेल चौक के पास स्थानीय लोगों के सहयोग से एक लुटेरा काशीचक थाना क्षेत्र के भौआर गांव निवासी रामानंद प्रसाद के पुत्र दीपक कुमार को गिरफ्तार किया। उसके पास से लूटी गई मोबाइल, लैपटॉप, फिंगर प्रिंट डिवाइस, नकद राशि, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, लूट में प्रयुक्त बाइक आदि बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक ने बताया कि दो बाइक पर सवार उसके छह साथियों ने कसार थाना के सुमका में भी लूट की घटना को अंजाम दिया है। बताया कि वहां एक युवक से लैपटॉप एवं अन्य सामान जबकि एक इंजन रिक्शा के चालक से नकद राशि की लूट की है। उसकी निशानदेही पर दो अन्य आरोपितों कसार थाना क्षेत्र के बहादुरपुर निवासी चंद्रिका पासवान के पुत्र संदीप उर्फ गब्बर एवं इसी थाना क्षेत्र के बाय बिगहा के फिरंगी यादव के पुत्र नौलेश कुमार को गिरफ्तार किया गया।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-97-100-25, दिनांक: 19.11.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा नीचे उल्लिखित विवरणों के अनुसार एफओबी, परिवहन, एक्सटेंशन लाइन, सड़क तथा विविध कार्यों के लिए 04 (चार) अदद ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-97-25। कार्य का विवरण:** बांकुड़ा- बांकुड़ा में वर्तमान एफओबी की बदली। **निविदा मूल्य:** ₹ 7,40,31,969.28। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-98-25। कार्य का विवरण:** (1) आद्रा में नॉर्थ सेटलमेंट के अधीन सड़क की मरम्मत, (2) आद्रा मंडल में टास्क फोर्स के परिचालन के लिए विश्राम कक्ष का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,16,82,904.36। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-99-25। कार्य का विवरण:** दो वर्षों के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में ट्रैक नवीकरण कार्यों के लिए विभिन्न स्थानों से सड़क द्वारा पी. वे सामग्रियों का परिवहन। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,95,20,882.57। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-100-25। कार्य का विवरण:** (1) बोकारो स्टील सिटी गुड्स शेड पर आरडीएफ छोर की ओर लाइन संख्या 4 का विस्तार, (2) बर्नपुर में कॉमन लूप के रूप में लाइन संख्या 1 तैयार करने के साथ लाइन संख्या 1 एवं 2 का विस्तार, (3) आद्रा मंडल में छर्रा स्टेशन पर अप एवं डाउन लूप लाइन का विस्तार। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,24,61,521.17। **ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 18.12.2025 को अपराह्न 3:00 बजे (क्रम संख्या 1 से 4 प्रत्येक के लिए)। उपर्युक्त ई-निविदाओं के विवरण के लिए कृपया वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** देखें। (PR-857)

मनौरा गांव में भगवान बुद्ध की छह फुट ऊंची है प्रतिमा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के ओबरा प्रखंड से तीन किलोमीटर पूरब मनौरा वाजिदपुर भास्कर के निकट कुशान काल के प्रतिमा के रूप में गंधार शैली की बुद्ध प्रतिमा स्थापित है। बताया जाता है कि भगवान बुद्ध इसी रास्ते बोधगया से सारनाथ गए थे। मनौरा गांव में भगवान बुद्ध की छह फीट की प्रतिमा है। यहां बुद्ध की पूजा ग्रामीण भगवान हनुमान मानकर करते हैं। बुद्ध की मूर्ति पर घी व सिंदूर का लेप लगाते हैं। मूर्ति कला के लिए स्वर्णकाल, मौर्यकाल से लेकर हर्षवर्द्धन के शासन काल में 648 ईसा पूर्व में इनकी मृत्यु हुई है। गांव में बुद्ध की प्रतिमा स्थापित किए जाने की संभावना बनती है। वैसे इस संबंध में प्रमाणित कुछ नहीं किया जा सका है। मौर्य काल के समय के अंतराल में प्रतिमा की स्थापना की ज्यादा संभावना बनती है। इसे दो तर्कों के आधार पर भी माना जा सकता है कि हर्षवर्द्धन का इस क्षेत्र से जुड़ाव रहा था। एक तथ्य और है कि हर्षवर्द्धन के राजकवी वान भक्त थे। परंतु ऐसे ऐतिहासिक महत्व के धार्मिक स्थल के विकास की योजना न तो प्रशासन के पास है और न ही सरकार के पास। जनप्रतिनिधियों को इससे कोई मतलब नहीं है। अंग्रेजी हुकुमत में यह बड़ा परगना था, जहां की प्रशासनिक व्यवस्था बहुत दुरुस्त हुआ करती थी, लेकिन इसके विकास की चिता भी किसी को नहीं है। हालांकि वर्षों तक स्थानीय लोग उक्त प्रतिमा की किसी हिंदू देवता की प्रतिमा समझ कर पूजा-पाठ करते रहे। फिर काफी दिनों बाद इनकी पहचान गांधार शैली में बनी बुद्ध प्रतिमा के रूप में की गई। वैसे अभी भी इस प्रतिमा के बारे में विशेष अध्ययन नहीं किया गया है। स्थानीय ग्रामीण इस स्थल को प्रस्तावित बुद्ध पर्यटन सर्किट से जोड़ने की मांग काफी अरसे से करते आ रहे हैं लेकिन अभी तक इस दिशा में किसी भी स्तर पर पहल नहीं की गई है। बता दें कि मनौरा में बुद्ध की प्रतिमा देखने के लिए विदेश से भी पर्यटक पहुंचते हैं।

पांकी विधायक डॉ शशि भूषण मेहता के करीबी निर्मल मेहता भेजे गए जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पांकी विधायक के करीबी सह पूर्व प्रतिनिधि निर्मल मेहता को 2018 के लंबित केस AT 157/2018 में दोषी करार देते हुए अदालत ने गुरुवार को जेल भेज दिया। ज्ञात हो कि हाल के दिनों में भी निर्मल मेहता पर गंभीर आरोप लगे थे। लेस्लीगंज थाना में एक महिला ने उन पर महिला उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

नीतीश कुमार की 10वीं बार ताजपोशी के मौके पर पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान के आयोजित समारोह में राजनीति के धुरंधरों की रही उपस्थिति ।

सड़क हादसे में साले की मौत, बहनोई गंभीर

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र में बुधवार की शाम एक सड़क हादसे में साले की मौत हो गई, जबकि बहनोई गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना बिहटा-सरमेरा टू-लेन के भेन्डा मोड़ के पास हुई। हादसे में मृतक की पहचान अस्थावां थाना क्षेत्र के मालती गांव निवासी 25 वर्षीय अंबेडकर पासवान के रूप में की गई है, जो केशो पासवान के पुत्र थे। वहीं, गंभीर रूप से घायल व्यक्ति हिलसा थाना क्षेत्र के लोदीपुर गांव निवासी अनिकेत कुमार हैं। घटना के संबंध में मृतक के चचेरे भाई ने बताया कि अंबेडकर अपने बहनोई अनिकेत कुमार के साथ शादी के कार्ड बांटने के लिए अहियाचक गांव जा रहे थे। इसी दौरान भेन्डा मोड़ के पास उनकी गाड़ी किसी अज्ञात वाहन से टकरा गई। हादसे के बाद दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पुलिस की मदद से बिहार शरीफ मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने अंबेडकर को मृत घोषित कर दिया। वहीं, अनिकेत को बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

मंदिर परिसर में मिली आपत्तिजनक वस्तु

⇨ आसपास तनावपूर्ण माहौल

⇨ पुलिस ने संभाला मोर्चा

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

भागलपुर। विश्विद्यालय थाना क्षेत्र के साहिबगंज के पीतांबर चौक के पास स्थित एक धार्मिक स्थल में आपत्तिजनक वस्तु रखने पर आसपास का माहौल तनावपूर्ण हो गया।

माहौल बिगाड़ने की साजिश के तहत शरारती तत्वों द्वारा किए गए इस हरकत पर स्थानीय लोगों ने कड़ी आपत्ति जाहिर की। आपत्तिजनक जनक वस्तु मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

इसके पहले कि माहौल बिगड़ती और विधि-व्यवस्था की समस्या खड़ी होती पुलिस हरकत में आई लोगों को समझा-बुझाकर लोगों को शांत कराया। सभी को घर भेज दिया। थैली पुलिस अपने साथ थाना लेकर गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार रात में पुजारी मंदिर पहुंचे। माहौल बिगाड़ने के लिए शरारती तत्वों धार्मिक स्थल में एक थैले में आपत्तिजनक वस्तु रख दिया था। पुजारी के फोन करने पर समाज के लोग इकट्ठा हो गए।

इसके बाद आपत्तिजनक वस्तु को वाले थैले को पुजारी ने मंदिर से बाहर रख दिया। इसके बाद मंदिर की साफ सफाई कराई गई। पूजा पाठ कर मंदिर की शुद्धीकरण की गई। सूचना मिलने पर विश्वविद्यालय और ललमटिया थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की।

पुलिस ने थैली जब्त कर ली। शरारती तत्वों की पहचान के लिए पुलिस ने अगले दिन सीसीटीवी फुटेज खंगालने और कड़ी कार्रवाई का लोगों को भरोसा दिलाया। सभी को समझा-बुझाकर घर भेज दिया।

विश्वविद्यालय थानाध्यक्ष बलबीर ने बताया कि एक धार्मिक स्थल के पास संदिग्ध थैला की सूचना पर पुलिस वहां गई थी। लेकिन जांच के बाद थैली खाली था। अगले दिन की सुबह सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में और सामान्य है।

छापेमारी में बरामद इलेक्ट्रानिक्स गैजेट नशा खुरानी की ओर कर रहा इशारा

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

समस्तीपुर । मुफस्सिल थाना पुलिस ने क्षेत्र के वार्ड 28 के मुसापुर नोनिया टोला स्थित एक घर में छापेमारी कर भारी संख्या में मोबाइल फोन, चार्जर समेत कई तरह के इलेक्ट्रानिक गैजेट की बरामदगी की है। इसका जुड़ाव ट्रेन में यात्रियों को नशा खिलाकर लूटपाट करने वाले गैंग से मिला है। पुलिस ने सभी सामानों को बरामद कर प्राथमिकी दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बताया गया कि बेगूसराय रेल पुलिस को एक नशा खुरानी गिरोह के सदस्य का पता चला। रेल पुलिस की टीम उसकी तलाश करती हुई मुफस्सिल थाना पहुंची। जहां उसने उक्त युवक देवन महतो के पुत्र राजेश कुमार के सत्यापन को लेकर उसके घर पहुंची।

इस दौरान घर के सभी सदस्य घर छोड़ फरार हो गए। संदिग्ध गतिविधियों को देख पुलिस ने घर में छापेमारी की। जहां से भारी मात्रा में मोबाइल फोन, मोबाइल का चार्जर, होम थिएटर, कलाई घड़ी, इलेक्ट्रानिक चूल्हा, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी वाली ईयर फोन, एक लौपटाप समेत कई तरह के अन्य सामान की बरामदगी हुई। पुलिस ने सभी सामानों को जब्त कर थाना ले आयी है। हालांकि, आरोपी युवक मौके से फरार हो गया।

आशंका है कि उक्त सामान ट्रेन के यात्रियों से लूट कर जमा कर रखी गई थी। इधर, थाना पुलिस सभी सामानों की जब्ती सूची तैयार कर उक्त आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली। वहीं बेगुसराय रेल पुलिस युवक के बिना ही बैरंग खाली हाथ वापस लौट गई। बताया गया कि वह उसकी तलाश करती हुई यहां पहुंची थी। थानाध्यक्ष अजित प्रसाद सिंह ने बताया कि पुलिस ने उक्त आरोपी युवक के घर से भारी मात्रा में सामानों की बरामदगी की है। सभी सामानों की जब्ती सूची तैयार कर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उसकी तलाश जारी है।

उपेंद्र कुशवाहा के बेटे की वजह से हो गया 'खेला'

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

हाजीपुर। एनडीए की नई सरकार में मंत्रिमंडल के गठन को लेकर वैशाली के लोग जहां एक ओर गदगद हैं तो वहीं हैरत में भी हैं। दो नाम ऐसे हैं जिन्हें नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी नई सरकार में मंत्री बनाए जाने को लेकर इस बार यहां के लोग पूरी तरह से आश्वस्त थे। इन दो नामों में एक है, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा का नाम और दूसरा है, हाजीपुर से लगातार चौथी बार विधायक बने अवधेश सिंह का नाम।

मंत्रिमंडल के गठन में जब इन दोनों के नाम को लोगों ने नहीं देखा तो आश्चर्य में पड़ गए। ना सिर्फ राजनीतिक गलियारे में, बल्कि आम लोगों में भी इस बात की चर्चा तेज हो गई है।

नीतीश कुमार के नेतृत्व में गुरुवार को गठित राज्य की नई मंत्रिमंडल में महनार विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा को जगह मिलने को लेकर लोग पूरी तरह से आश्वस्त थे। लोगों के आश्वस्त होने का मजबूत आधार भी था। एक तो उमेश कुशवाहा जदयू में महत्वपूर्ण ओहदा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर आसीन हैं।

वहीं दूसरी ओर चुनाव प्रचार के दौरान जंदाहा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने महनार के लोगों से उन्हें जीताने की अपील करते हुए कहा था कि उमेश को एनडीए की सरकार में मंत्री बनाया जाएगा। यहां तक कहा था कि अगर जदयू में जगह नहीं मिली तो भाजपा कोटे से मंत्री बनवाएंगे।

आखिरी वक्त तक उनके मंत्री बनाए जाने की चर्चा खास थी। इसी बीच महनार विधानसभा क्षेत्र के ही रहने वाले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश का नाम सामने आ गया और उमेश सध गए। कारण यह था कि दीपक रालामो गठबंधन के तहत मंत्री बने तो वहीं मंत्रिमंडल में जातीय समीकरण में भी एक ही साथ आ गए। इसके कारण ही शायद उमेश को मंत्री बनने से आखिरी वक्त में वंचित होना पड़ा।

वैशाली जिला मुख्यालय की हाट सीटों में शुमार हाजीपुर से लगातार चौथी बार विधायक बने अवधेश सिंह को इस बार गुरुवार को नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी एनडीए की नई सरकार में मंत्री बनाए जाने को लेकर यहां के लोग पूरी तरह से आश्वस्त थे। आखिरी वक्त में जैसे ही पातेपुर से दूसरी बार विधायक बने लखेंद्र रौशन का नाम मंत्री बनने वालों की लिस्ट में सामने आया, लोग आश्चर्य में पड़ गए।

हालांकि, लखेंद्र को मंत्री बनाए जाने के पीछे भी दूर का राजनीतिक मकसद है। एक तीर से दो क्षेत्र को साधने की कोशिश के तहत अवधेश मंत्री बनने से वंचित रह गए। इसका राजनीतिक कारण यह है कि पातेपुर विधानसभा क्षेत्र केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय के संसदीय क्षेत्र समस्तीपुर के उजियारपुर के अंतर्गत आता है। इसके तहत पातेपुर के साथ उजियारपुर को भी संदेश देने की कोशिश नित्यानंद की ओर से की गई है।

यहां बताते चलें कि अवधेश भी नित्यानंद के ही खास हैं और उनकी राजनीतिक विरासत को संभाल रहे हैं। उजियारपुर से सांसद चुने जाने के पूर्व नित्यानंद 2000 से लगातार 04 टर्म विधायक रह चुके हैं और सांसद बनने के बाद अवधेश को ना सिर्फ अपनी राजनीतिक विरासत को सौंपा बल्कि फेस बनकर उन्हें जीता कर विधानसभा भी पहुंचाया। वहीं दूसरी ओर मंत्रिमंडल के गठन में जातीय समीकरण को लेकर भी अवधेश वंचित होते रहे हैं।

एनकाउंटर में मोस्ट वांटेड जख्मी

चार अन्य दबोचे गये

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

बेगूसराय। तेघड़ा थाना अंतर्गत दियारा क्षेत्र में पुलिस एनकाउंटर में दियारा क्षेत्र का मोस्ट वांटेड अपराधी नीरज सिंह गिरफ्तार हुआ उसे एनकाउंटर के दौरान पैर में गोली लगी है। उसे इलाज हेतु प्रशासन के द्वारा अस्पताल भेजा गया।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष ने बताया बुधवार की रात्रि तेघड़ा थाना क्षेत्र के दियारा में बड़े संख्या में अपराधी हथियार के साथ जुटे हुए हैं इसकी सूचना मिलते ही एसटीएफ पुलिस बल के साथ तीन चार थाना की पुलिस दियारा क्षेत्र में पहुंचे।

पुलिस को देखते ही अपराधी के द्वारा गोलीबारी शुरू कर दी गई । उसके जवाब में पुलिस के द्वारा भी जवाबी गोलीबारी की गई जिसमें दियारा क्षेत्र का मोस्ट वांटेड

अपराधी नीरज सिंह को पैर में गोली लगी वह घायल होकर वहीं पर गिर गया।

पुलिस अधीक्षक ने बताया अभी चार अपराधी गिरफ्तार हुए हैं। अपराधियों के साथ आर्म्स भी बरामद हुई है। घायल मोस्ट वांटेड अपराधी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

वहीं घटना की सूचना एफएसएल टीम को दी गई। एफएसएल की टीम सूचना प्राप्त होते ही घटनास्थल पर पहुंचकर जांच कर रही है। उन्होंने बताया अभी पुलिस टीम के द्वारा छापेमारी चल रही है।

डीएम ने किया अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

अररिया। बिहार राज्य फसल सहायता योजना अंतर्गत आज जिला पदाधिकारी, अनिल कुमार ने जिले के रानीगंज प्रखंड अंतर्गत छतियाना पंचायत के रूपौली राजस्व ग्राम में किसान मो खलील के खेत में अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया। अगहनी धान फसल कटनी प्रयोग प्रत्येक पंचायत में 5 आयोजित होता है, जिसमें ग्राम एवं खेसरा का चयन रैंडम पद्धति से किया जाता है।

चयनित खेसरा में 10 गुना 5 मीटर के क्षेत्रफल में कटनी प्रयोग संपादित होते हैं। इसी प्रकार के प्रयोग के आधार पर प्राप्त उपज से संपूर्ण जिला का उपज दर निर्धारित होता है इसके महत्व को देखते हुए जिला स्तर के पदाधिकारी से लेकर प्रखंड स्तर तक के पदाधिकारी के निरीक्षण में ऐसे प्रयोग संपादित किए जाते हैं। गुरुवार को कटनी में हरा दाना का

वजन 50 वर्ग मीटर में 20 किलोग्राम 200 ग्राम आया। इस प्रकार इसका उपज दर 40 क्विंटल 40 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर आकलित किया गया।

इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, अररिया, गौरव प्रताप सिंह, सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा सह ओ.एस.डी, गोपनीय प्रशाखा, दिलीप कुमार, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अररिया श्री श्रीकांत पासवान, अंचलाधिकारी रानीगंज, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी राजकुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, रानीगंज, प्रयोगकर्ता श्री संदीप कुमार मंडल, कृषि समन्वयक सहित अनेक कर्मी एवं किसान उपस्थित थे।

गोरक्षक टीम को तस्करों ने पीटा, तीन लोग गंभीर

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

जहानाबाद। अरवल जिले के किंजर थाना क्षेत्र में एसएच 69 किंजर-कुर्था पथ पर मंगलवार की सुबह खैराडीह गांव के समीप दिल्ली की गो रक्षकों की टीम पर तस्करों ने जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में योगेश, अनुराग व सूरजभान शामिल हैं।

बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों को किंजर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीर जख्मी अनुराग को अरवल सदर अस्पताल रेफर किया गया। उसका सिर फट गया है, योगेश के पेट, पीठ और हाथ में गहरी चोट है। सूरजभान को अंदरूनी चोट है।

तीनों दिल्ली के सफदरगंज क्षेत्र के हौजखास गांव के निवासी हैं और गो ज्ञान फाउंडेशन के सदस्य हैं। यह संगठन पशुओं की तस्करी रोकने, संरक्षण और पोषण के लिए काम करता है। गो रक्षकों ने घटना को लेकर किंजर थाने में आवेदन दिया है। थानाध्यक्ष सिमरन राज ने बताया कि पशु तस्करी की सूचना पर गो रक्षक दल बिना पुलिस को सूचित किए पहुंचा था।

उनके साथ मारपीट की घटना हुई है, जिसमें दो लोग गंभीर घायल हैं। प्राथमिकी कर आरोपितों की तलाश की जा रही है। प्राथमिक जांच में पेड़ से बांधकर पिटाई की पुष्टि नहीं हुई है। जख्मी गो रक्षकों ने बताया कि सूचना मिली थी कि अरवल जिले के मंगरा हाट में गैर कानूनी तरीके से पशुओं की तस्करी की जाती है।

वस्तुस्थिति देखने वे लोग मंगरा हाट जा रहे थे, रास्ते में खैरा गांव के पास एक पिकअप पर पशु लदा देख रुकवाया तो उतरते ही पशु तस्करों ने हमला बोल दिया। पेड़ से बांधकर पीटा। इस बीच उनलोगों ने डायल 112 पर काल किया तो पुलिस ने आकर जान बचाई।

उधर, पुलिस को सूचना देने की बात सुनकर सभी तस्कर वाहन लेकर भाग निकले। गो रक्षकों ने बताया कि मंगरा हाट बिना किसी अनुज्ञप्ति व अनुमति के संचालित हो रहा है।

कार सवार हथियारबंद अपराधियों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग, दहशत

फायरिंग में प्रयुक्त रेगुलर पिस्टल, मैगजीन व एक कारतूस बरामद

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

आरा। नवादा थाना क्षेत्र के चंदवा मोड़ पेट्रोल पंप स्थित सिविल कोर्ट के एक अधिवक्ता के कार्यालय पर बुधवार की रात रोडरेज के विवाद को लेकर काले रंग की सफारी कार सवार हथियारबंद तत्वों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हालांकि, फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ।बाद में आसपास के लोगों के विरोध पर फायरिंग करते हुए गाड़ी समेत भाग खड़े हुए।

घटना की सूचना मिलते ही नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और वारदात के बारे में पूरी जानकारी ली। पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया। इसके बाद गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव में पुनः छापेमारी कर गोली कांड में प्रयुक्त एक राजनीतिक दल का बोर्ड लगी काले रंग की सफारी गाड़ी एवं उसमें रखे रेगुलर पिस्टल व मैगजीन को बरामद कर लिया।

हालांकि, आरोपित हाथ नहीं लगे। इसे लेकर चंदवा निवासी अधिवक्ता अंजनी कुमार तिवारी ने संबंधित थाना में गजराजगंज ओपी के कारीसाथ निवासी कलयुग सिंह, प्रकाश सिंह, बिहिया थाना के लहंग डुमरिया निवासी सिद्धू सिंह, हाला सिंह व मसाढ़ निवासी अंकित सिंह समेत दो अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। अधिवक्ता अंजनी तिवारी परशुराम सेवा सेवा संघ के शाहाबाद इकाई अध्यक्ष भी है।

पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार अधिवक्ता अंजनी तिवारी के भतीजे प्रियांशु की स्कूटी बुधवार शाम हाउसिंग कालोनी रास्ते पर कार सवार आरोपितों की गाड़ी से हल्के से टकरा गई थी। इस बात को लेकर दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई थी, लेकिन मामला वहीं शांत हो गया था। बताया जाता है कि रात करीब सवा आठ बजे वही सफारी गाड़ी सवार आरोपित चंदवा मोड़ स्थित अधिवक्ता सह परशुराम सेवा संघ के कार्यालय पहुंचे और आते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। घटना के समय अधिवक्ता नहीं थे। बाद में आसपास के लोगों ने विरोध किया तो आरोपित सफारी गाड़ी समेत से फरार हो गए। अधिवक्ता ने सफारी सवार मुख्य आरोपित पर नशे में गाड़ी चलाने एवं स्कूटी से टच करने तथा विरोध करने पर पहले गाली-गलौज करने एवं धमकी देने और बाद में फायरिंग करने का आरोप लगाया है।

ट्रैक्टर मरम्मत करा रहे युवक को गोलियों से भूना

गोलियों की आवाज से दहल उठा बाजार

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

जमुई। चंद्रदीप थाना क्षेत्र के अलीगंज बाजार में अपराधियों ने एक युवक को गोली मारकर घायल कर दिया। गोली लगने से हुडरहिया गांव निवासी रणधीर यादव घायल हो गया। बताया जाता है शाम लगभग चार बजे रणधीर यादव अलीगंज बाजार स्थित धर्मकांटा के समीप दुकान से अपने टैक्टर में बेल्डिंग का काम करवा रहा था।

इसी बीच अपाची बाइक सवार तीन युवक आया और रणधीर के ऊपर लगातार तीन गोली चला दी। एक गोली रणधीर के जांघ तथा दूसरी गोली दाएं बांह जा लगी और एक बाहर निकल गई।

घायलावस्था में रणधीर को इलाज के लिए अलीगंज पीएचसी लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए जमुई रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष राजेन्द्र साह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। जल्द ही घटना में शामिल अपराधियों को चिन्हित कर लिया जाएगा। इधर, गोली चलने से अलीगंज बाजार दहल उठा है और लोगों में भय व दहशत का माहौल बन गया है।

ट्रेन से कटकर महिला की मौत

आरा । पटनाझडीडीयू रेलखंड पर बिहिया स्टेशन के समीप ओवरब्रिज के नीचे ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान तीयर थाना क्षेत्र के यादवपुर गांव वार्ड संख्या 14 निवासी स्वर्गीय धुरान कुमार की 22 वर्षीय पत्नी सोनी कुमारी के रूप में हुई।

गुरुवार को सदर अस्पताल, आरा में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतका के छोटे भाई संतोष कुमार ने बताया कि दो दिन पूर्व किसी कारणवश जहर खाने से सोनी के पति की मौत हो गई थी।

पति की मौत के सदमे से सोनी की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद स्वजन उसे बिहिया थाना क्षेत्र के साहब टोला स्थित मायके ले आए और उसका इलाज कर रहे थे।

बुधवार की रात सोनी घर से टहलने निकली थी। इसी दौरान बिहिया स्टेशन के ओवरब्रिज के नीचे वह ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रात में उसके घर नहीं लौटने पर स्वजन ने तलाश की। गुरुवार की सुबह उन्हें सूचना मिली कि ट्रेन दुर्घटना में एक महिला की मौत हुई है।

कचरा फैलाने वालों पर सीसी टीवी रखेगी निगरानी

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

शेखपुरा। नगर क्षेत्र में मुख्य सड़कों पर कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ नगर परिषद सख्त कार्रवाई करने जा रही है। इसके साथ ही, स्ववित्त पोषित योजना के तहत बनी पुरानी दुकानों के मालिकों पर भी नकेल कसी जाएगी। नगर परिषद ने बिना ट्रेड लाइसेंस के चल रही दुकानों पर भी शिकंजा कसने की योजना बनाई है। कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि मुख्य सड़क पर कचरा फेंकने वालों से नगर परिषद पांच हजार रुपये का जुर्माना वसूल करेगी। इसके लिए सीसी कैमरों के माध्यम से निगरानी की जाएगी।

साथ ही नगर परिषद के चलते-फिरते अधिकारी और कर्मचारी भी इस पर नजर रखेंगे। शहर के कई क्षेत्रों में यह देखा जा रहा है कि लोग घरों की छतों से कचरा सड़क पर फेंक देते हैं, जबकि कई दुकानदार रात में अपना कचरा सड़क पर डाल देते हैं। ऐसे लोगों की पहचान होने पर पांच हजार रुपये का जुर्माना

लगाया जाएगा।

1995-96 के दौरान नगर निकाय ने स्ववित्त पोषित योजना के तहत कई स्थानों पर दुकानें बनाकर बेरोजगारों को स्वरोजगार के लिए दी थीं। इसमें भूमि नगर निकाय की थी। निर्माण का खर्च लाभुक उठाते थे।

इसके बदले नगर निकाय ने न्यूनतम किराया निर्धारित किया था, लेकिन अधिकांश लाभुक किराया का भुगतान नहीं कर रहे हैं। दुकानदारों पर नगर परिषद का 39 लाख 53 हजार 364 रुपये का किराया बकाया है। किराया भुगतान के लिए नोटिस जारी की गई है। यदि भुगतान नहीं किया गया, तो दुकानों को सील किया जाएगा।

डेढ वर्ष बाद भी नहीं मिल सकी विधवा को आर्थिक सहायता

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

नवादा। डेढ़ वर्ष पहले बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आकर असमय काल के गाल में समा चुके सामाजिक कार्यकर्ता एवं बिहार नाई समाज के प्रखंड इकाई वारिसलीगंज के युवा अध्यक्ष नीरज ठाकुर की मौत के बाद उसके परिवार तंगहाली जीवन जीने को विवश हैं। हंसता-खेलता परिवार आर्थिक तंगी से जूझ रहा है।

घर का एकमात्र कमाऊ युवा सैलून चलाकर परिवार का जीविकोपार्जन करता था। पुत्र की मौत से बूढ़ी विधवा मां सहित नीरज की पत्नी के समक्ष बिना पुरुष के नारी की जो दशा होती है, उसी पीड़ा से दोनों सास-बहू को गुजरना पड़ रहा है। अपने मिलनसार स्वभाव के कारण नीरज सभी समुदायों के लोगों के बीच प्रिय था।

उसकी आसमयिक मौत से परिवार के सामने रोजी-रोटी की समस्या है। घर में 76 वर्ष की वृद्धा विधवा मां तथा विधवा हुई युवा पत्नी के पास कमाई का कोई जरिया नहीं है। सैलून बंद हो चुका है।

फॉर्च्यूनर से 48.50 लाख रुपये बरामद

जांच में जुटी आयकर विभाग की टीम

<u>नवबिहार टाइम्स संवाददाता</u>

मधेपुरा। चौसा थाना की पुलिस ने वाहन जांच के क्रम में काले रंग की फॉर्च्यूनर गाड़ी से 48.50 लाख रुपये बरामद की है। सभी नोट पां सौ रुपये के हैं। रुपये समेत वाहन को जब्त कर तत्काल आयकर विभाग को इसकी सूचना दी गई। वाहन पर व्यवसायी व पेट्री कांट्रैक्टर रंजेश कुमार सिंह सहित वाहन चालक व अन्य एक व्यक्ति सवार थे।

सहरसा के बसनही थाना क्षेत्र निवासी रंजेश कुमार सिंह का पेट्रोल पंप का व्यवसाय है और वे पेटी कांट्रैक्टर आदि का भी काम करते हैं। इधर, भागलपुर से चौसा थाना पहुंची आयकर विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी है।

थानाध्यक्ष रवि कुमार पासवान ने बताया कि फुलौत-चौसा मार्ग पर भवनपुरा मोड़ के निकट वाहन जांच के दौरान काले रंग की फॉर्च्यूनर वाहन संख्या बीआर 43आर 0007 को रोक कर तलाश ली गई। तलाशी के क्रम में पिछले सीट के पास बोरा में रखा नोटों की गड्डी देख तत्काल अंचलाधिकारी उदयकांत मिश्रा को जानकारी दी गई।

सीओ की उपस्थिति में नोटों की गिनती की गई 48 लाख 50 हजार रुपये बरामद हुआ। जिसे जब्त कर थाना लाया गया। थानाध्यक्ष रवि कुमार पासवान में बताया कि आयकर अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं।

बिहार की जनता के आशीर्वाद और प्यार से दसवीं बार नीतीश कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। ढलती उम्र, थकान और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों तथा अटकलों को दरकिनार करते हुए नीतीश कुमार ने गुरुवार को दसवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य की राजनीति में अपने निरंतर प्रभाव और जनता के भरोसे की एक बार फिर पुष्टि तो की ही साथ ही देश में एक नया कीर्तिमान भी स्थापित कर दिया। लगभग दो दशकों तक सत्ता में रहने के बाद नीतीश कुमार इस बार के चुनाव में अपनी सबसे कठिन राजनीतिक परीक्षा का सामना कर रहे थे। सुशासन बाबू के रूप में जाने जाने वाले नीतीश को इन चुनावों में बढ़ती उम्र, थकान और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सार्वजनिक रूप से सामना करना पड़ा। मीडिया से नीतीश से दूरी, कुछ मंचों से उनके दिए बयान और हाव भाव पर लोग सवाल उठाते रहे। बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव नीतीश कुमार को अचेत मुख्यमंत्री कहते थे। अपनी सेहत और नेतृत्व पर महागठबंधन की तरफ से उठते सवालों के बावजूद नीतीश जनता की पसंद बने रहने में कामयाब हुए। बिहार में जनादेश की बहार में 'नीतीशे कुमार' पर जनता ने एक बार फिर ऐतबार जता दिया। बिहार में हुए विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मिली प्रचंड जीत ने सबको चौंका दिया। छह महीने पहले तक जहां नीतीश कुमार की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे और विपक्षी दल महागठबंधन मजबूत दिख रहे थे, वहीं चुनाव नतीजों ने सबको गलत साबित कर दिया। नीतीश कुमार ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे बिहार की राजनीति के सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। यह जीत सिर्फ सरकार बनाने के लिए नहीं, बल्कि बिहार की जनता की निरंतरता और स्थिरता की चाहत का प्रमाण है। जनता ने फिर से कहा, बिहार में बहार है नीतीशे कुमार हैं.... नीतीश कुमार अपनी जनसभाओं, रैलियों में कहते, 2005 से पहले कुछ था... कोई काम किया है ऊ लोग(राजद)....कोई शाम के बाद निकल पाता था... नीतीश कहते रहे कि सब हम लोग कितना काम किए जी... नीतीश ने अपनी ये बात वोटरों के मन में बैठा दी कि 2025 के चुनाव में जनता दल यूनाइटेड के राजनीतिक पतन या कहें कि रसातल में जाने की कल्पना कर रहा महागठबंधन खुद उस रसातल 35 सीटों पर सिमट गया वहीं नीतीश की अगुवाई वाला जदयू वर्ष 2020 के चुनाव की तुलना में करीब दुगनी 85 सीटों पर जीत हासिल करने में सफल रहा। नीतीश का लगातार पांचवां विधानसभा चुनाव जीतना और 10वीं बार मुख्यमंत्री बनना, भारतीय राजनीति में एक दुर्लभ उपलब्धि है, खासकर हिंदी भाषी राज्यों में, जहां भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद की जाती है, वहीं बिहार ने बार-बार दोहराए जाने वाले चेहरे पर अपना विश्वास दिखाया है। इस बार राजग में भाजपा और जदयू ने बराबर-बराबर 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा और राजग ने उन्हें फिर से मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में आगे रख कर चुनाव लड़ा। इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की छवि का फायदा मिला। राजग ने 2010 के 200 से अधिक सीटों को जीतने के प्रदर्शन को दोहराया। कभी बिहार में भाजपा के बड़े भाई की भूमिका में रहे जदयू को इस बार छोटे भाई की भूमिका में देखा जा रहा था। यह धारणा थी कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ब्रांड वोट खींचेगा, न कि नीतीश का। चुनाव से पहले यह व्यापक रूप से माना जा रहा था कि प्रधानमंत्री मोदी की स्थायी लोकप्रियता और भाजपा का राष्ट्रीय प्रभुत्व ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सबसे बड़ी ताकत होगी, जो नीतीश की घटती लोकप्रियता की भरपाई कर सकती है। इस चुनाव के परिणाम से सबसे चौंकाने वाली सच्चाई यह है कि जिस नीतीश की व्यक्तिगत विश्वसनीयता को खत्म माना जा रहा था, वह असाधारण रूप से टिकाऊ साबित हुई। भाजपा के रणनीतिकारों ने भी जदयू की इस स्तर की वापसी की उम्मीद नहीं की होगी। इस चुनाव में नीतीश कुमार ने महिला मतदाताओं के बीच एक मजबूत सद्भावना अर्जित की है। बिहार की 'दीदियों' ने मजबूती से उनका हाथ थामे रखा। यह बात लंबे समय से मानी जाती रही है कि बिहार की महिलाएं 2005 से चली आ रही नीतीश नेतृत्व वाली राजग सरकार की महिला-केंद्रित योजनाओं की वजह से उनसे खूब जुड़ी हुई हैं, लेकिन इस बार गेम-चेंजर बना चुनावी सीजन के दौरान 1.4 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को दिया गया,10 हजार रूपये का नकद भुगतान। 'दस-हजारिया' लाभार्थी और जीविका दीदियां राजग की बड़ी जीत का असली इंजन बन गईं। सरकारी योजनाओं से लाभ पाने वाली महिलाएं बड़ी संख्या में है और वे हर जाति, समुदाय और वर्ग से आती हैं। इस बार 71.6 प्रतिशत महिलाओं ने वोट डाला, जो पुरुषों (62.8 प्रतिशत) से करीब नौ प्रतिशत ज्यादा है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना जैसी कल्याणकारी पहलों के माध्यम से महिला मतदाताओं ने उनके नेतृत्व के लिए एक स्थिर बल के रूप में काम किया है जिससे उन्हें अन्य वर्गों के झटकों से बचाव मिला है। वर्ष 2020 के विपरीत जहां जदयू के कैडर में भ्रम दिखा था, इस बार पार्टी की संगठनात्मक शक्ति अधिक प्रभावी ढंग से सक्रिय हुई। ग्रामीण नेताओं और स्थानीय प्रभावशाली लोगों पर आधारित उसके पारंपरिक कैडर ढांचे ने निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर भाजपा के साथ बेहतर समन्वय के साथ काम

किया। नतीजों ने नीतीश की उस क्षमता को भी दिखाया जिसमें वे गठबंधन को अपना वोट ट्रांसफर कर सकते हैं। चाहे वह किसी भी गठबंधन में हों। उनके कई उलटफेरों के बावजूद, उनके निर्वाचन क्षेत्रों से संदेश साफ था 'आप जहां जाएंगे, हम भी वहीं जाएंगे।' विरोधियों की ओर से उनके स्वास्थ्य और शासन क्षमता पर लगातार हमलों ने उनके समर्थकों को पहले से कहीं ज्यादा मतदान केंद्रों तक पहुंचाया। सुशासन बाबू होने के अलावा, नीतीश 'मिस्टर क्लीन' भी हैं। उनके मंत्रियों पर आरोप लगते हैं, लेकिन किसी ने भी नीतीश पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाया है। सत्ता विरोधी लहर के बावजूद, स्थिरता, कल्याणकारी योजनाओं, जातिगत समावेशिता और प्रशासनिक निरंतरता की बुनियादी धारणाएं ब्रांड नीतीश के साथ मजबूती से जुड़ी रहीं जिसने उन्हें न केवल प्रासंगिक बनाए रखा, बल्कि उम्मीदों से कहीं अधिक मजबूत बनाकर उभारा। इस प्रकार 'टाइगर अभी जिंदा है' का नारा सिर्फ एक राजनीतिक उद्घोष नहीं, बल्कि नीतीश कुमार की राजनीतिक वजूद और विश्वसनीयता का प्रमाण भी रहा। हाल के दिनों में कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों में नीतीश की चूकें चर्चा में थीं, लेकिन इसके बावजूद महिलाओं के बीच उनकी छवि एक भरोसेमंद, परिवार-जैसे नेता की बनी हुई है और महिलाएं इस भरोसे का जवाब वोट से दिया और मिस्टर भरोसेमंद नीतीश कुमार दसवीं बार राज्य का मुख्यमंत्री बनाया। बिहार में पटना जिले के बख्तियापुर में एक मार्च 1951 को एक साधारण परिवार में जन्मे नीतीश कुमार के पिता स्व. कविराज राम लखन सिंह स्वतंत्रता सेनानी और वैद्य थे। श्री कुमार बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज पटना में पढ़ायी के दौरान ही लोक नायक जयप्रकाश नारायण से प्रभावित होकर वर्ष 1974 के छात्र आंदोलन में कूद पड़े थे। नीतीश पहली बार सियासत में 1977 में उतरे जब पूरे देश में कांग्रेस के खिलाफ माहौल बन चुका था। इस दौर में जनता पार्टी मजबूती से उभरी और लगभग पूरे देश में वर्चस्व बनाया। हालांकि नीतीश कुमार चुनावी राजनीति में बेहतर शुरुआत नहीं कर पाए। वर्ष 1977 का चुनाव हुआ तब वह जनता पार्टी के टिकट पर नालंदा जिले के हरनौत विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़े लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 1980 के विधानसभा चुनाव में भी उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा तब उनके परिवार वालों ने उन पर राजनीति छोड़कर नौकरी के लिए दबाव बनाना शुरु कर दिया, लेकिन श्री कुमार नहीं माने और राजनीति में डटे रहे। इसके बाद श्री कुमार को पहली बार 1985 के विधानसभा चुनाव में हरनौत से ही सफलता मिली और उसके बाद 1989 के लोकसभा चुनाव में वह बाढ़ संसदीय क्षेत्र से चुनकर लोकसभा पहुंचे। श्री कुमार 1990 में विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार में केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री बने। वर्ष 1991 के मध्यावधि चुनाव में वह फिर से लोकसभा के सदस्य चुने गये। यही वह दौर था जब इंजीनियर से नेता बने नीतीश कुमार उभार पर आए। कभी लालू प्रसाद यादव के 'छोटे भाई' के तौर पर उनके विश्वासपात्र माने जाने वाले नीतीश ने धीरे-धीरे पिछड़ी जातियों, खासकर कुर्मी-कुशवाहा समाज को अपनी तरफ खींचना शुरू कर दिया। इसके अलावा उन्होंने अति-पिछड़ा समाज (ईबीसी) के बीच भी पैठ बनाई। इस जातीय समीकरण को बिठाकर उन्होंने लालू यादव के समर्थन में खड़े यादव समुदाय की एकजुटता की काट खोजी। लालू प्रसाद यादव से राजनीतिक मतभेद के कारण वर्ष 1994 में जनता दल से अलग होकर श्री कुमार ने जार्ज फर्नांडीस के नेतृत्व में समता पार्टी बनाकर 1995 का विधानसभा चुनाव लड़ा तब उनकी पार्टी मात्र सात सीट पर ही जीत हासिल कर सकी। श्री कुमार ने इस हार से सबक लेते हुए लालू विरोधी मतों के विभाजन को रोकने के इरादे से वर्ष 1996 में भाजपा के साथ गठजोड़ कर लिया। उनका यह फार्मूला कामयाब रहा और उसका फायदा उन्हें आज तक मिल रहा है। श्री कुमार वर्ष 1996, 1998 और 1999 के लोकसभा चुनाव में विजयी हुए। श्री कुमार ने अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में वर्ष 1998 में रेल मंत्री और भूतल परिवहन मंत्री का कार्य भार संभाला। 1999 में फिर बनी वाजपेयी सरकार में वह भूतल परिवहन और कृषि मंत्री बनाये गये। वर्ष 2000 के विधानसभा चुनाव में त्रिशंकु विधान सभा में उन्होंने राजग विधायक दल के नेता के रूप में मुख्यमंत्री पद की पहली बार शपथ ली, लेकिन बहुमत नहीं जुटा पाने के कारण विधानसभा में शक्ति परीक्षण से पहले ही सात दिनों के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। श्री कुमार के लिए यह बड़ा राजनीतिक झटका था। उसके बाद वह फिर से केन्द्र की राजनीति में लौट गये और वर्ष 2000 से लेकर 2004 तक वाजपेयी सरकार में मंत्री और रेल मंत्री रहे। 2004 के लोकसभा चुनाव में श्री कुमार ने दो सीटों से चुनाव लड़ा जिसमें वह बाढ़ से चुनाव हार गये लेकिन नालंदा सीट से विजयी हुए। उस साल केन्द्र में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की सरकार बनने के बाद श्री कुमार ने अपने आप को पूरी तरह बिहार की राजनीति पर केन्द्रित कर लिया। फरवरी 2005 में जब विधानसभा का चुनाव हुआ तब किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला और कोई भी दल सरकार बनाने में सफल नहीं रहा। नवम्बर 2005 में दुबारा हुए चुनाव में श्री कुमार के नेतृत्व वाले राजग को स्पष्ट बहुमत मिल गया और वह दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री के रूप में विकास पुरुष की छवि बना चुके श्री कुमार के नेतृत्व में जब राजग ने 2010 का विधानसभा चुनाव लड़ा तो उसे दो-तिहाई बहुमत हासिल हुआ। श्री कुमार ने तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की जिम्मेवारी संभाली। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव के लिए नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री के उम्मीदवार के तौर पर पेश किये जाने की कोशिशों के विरोध में भाजपा से 17 साल पुराना अपना नाता तोड़कर एक बड़ा राजनीतिक जोखिम उठाया। भाजपा से नाता टूटने के बाद अल्पमत में आयी अपनी सरकार को उन्होंने निर्दलीय और अन्य दलों के बाहर से समर्थन के बल पर किसी तरह से बचा कर रखा। इसके बाद जब वर्ष 2014 का लोकसभा चुनाव हुआ तो श्री कुमार की पार्टी जदयू को करारी हार का सामना करना पड़ा। इस हार की नैतिक जिम्मेवारी लेते हुए उन्होंने 17 मई 2014 को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया और अपने भरोसेमंद नेता जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनवा दिया लेकिन छह माह के अंदर ही श्री कुमार को लगने लगा कि उन्होंने श्री मांझी को मुख्यमंत्री बनाकर एक बड़ी राजनीतिक भूल कर दी। करीब 15 दिनों के राजनीतिक ड्रामे के बाद श्री मांझी ने इस्तीफा दिया और 22 फरवरी 2015 को श्री कुमार ने चौथी बार मुख्यमंत्री का पद संभाला।

अंचल कार्यालयों में सीएससी-वीएलई को स्थान उपलब्ध कराने में लापरवाही पर विभाग सख्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा आम रैयतों एवं भू-धारकों को विभागीय ऑनलाइन सेवाएं सुगमता से प्रदान कराने के उद्देश्य से राज्य के प्रत्येक अंचल कार्यालय में सीएससी के चयनित वीएलई को प्रमुख स्थान पर बैठाने का निर्देश पहले ही जारी किया गया था। इसके बावजूद विभाग को प्राप्त फीडबैक में यह पाया गया कि अधिकांश अंचलों में इस आदेश का पालन नहीं किया गया है जो अत्यंत खेदजनक है। विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह द्वारा जारी नवीनतम निर्देश में यह स्पष्ट किया गया है कि अधिकांश अंचल अधिकारियों ने सीएससी-वीएलई को बैठने का स्थान निर्धारित नहीं किया है जबकि इसके लिए विभाग का स्पष्ट आदेश 30 अप्रैल 2025 तथा पुनः 18 नवंबर 2025 को जारी किया गया था जिन कुछ अंचलों में स्थान उपलब्ध कराया भी गया है, वहां ऐसी जगह बैठाया गया है जहां वे रैयतों की नजर में ही नहीं आते, इससे विभागीय उद्देश्य की पूरी तरह से अनदेखी होती है। अपर मुख्य सचिव श्री सिंह ने इसे विभागीय निर्देश की अवहेलना एवं अनुशासनहीनता मानते हुए सभी समाहर्ताओं को कड़े शब्दों में निर्देश दिया है कि सभी अंचल अधिकारियों को आदेशित करते हुए सीएससी के एक वीएलई को अंचल कार्यालय के प्रमुख एवं सुगम स्थान पर बैठाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने कहा है कि सभी समाहर्ता 28 नवंबर तक विभाग को अनुपालन रिपोर्ट भेजें जिन अंचल अधिकारियों द्वारा इस आदेश का पालन नहीं किया जाएगा, उनके विरुद्ध तत्काल निलंबन एवं अनुशासनिक कार्रवाई हेतु आरोपपत्र भेजने का निदेश भी दिया गया है।

सीएससी वीएलई के चौथे बैच के प्रशिक्षण की शुरुआत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ऑनलाइन सेवाओं को आम नागरिकों के और करीब लाने के लिए विभाग द्वारा सीएससी के साथ समन्वय स्थापित कर उनके वीएलई को प्रशिक्षित किया जा रहा है। यह दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सभी जिलों के वीएलई को विभिन्न बैचों में बांटकर दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के बाद ये वीएलई अंचल कार्यालयों में बैठेंगे तथा नियत दर पर आमलोगों को सभी ऑनलाइन राजस्व सेवाओं की प्राप्ति में मदद करेंगे। कॉमन सर्विस सेंटर के ये वीएलई सीधे अंचल कार्यालयों में स्थापित काउंटरों पर बैठकर आम जनता के लिये राजस्व विभाग के सलाहकार के रुप में भी कार्य करेंगे। इसी उद्देश्य से गुरुवार को राजस्व (सर्वे) प्रशिक्षण संस्थान, शास्त्रीनगर में वीएलई के चौथे बैच के दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। वीएलई के चौथे बैच की शुरुआत करते हुए विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि ऑनलाइन सेवाएं पूरी तरह उपलब्ध होने के बावजूद शिकायतों का जारी रहना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व सेवाओं को ऑनलाइन करने का उद्देश्य जनता को सुगमता से विभाग की सेवायें पहुंचाना था ताकि उन्हें विभिन्न कार्यालयों तथा पदाधिकारियों के पास चक्कर न लगाना पड़े। परंतु आज भी राज्य की बड़ी आबादी राजस्व तथा भूमि संबंधी मामलों में ऑनलाइन प्रक्रिया को लेकर अनिश्चितता और भय से ग्रसित है।

गांधी मैदान में बना इतिहास, नीतीश ने रचा नया कीर्तिमान : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के वरीय नेता, पूर्व मंत्री और गया शहर से लगातार नौ बार विधायक रहे डॉ. प्रेम कुमार ने मंगलवार को ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह को 'अभूतपूर्व और ऐतिहासिक क्षण' बताया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 10वीं बार और गांधी मैदान में चौथी बार शपथ लेकर एक नया रिकॉर्ड कायम किया है। डॉ. प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री के साथ दोनों उपमुख्यमंत्रियों–सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को बधाई देते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन के

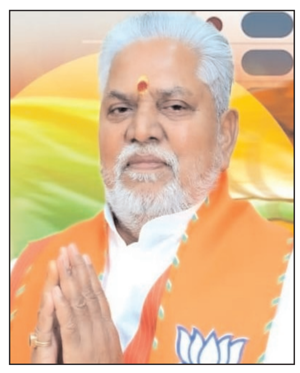

सभी घटक दलों के मंत्रियों और सभी नवनिर्वाचित विधायकों ने जनता के भारी जनादेश का सम्मान किया है। उन्होंने सभी मंत्रिमंडल सदस्यों को शुभकामनाएं और आभार प्रकट किया। उन्होंने विश्वास जताया कि नई सरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में विकास की रफ्तार को और तेज करेगी। उन्होंने कहा कि दोनों उपमुख्यमंत्री बिहार के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेंगे। एनडीए के वादों को याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि हम पांच पांडव–एनडीए–ने जो वादा किया है, उसे 5 वर्षों में पूरा कर इतिहास रचेंगे। डॉ. प्रेम कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि बिहार सरकार इस सपने को साकार करने में अपना अहम योगदान देगी। अंत में उन्होंने नई सरकार को शुभकामनाएं

एनडीए सरकार के शपथ ग्रहण पर युवा नेता प्रेम सागर ने दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। एनडीए गठबंधन की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर भाजपा के बिहार प्रदेश युवा नेता प्रेम सागर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई देते हुए कहा कि यह गठबंधन बिहार के समग्र विकास, सुशासन और स्थिर प्रशासन के लिए नई ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ काम करेगा। प्रेम सागर ने विश्वास व्यक्त किया कि नीतीश कुमार के अनुभवी नेतृत्व में बिहार विकास के नए आयाम स्थापित करेगा और राज्य की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरेगा। उन्होंने दोनों उपमुख्यमंत्रियों–विजय कुमार सिंह और सम्राट चौधरी को भी शुभकामनाएं दीं। अपने बयान में

उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी के नेतृत्व में संगठन मजबूत हुआ है और अब शासन-प्रशासन में उनकी भूमिका बिहार को नई दिशा देगी। वहीं, विजय कुमार सिंह का सरल स्वभाव, जनसरोकारों से निकटता और प्रशासनिक दृष्टि राज्य के विकास को गति देगी। प्रेम सागर ने कहा कि एनडीए गठबंधन के सभी मंत्रियों के शपथ लेने से बिहार की जनता में नई उम्मीद जगी है। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन द्वारा दिया गया 'विकसित बिहार' का संकल्प अब धरातल पर उतरने जा रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सड़क, बिजली, जल-जीवन-हरियाली जैसे क्षेत्रों में व्यापक और प्रभावी कार्य होंगे जिनका सीधा लाभ राज्य के हर नागरिक तक पहुंचेगा। अंत में प्रेम सागर ने कहा कि सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के नेतृत्व में बिहार को मजबूत, समृद्ध और विकसित राज्य बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ेंगे।

नीतीश... जारी है राजनीतिक अध्याय...

अभिषेक दास

पटना। *सामाजिक न्याय और सुशासन के संकल्प पर चलते हुये नीतीश कुमार ने पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। एक इंजीनियर से समाजवादी और समाजवादी से सत्ता के सबसे स्थिर चेहरों में बदलने की लगभग तीन दशकों की इस यात्रा ने नीतीश कुमार को भारतीय राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण चेहरे के रूप में स्थापित किया है। लोक नायक जय प्रकाश नारायण और जन नायक कर्पूरी ठाकुर के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने वाले नीतीश कुमार ने हरनौत से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मिली शुरुआती दो हार के बाद भी हिम्मत नहीं हारी। 1985 में लोकदल के टिकट पर इसी विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीतने के साथ उन्होंने अपने संसदीय सफर की शुरूआत की। चार साल बाद 1989 में उन्होंने बाढ़ लोकसभा क्षेत्र से जनता दल के टिकट पर जीत हासिल की और उन्हें वी.पी. सिंह सरकार में कृषि राज्य मंत्री बनाया गया। वर्ष 1994 में उन्होंने समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडिस के साथ मिलकर समता पार्टी का गठन किया जो आगे चलकर जनता दल यूनाइटेड बनी। 1996 में समता पार्टी और भाजपा का लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन हुआ और इस गठबंधन ने बिहार में छह सीटें जीती। 2004 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने दो सीटों से किस्मत आज़माई; बाढ़ हार गए, पर नालंदा जीत ली। उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी के सरकार में रेलवे और कृषि जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गयी। मार्च, 2000 में नीतीश कुमार पहली बार बिहार के मुख्यमंत्री बने, लेकिन सदन में बहुमत नहीं होने के कारण उनका यह कार्यकाल केवल 07 दिनों का रहा। नीतीश कुमार की राजनीति ने वर्ष 2005 में बड़ी करवट ली। झारखंड अलग होने के बाद फरवरी में हुए चुनाव अधूरे रह गए और राष्ट्रपति शासन लगा, लेकिन अक्टूबर के चुनावों में जद(यू) 88 सीटों और भाजपा 55 सीटों पर पहुंच गई जबकि राजद 54 पर सिमट गया। नीतीश ने लोकसभा से इस्तीफा दिया और मुख्यमंत्री पद संभाला। इसके बाद विधान परिषद के सदस्य बने, जहां वे आज तक बने हुए हैं। 24 नवम्बर 2005 को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही नीतीश कुमार ने राज्य में सामाजिक न्याय के साथ विकास के एजेंडे पर काम शुरू किया। 2005 से अब तक नीतीश कुमार बिहार की राजनीति में एक तरह से स्थायी केन्द्र बन चुके हैं। उन्होंने कभी भाजपा तो कभी राजद के साथ गठबंधन बदला, लेकिन सत्ता पर अपनी पकड़ ढीली नहीं होने दी। लगातार उतार-चढ़ाव और राजनीतिक परिवर्तनों के बीच 74 वर्षीय नीतीश कुमार ने एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। बिहार के सत्ता गलियारों में उनके कदमों की आहट सिर्फ चुनावी आंकड़ों से नहीं मापी जाती, बल्कि उस जिद्दी अनुशासन से जिसे उन्होंने सालों की असफलताओं, कठिन फैसलों और बार-बार लौटकर आने की क्षमता से अर्जित किया। नीतीश का राजनीतिक अध्याय जारी है।*

जन कल्याण का काम करेगी सरकार : प्रमोद कु. सिन्हा

गयाजी (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। जदयू के जिला महासचिव प्रमोद कुमार सिन्हा अधिवक्ता ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को 10वीं बार मुख्यमंत्री बनने एवं नए मंत्रिमंडल गठन करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। श्री सिन्हा ने कहा कि बिहार के लोगों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं जिन्होंने डबल इंजन की सरकार को भारी मतों से विजय बनाकर राज्य में तेजी से विकास को और आगे बढ़ाने का काम किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अगुवाई में एनडीए की सरकार फिर से विकास के कार्यों को आगे बढ़ते हुए जन कल्याण एवं सूबे के विकास का काम करती रहेगी।

केंद्रीय संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने की मां ब्लड सेंटर, पटना के कार्यों की सराहना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मां ब्लड सेंटर, पटना में केंद्रीय संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल आज पधारे और सेंटर द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने रक्तदान एवं रक्त उपलब्धता के क्षेत्र में संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयासों की खुलकर प्रशंसा की। मंत्री ने निरीक्षण उपरांत अपनी टिप्पणी में लिखा–'मां ब्लड सेंटर अपने आप में एक नवाचार है और

समाज सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है। समिति के सभी सदस्यों के मन में कूट-कूट कर परोपकार की भावना भरी हुई है। इससे बढ़कर मानवता की सेवा और क्या हो सकती है।' एम. पी. जैन ने बताया कि मंत्री के आगमन से समिति के सभी सदस्य अत्यंत उत्साहित हुए और इसे संस्था के कार्यों की मान्यता के रूप में देखा। जैन ने बताया कि इस दौरान समिति के प्रमुख सदस्य मुकेश हिसारिया, कन्हैया अग्रवाल (कन्नू), जितेंद्र कुमार (जीतू), नंदकिशोर अग्रवाल, राजेश सुरेखा, शिव गुप्ता, बद्री मित्तल, श्रवण गोयनका, विकास, रितेश कमलिया, अजय बजाज, जयप्रकाश सरावगी, संजय तोतला, मोनू, सतीश खेमानी, मनीष बनेटिया, नरेश, टीटू सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

राज्यस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में बी. डी. कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी. डी. कॉलेज, पटना को यह बताते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि बाल अधिकार सप्ताह के उपलक्ष्य में बीएसएसीएस द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता में कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। कॉलेज की प्राचार्य प्रो. रत्ना अमृत के कुशल मार्गदर्शन में दो छात्राओं ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। सपना कुमारी -प्रथम पुरस्कार, दीप्ति करण-द्वितीय पुरस्कार। दोनों छात्राओं ने अपनी अद्वितीय

रचनात्मकता और कलात्मक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्यभर के प्रतिभागियों में विशिष्ट पहचान बनाई। उनका यह उपलब्धि कॉलेज द्वारा प्रतिभाओं के संवर्धन, रचनात्मक अभिव्यक्ति और समग्र विकास के प्रति किए जा रहे निरंतर प्रयासों का प्रतीक है। बी. डी. कॉलेज, पटना विजेताओं को हार्दिक बधाई देता है और प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत के प्रेरक नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करता है।

नई राजग सरकार में और तीव्र होगी विकास की गति : नंदकिशोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नयी सरकार में शामिल सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई दी। श्री यादव ने आज यहां कहा कि बिहारवासियों के लिए आज गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि बिहार में न सिर्फ नयी सरकार का गठन हुआ है, बल्कि विकास की नयी गति का आगाज हुआ है। नयी सरकार विकास का नया कीर्तिमान स्थापित करेगी। यह विकास हर क्षेत्र और हर तबके के लिए खास होगा। आज विकास की क्षितिज में सूर्य की नयी किरणें प्रस्फुटित हुई है जिसमें पहले से ज्यादा ऊर्जा और उजास है।

संपादकीय

नक्सलवाद पर अब तक का

शीर्ष नक्सली कमांडर माडवी हिडमा का खात्मा हाल में नक्सलवाद के खिलाफ मिली बहुत बड़ी सफलताओं में से एक है। उसके एनकाउंटर से सुरक्षाबलों की लगभग दो दशक पुरानी तलाश ही खत्म नहीं हुई, नक्सलियों के पहले से ही कमजोर पड़े शीर्ष नेतृत्व पर तगड़ी चोट पहुंची है। इससे देश अगले साल 31 मार्च तक नक्सली हिंसा से पूरी तरह मुक्त होने के लक्ष्य के और करीब पहुंच गया है। 2010 का दंतेवाड़ा हो या फिर 2013 का झीरम घाटी हमला, पिछले 20 बरसों में हुए लगभग सभी बड़े नक्सली हमलों के पीछे हिडमा का हाथ माना जाता है। उसने लंबे अरसे तक दंडकारण्य में आतंक का राज कायम रखा। वह उस पीपल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी की बटालियन का कमांडर था, जिसे सबसे खूंखार माना जाता है। हिडमा से पहले इस साल मई में सुरक्षाबलों ने सीपीआई (माओवादी) के जनरल सेक्रेटरी नरसिम्हा उर्फ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू को मार गिराया था। इसके अलावा इस साल विभिन्न मुठभेड़ में 300 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके है, जिनमें पोलित ब्यूरो के कई सदस्य भी है। चारों तरफ से पड़ रहे दबाव के बीच नक्सलवाद अब एक छोटे-से इलाके में सिमट कर रह गया है। हिडमा को छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश की सीमा पर मारा गया। माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ से खदेड़े जाने के बाद वह आंध्र से आंदोलन को जारी रखना चाहता था। यह चौकन्ना होने वाली बात है। बस्तर और अबूझमाड़ के अपने गढ़ से बेदखल नक्सलियों को कहीं और पैर जमाने का मौका नहीं मिलना चाहिए। जो प्रेशर बना है, वह बना रहे तो यह समस्या जल्द ही खत्म हो जाएगी। सरकार ने नक्सलियों के सामने सरेंडर का रास्ता खुला रखा है। मंगलवार को भी कई नक्सलियों ने हथियार डाले। ये अच्छे संकेत है। जब नक्सली आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा से जुड़ेंगे, तो जमीनी स्तर पर बदलाव भी आएगा। नक्सली खात्मे के साथ इन इलाकों को विकास भी चाहिए। सड़क-बिजली-मोबाइल नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में काफी काम हुआ है और इससे भी नक्सलियों की पकड़ कमजोर करने में मदद मिली है। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि 2014 से अभी तक नक्सल प्रभावित इलाकों में 12 हजार किमी से ज्यादा सड़कें बनी है, बैंकों की हजार से ज्यादा शाखाएं खोली गई है और स्किल डिवेलपमेंट पर काम किया जा रहा है। इन समन्वित प्रयासों से ही नक्सली जड़ से उखड़ेंगे।

अपराधियों से निपटने और धार्मिक स्थलों की आड़ में आम लोगों का जीना दुश्वार करने वाले लोगों को कानून का पाठ पढ़ाने की सीख उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार से देश के अन्य राज्यों की सरकारों को भी लेनी चाहिए। दलगत राजनीति से हटकर योगी सरकार ने साबित कर दिया है कि यदि इरादे मजबूत और व्यापक जनहित से जुड़े हों तो समझाइश से भी समस्या का हल किया जा सकता है। ऐसा धार्मिक स्थलों पर कानफाड़ू लाउडस्पीकर्स को हटा कर किया गया। योगी सरकार ने साफ कर दिया है कि धार्मिक स्थलों पर लगे लाउडस्पीकर्स की तेज आवाज से होने वाला ध्वनि प्रदूषण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। लखनऊ में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए विशेष अभियान चलाया। राजधानी लखनऊ में धार्मिक स्थलों पर अवैध रूप से लगे लाउड स्पीकर हटाने का अभियान के तहत वजीरगंज इलाके में पुलिस की टीम ने मस्जिदों और मंदिरों में लगे लाउडस्पीकर और स्पीकर हटवाए।

समस्याओं से निपटने का तरीका योगी सरकार से सीखें राज्य

(योगेंद्र योगी)

पुलिसकर्मियों ने मस्जिदों के इमामों और मंदिरों पुजारियों को समझाया कि तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का इस्तेमाल गैर कानूनी है, इसे उतार लें। यह कार्रवाई धार्मिक नेताओं और स्थानीय समितियों के सहयोग से शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। उत्तर प्रदेश में 1400 से ज़्यादा लाउडस्पीकर हटाए गए या उनकी आवाज़ कम की गई। ये लाउडस्पीकर धार्मिक स्थलों और सार्वजनिक जगहों पर लगे थे। यह कार्रवाई ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियमों के उल्लंघन की शिकायतों के बाद की गई है। कानपुर जोन में इस अभियान के तहत 8 जिलों से 382 लाउडस्पीकर हटाए गए। मेरठ जोन में 381 लाउडस्पीकर हटाए गए। इनमें से अकेले हापुड़ से 110 लाउडस्पीकर निकाले गए, जो राज्य में सबसे ज़्यादा हैं। प्रयागराज जोन में, जहाँ 7 जिले शामिल हैं, 233 लाउडस्पीकर तय शोर सीमा से ज़्यादा पाए गए। उन्हें आवाज़ को तय सीमा तक कम करने का निर्देश दिया गया, जबकि 51 लाउडस्पीकर हटा दिए गए। इस जोन में करीब 1200 लाउडस्पीकर लगे हुए हैं।

लखनऊ जोन में भी कम से कम 350 लाउडस्पीकर हटाए गए। आगरा जोन में भी करीब 150 लाउडस्पीकर हटाए गए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ध्वनि प्रदूषण से आम जनता को परेशानी न हो और शांति व्यवस्था बनी रहे। लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नियमों के दायरे में ही होना चाहिए, ताकि किसी को असुविधा न हो। गौरतलब है कि योगी सरकार ने 2022 से यूपी के धार्मिक स्थलों से अवैध लाउडस्पीकर हटाने का अभियान शुरू किया था और अब तक यूपी में धार्मिक स्थलों से एक लाख से ज्यादा लाउडस्पीकर्स हटाये जा चुके हैं वहीं, डेढ़ लाख से ज्यादा लाउडस्पीकर्स की आवाज कम की जा चुकी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धार्मिक आयोजन धार्मिक स्थल के भीतर तक ही सीमित होने चाहिए। सड़क पर किसी भी पर्व त्यौहार का आयोजन नहीं होना चाहिए,वहीं लाउडस्पीकर दोबारा न लगे यह जिम्मेदारी जिलाधिकारियों की होगी। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन धार्मिक स्थल के परिसर में ही होना चाहिए। रास्तों में इसका आयोजन नहीं होना चाहिए।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर पर हो रहे अजान को लेकर राज ठाकरे ने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दी थी। इसके बाद से ही देश के कई राज्यों में लाउडस्पीकर के खिलाफ आवाज उठने लगी। शहरी ध्वनि प्रदूषण चुपचाप हमारे समय की सबसे उपेक्षित जन स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बनकर उभरा है। ध्वनि प्रदूषण सिर्फ़ पर्यावरणीय उदासीनता नहीं है। यह संवैधानिक उपेक्षा की सीमा पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, शांत क्षेत्रों में सुरक्षित सीमा दिन में 50 डीबी (ए) और रात में 40 डीबी (ए) है। फिर भी, दिल्ली और बेंगलुरु जैसे शहरों में, संवेदनशील संस्थानों के पास रीडिंग अक्सर 65 डीबी (ए)-70 डीबी (ए) तक पहुँच जाती है। शहरी ध्वनि प्रदूषण और त्यौहारों का शोर सुनने की क्षमता के लिए खतरा बन रहा है। जब 'शांत क्षेत्र' शोर का केंद्र बन जाते हैं, तो यह राज्य की क्षमता और नागरिक सम्मान पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। साल 2024 में सर्वोच्च न्यायालय ने पुनः पुष्टि की कि पर्यावरणीय व्यवधान - जिसमें अत्यधिक शोर भी शामिल है। अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और सम्मान के मौलिक अधिकार का उल्लंघन कर सकते हैं। ध्वनि प्रदूषण (वी) मामले में, न्यायालय ने माना कि अनियंत्रित शहरी शोर मानसिक स्वास्थ्य और नागरिक स्वतंत्रता के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करता है।

भारत में ध्वनि प्रदूषण से होने वाली मौतों का कोई सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, लेकिन अनुमान है कि इससे हुए इस्कीमिक हृदय रोग के कारण लगभग 12,000 मौतों और प्रति वर्ष 48,000 नए मामलों के लिए जिम्मेदार है। ध्वनि प्रदूषण से उच्च रक्तचाप, तनाव, नींद की कमी और सुनने में समस्या जैसी कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जो अप्रत्यक्ष रूप से मौतों का कारण बन सकती हैं। पर्यावरण क्षेत्र में कार्य करने वाली अर्थ फाइवआर संस्था ने 2023 में भारत में ध्वनि प्रदूषण पर एक व्यापक सर्वेक्षण में बताया गया कि आवासीय क्षेत्रों में ध्वनि प्रदूषण का शोर का स्तर 50 डीबी की सीमा से लगभग 50 प्रतिशत अधिक था। 80 डीबी वाली ध्वनि कानों पर अपना प्रतिकूल असर शुरू कर देती है। 120 डीबी की ध्वनि कान के पर्दों पर भीषण दर्द उत्पन्न कर देती है और यदि ध्वनि की तीव्रता 150 डीबी अथवा इससे अधिक हो जाए तो कान के पर्दे फट सकते हैं, जिससे व्यक्ति बहरा हो सकता है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया कि भारत में ध्वनि प्रदूषण की वजह से कम सुनने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत 6.3 करोड़ की आबादी ऐसी है, जो सुनाई नहीं देने की समस्या से पीड़ित है। इतना ही नहीं यूनाइटेड नेशंस एनवाइयरमेंट प्रोग्राम की ओर से जारी कई गई वार्षिक 'फ्रंटियर रिपोर्ट 2022 में भारत के मुरादाबाद शहर को विश्व का दूसरे नंबर का सबसे अधिक ध्वनि प्रदूषित शहर घोषित किया गया था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि ध्वनि प्रदूषण की वजह से शारीरिक और मानसिक कल्याण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। खासकर इन एक्टिविटीज से भारत के युवा अपनी श्रवण क्षमता यानी सुनने की क्षमता तेजी से खोते जा रहे हैं। यही हाल रहा, तो साल 2030 तक भारत में कम सुनने वालों की संख्या दोगुनी से ज्यादा यानी 13 करोड़ से ज्यादा हो जाएगी। इस रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि भारत में 10 में से दो लोग ही इस समस्या का इलाज करवाते हैं और श्रवण यंत्र पहनते हैं। नॉर्थ अमेरिका ब्रीडिंग बर्ड सर्वे के मुताबिक पिछले 50 वर्षों में गौरैयों की संख्या 82 प्रतिशत तक कम हो चुकी है। शहरों में बढ़ता हुआ प्रदूषण गौरैयों के जीवन के लिए सबसे बड़ा संकट है। विश्व के सभी देशों में पर्यावरण प्रदूषण एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। पृथ्वी पर संतुलन बनाने के लिए जीव-जंतु, पेड़-पौधें, जल और इंसानों आदि का एक संतुलित संख्या में होना बेहद जरूरी है। इन सभी के संतुलन से ही पृथ्वी पर जीवनचक्र बना रहता है लेकिन बढ़ते प्रदूषण से हम जो सांस लेते हैं, खाना खाते हैं, पानी पीते हैं, उन सभी में किसी न किसी प्रकार से प्रदूषण के कण हमारे अंदर तो आते ही हैं। इसके साथ ही पशु-पक्षियों का भी अस्तित्व संकट में है। पक्षियों को जल और वायु प्रदूषण से तो खतरा है ही इसके साथ ध्वनि प्रदूषण से उनकी प्रजनन क्षमता पर असर पड़ रहा है। जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर ऑर्निथोलॉजी के शोधार्थियों ने जेब्रा फिंच नाम के पक्षी पर अध्ययन किया है। इस अध्ययन के मुताबिक पक्षियों के प्रजनन की शक्ति घट रही है और उनके व्यवहार में भी परिवर्तन देखा गया है। अध्ययन में दावा किया गया है कि शोर की वजह से पक्षियों के गाने-चहचहाने पर भी फर्क पड़ता है। कंजर्वेशन फिजियोलॉजी नाम की पत्रिका में यह अध्ययन प्रकाशित भी किया गया है। भारत का कानूनी ढाँचा, कागज़ों पर तो मज़बूत है, लेकिन उसके क्रियान्वयन में बिखराव है। ध्वनि प्रदूषण नियम, 2000 को शहरी वास्तविकताओं के अनुरूप शायद ही कभी क्रियान्वित किया जाता है। नगर निकायों, यातायात पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के बीच समन्वय बहुत कम है। राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों के अनुरूप एक राष्ट्रीय ध्वनिक नीति की तत्काल आवश्यकता है। ऐसे ढाँचे में सभी क्षेत्रों में अनुमेय डेसिबल स्तरों को परिभाषित किया जाना चाहिए, नियमित ऑडिट अनिवार्य किए जाने चाहिए और स्थानीय शिकायत निवारण तंत्र को सशक्त बनाया जाना चाहिए। अंतर-एजेंसी तालमेल के बिना, प्रवर्तन छिटपुट और प्रतीकात्मक ही रहेगा। शहरी शोर के विरुद्ध लड़ाई केवल नियामक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक भी है। शहरों को ध्वनि-सहिष्णुता की साझा नैतिकता विकसित करनी होगी। जन अभियानों को नारों से आगे बढ़कर स्कूलों, चालक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सामुदायिक स्थलों में गहन शिक्षा तक पहुँचाना चाहिए। जब तक भारत शहरी शोर के प्रति अधिकार-आधारित दृष्टिकोण नहीं अपनाता, तब तक उसके स्मार्ट शहर ध्वनि के स्तर पर रहने लायक नहीं रह पाएँगे।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

दिल्ली से बेंगलुरु तक विरोध प्रदर्शन करने लगे अमीर

(मनु जोसेफ)

वे अंग्रेजी में तख्तियां लिए खड़े थे। उनके गंभीर चेहरे पर नाराजगी साफ-साफ देखी जा सकती थी। यह उस विरोध-प्रदर्शन का दृश्य था, जो दिल्ली के संपन्न तबकों के लोग वायु प्रदूषण के खिलाफ कर रहे थे। यह अभूतपूर्व तो नहीं था, लेकिन सामान्य भी नहीं था। राष्ट्रीय राजधानी ही नहीं, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहरों में भी उच्च वर्गों ने सरकार से बेहतर जीवन की सार्वजनिक मांग की है।

उनके विरोध-प्रदर्शनों का सिलसिला यूं बढ़ना अच्छी खबर है, फिर चाहे उनकी आवाज बेशक अभी कम है और चिंताएं भी ऐसी नहीं हैं, जिनसे राजनेताओं की पेशानी पर बल पड़े। अभी ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी एक बड़ी वजह बदलता अमेरिका है। दरअसल, भारत का शहरी उच्च-मध्यवर्ग अब तक अपने ही देश में पर्यटकों जैसा व्यवहार करता रहा है। मगर अब उसे लग रहा है कि अमेरिका में प्रवास करना पहले से ज्यादा कठिन हो गया है। वहां कॉलेज में दाखिला मिल जाना लंबे वक्त बिताने की गारंटी नहीं है। इसलिए उसमें यह इच्छा जगी है कि भारत वापस लौटने के बाद उसे नरक जैसी जिंदगी न मिले, तो कितना अच्छा होगा!

निस्संदेह, उच्च वर्गों में नागरिक भावनाएं बढ़ती हैं, तो यह देश के लिए अच्छी बात होगी। आजादी के आंदोलन के बाद (जिसे मैं आम जनता की कल्पना पर कब्जा करने वाले विदेशी अभिजात्य वर्ग के खिलाफ भारतीय उच्च वर्ग का संघर्ष मानता हूं) शहरी कुलीन वर्ग ने सामूहिक रूप से राष्ट्र-निर्माण में शायद ही भाग लिया। यहां केरल और पश्चिम बंगाल को अपवाद मान सकते हैं। ऐसा इसलिए नहीं था कि वह कुलीन वर्ग ग्रामीण हितैषी नए राजनीतिक वर्ग के उभार और नए भारत की नाउम्मीदी से निराश थी। बल्कि, इस वर्ग के लोग पश्चिम के राष्ट्रों को अधिक उन्नत मानते थे और भारत से पलायन करना ही उनके लिए तरक्की का मापदंड था, भले ही उनमें से ज्यादातर भारत से पलायन नहीं कर पा रहे थे। 1980 के दशक तक, हमारे शहरी मध्यम वर्ग के बच्चों के लिए पलायन एक संभावना थी। मेरी पीढ़ी के बेहतरीन लोग तो इसी की तैयारी किया करते थे। मगर अब नई पीढ़ी के जहीन स्वदेश में ज्यादा दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ज्यादातर नौजवानों और उनके माता-पिता ने महसूस किया है कि भारत ही वह जगह है, जहां वे सबसे ज्यादा खुश रह सकते हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका बदल गया है, पश्चिम बदल गया है।

जो हमेशा के लिए देश छोड़ने की क्षमता रखते हैं, उनके लिए यह देश पहले कभी इतना आकर्षक नहीं रहा है। लिहाजा, जब देश छोड़ना अच्छा विचार न हो, तो उसे सुधारना ही अच्छा काम हो सकता है। भारत में मुख्यधारा के विरोध-प्रदर्शन आमतौर पर ग्रामीण प्रकृति के होते हैं, भले ही वे शहरों में हों। ऐसे प्रदर्शन गंभीर भी होते हैं (जैसा किसानों का प्रदर्शन) और हास्यास्पद भी (जब भावनाएं 'आहत' होने के बाद किसी का पुतला दहन किया जाता है)। मैंने गरीबों को सिनेमा हॉल के अंदर न जाने देने पर आंदोलन करते देखा है, मगर बेहतर स्कूल व इलाज की सुविधाओं के लिए नहीं। इसके अलावा, आम लोगों के पास ऐसी ढेरों परेशानियां हैं, जिनसे अमीर भी जूझ रहे हैं- जैसे वायु प्रदूषण, सड़कें आदि।

पहली बार मैंने उनका बड़ा प्रदर्शन 2008 के आतंकी हमले के बाद देखा था, जो सबसे संपन्न इलाकों में से एक दक्षिण बॉम्बे में हुआ था। मगर उससे मुंबई के ज्यादातर मतदाता दूर ही रहे, क्योंकि वे इसे अपना आंदोलन नहीं मान रहे थे। यह बात इन संपन्न तबकों के प्रदर्शनकारियों को भी पता है कि वे तब तक प्रभावी नहीं हो सकते, जब तक आम आदमी के दिलों को नहीं छू सकेंगे। ऐसा होना मुश्किल है, पर उनका विरोध प्रभावी बने, इसके लिए मेरे पास एक उपाय है।

उन्हें तमाम शहरों में, छह महीने तक विरोध-स्वरूप मंहगी चीजें खरीदनी बंद कर देनी चाहिए। बेहतर हवा, पार्क व अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए उन्हें घर, कार, टीवी- कुछ नहीं खरीदना चाहिए। आखिर क्यों? क्योंकि, विरोध-स्वरूप कर न चुकाने का यही एक कानूनी तरीका है। इसका दबाव पड़ सकेगा। (लेखक पत्रकार और उपन्यासकार है) (ये लेखक के अपने विचार है)

प्रशासन की नाक तले चलते फर्जी संस्थान

(विभूति बुपक्या)

भारत में शिक्षा को लेकर जितनी गंभीरता दिखाई जाती है, उतना ही चिंताजनक है फर्जी विश्वविद्यालयों का फैलता जाल। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) हर वर्ष फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी करता है, ताकि छात्र उनसे दूर रहें, परंतु सालाना सूची जारी होने के बावजूद ये संस्थान खुलेआम संचालित हो रहे हैं। यह न केवल शिक्षा व्यवस्था की नाकामी है, बल्कि उन छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ भी है, जो अपने करियर के सपने लेकर इन संस्थानों में प्रवेश लेते हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देश के 22 संस्थानों को फर्जी बताया है, जो शिक्षण संस्थान के नाम पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। इनमें से 10 तो दिल्ली में ही हैं। यह विडंबना है कि देश की राजधानी में ऐसे संस्थान चल रहे थे और प्रशासन को पता नहीं चला। यह स्थिति तब और भी शर्मनाक हो जाती है, जब ये संस्थान संसद, सुप्रीम कोर्ट, शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी जैसे शीर्ष संस्थानों के पास ही संचालित होते मिले हैं। ऐसे में, सवाल तो यह उठेगा कि जब यूजीसी के पास पर्याप्त शक्तियां हैं, तो वह केवल निर्देश जारी करने तक ही क्यों खुद को सीमित रखता है? आखिर क्यों नहीं फर्जी विश्वविद्यालयों पर इतनी सख्त कार्रवाई करता है कि भविष्य में कोई ऐसा अपराध करने की हिमाकत न करे? सख्त नीति बनाने की जरूरत है। निस्संदेह, इस समस्या से निपटने के लिए केवल चेतावनी या सूची जारी करना पर्याप्त नहीं है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को समन्वय स्थापित कर फर्जी विश्वविद्यालयों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। शिक्षा मंत्रालय को ऐसे संस्थानों के संचालकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे चलाने चाहिए, ताकि दूसरों के लिए यह नजीर बन सके। साथ ही, छात्रों को भी प्रवेश लेने से पहले विश्वविद्यालय की मान्यता की जांच कर लेनी चाहिए। यह उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।(लेखक टिप्पणीकार है)

पड़ोस में जम्हूरियत का नया मर्सिया

(विभूति नारायण राय)

सभी जानते हैं कि हिटलर किसी सैन्य कार्रवाई द्वारा नहीं, वरन जनता के प्रतिनिधियों के कंधों पर चढ़कर संसद के अंदर पहुंचा था। ठीक उसी तरह, पाकिस्तान के नए तानाशाह फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को नेशनल असेंबली के चुने हुए सदस्यों ने जबर्दस्त बहुमत से वे सारे अधिकार दे दिए, जिन्होंने बिना वर्दी उतारे उन्हें सैन्य और असैन्य मामलों में मुल्क का सबसे ताकतवर इंसान बना दिया है। यह अलग बात है कि इन चुने हुए सदस्यों को जनता ने नहीं, फौज ने ही चुना है। उसने ही आम जन के बीच सबसे लोकप्रिय नेता इमरान खान के जीते उम्मीदवारों की जगह अपने पसंदीदा लोगों को विजेता के सर्टिफिकेट बंटवा दिए थे।

इसके पहले चार बार सैनिक तानाशाहों को नागरिक सरकारों का तख्ता पलटकर मार्शल लॉ लगाना पड़ा था, पर इस बार संविधान के एक संशोधन ने इसकी जरूरत ही खत्म कर दी। यह 27वां संशोधन है, जिसने एक झटके में सेना, न्यायपालिका व कार्यपालिका के रिश्तों को पूरी तरह से गड्ड-मड्ड कर दिया है। पाकिस्तान की राजनीति में ये तीनों संस्थाएं त्रिभुज की तीन भुजाओं की तरह हैं, जिनमें से कोई दो मिलकर तीसरी भुजा से बड़ी हो जाती हैं। अधिकांश समय सेना व न्यायपालिका मिलकर देश की चुनी हुई सरकार और असुविधाजनक राजनीतिक दलों से निपटती रही हैं। इस बार सेना और सत्तारूढ़ गठबंधन एक साथ हो गए और दोनों ने मिलकर न्यायपालिका की ऐसी-तैसी कर दी।

13 नवंबर, 2025 को पारित 27वें संविधान संशोधन ने सुप्रीम कोर्ट के पर पूरी तरह से कतर दिए हैं। इसके पहले 26वें संशोधन से सरकार ने प्रधान न्यायाधीश की नियुक्ति में वरिष्ठता की बाध्यता खत्म करके अपनी पसंद के व्यक्ति की नियुक्ति का रास्ता खोल दिया था। सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट में न्यायाधीश नियुक्त करने वाली 'सुप्रीम ज्यूडिशियल कौंसिल' में सरकारी प्रतिनिधियों की संख्या निर्णायक बना दी गई है। अब नए संशोधन से सुप्रीम कोर्ट के दो हिस्से कर दिए गए हैं, जिनके चलते अब सांविधानिक मामले एक अलग अदालत देखा करेगी। इसमें भी नियुक्तियां पूरी तरह से कार्यपालिका की दया पर निर्भर रहा करेंगी। इन संशोधनों के खिलाफ न्यायिक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर असंतोष देखने को मिला और अब तक सुप्रीम कोर्ट के दो व लाहौर हाईकोर्ट के एक जज ने इस्तीफा दे दिया है। अगले कुछ दिनों में कुछ और इस्तीफे आने की संभावना है। लाहौर हाईकोर्ट के वकीलों ने आंदोलन की घोषणा भी की है।

27वें संविधान संशोधन से पाकिस्तानी सेना के संस्थागत ढांचे पर सबसे जबर्दस्त असर पड़ा है। एक नया पद 'चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज' बनाया गया है और इस पर किसी थल सेना के जनरल की नियुक्ति हुआ करेगी। चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के आधीन वायु सेना और नौसेना भी होगी। इसका पहला मुखिया फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पांच वर्षों के लिए होगी, यानी मुनीर 2030 तक इस पद पर बने रहेंगे। यह भी प्रावधान किया गया है कि एक फील्ड मार्शल को रिटायर होने के बाद भी वर्दी, भत्तों समेत सारी सुविधाएं मिलती रहेंगी। सबसे दिलचस्प यह व्यवस्था है कि इन संशोधनों के बाद उस पर कभी कोई फौजदारी मुकदमा नहीं चलाया जा सकेगा। एक सौदेबाजी के तहत यह विशेषाधिकार वहां के राष्ट्रपति को भी मिल गया है।

चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज का पद बनाने के पीछे तर्क दिया गया कि अमेरिका, ब्रिटेन व भारत जैसे देशों में भी ऐसे पद हैं और सेना के विभिन्न अंगों में समन्वय कायम करने के लिए एकीकृत कमांड बनाना निहायत जरूरी है। यह तर्क देने वाले भूल जाते हैं कि उपरोक्त सभी देशों में मजबूत लोकतंत्र है और जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों का ही सेना पर पूरा नियंत्रण होता है। सेना में नियुक्तियों, तरक्की या युद्ध जैसे मसलों पर उनकी मर्जी चलती है। पाकिस्तान में इसके उलट नागरिक मसलों पर भी सेना की दखलंदाजी किसी से छिपी नहीं है। फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के वर्तमान नेतृत्व के दौरान तो अब सरकार के मंत्री भी बेशर्मी से हाइब्रिड तंत्र की बात करने लगे हैं। पहले भी रक्षा, विदेश-नीति और आंतरिक सुरक्षा के मसलों में सैन्य मुख्यालय की राय महत्वपूर्ण होती थी, इन संशोधनों के बाद तो उसकी भूमिका निर्णायक ही हो गई है।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदा सरकार फॉर्म 47 की सरकार कही जाती है। दरअसल, पाकिस्तान में मतगणना का तरीका भारत से भिन्न है। वहां मतदान खत्म होते ही हर बूथ पर मतगणना होती है और प्रतिद्वंद्वियों को फॉर्म 45 में परिणाम दे दिए जाते हैं। सारे फॉर्म 45 के मतों को रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा गिनकर विजेता को फॉर्म 47 जारी किया जाता है। 8 फरवरी, 2024 को हुए नेशनल असेंबली के चुनावों में सौ से अधिक हारे हुए उम्मीदवारों को फौज द्वारा बेशर्मी के साथ फॉर्म 47 दिलवाकर विजेता घोषित करा दिया गया। देश के सबसे लोकप्रिय नेता इमरान खान इस समय जेल में हैं और फॉर्म 47 वाले शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री बने हुए हैं।

यह संविधान संशोधन इमरान-विरोधी नेताओं, फौज और न्यायपालिका की मिलीभगत से हुआ है। समझौते के नतीजे में शरीफ और जरदारी परिवार पर दायर सारे मुकदमे खत्म कर दिए गए। आसिम मुनीर को सेनाध्यक्ष और एक जूनियर जज याह्या आफरीदी को प्रधान न्यायाधीश बना दिया गया। इस पूरे खेल में सबसे प्रभावी खिलाड़ी मुनीर साबित हुए, फलस्वरूप पहले पर्दे के पीछे चलने वाला खेल खुलकर होने लगा है। अब किसी को ताज्जुब नहीं होता, जब सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर विदेश या मौद्रिक नीतियों पर सार्वजनिक बयान देते हैं और राष्ट्रपति ट्रंप या सऊदी राजकुमार मोहम्मद बिन सलमान सीधे उन्हें दावत पर निमंत्रित करते रहते हैं। पाकिस्तान में लोकतंत्र तो कभी नहीं रहा। बीच-बीच में फौज सीधे शासन अपने हाथ में ले लेती थी, जब वह सत्ता के बाहर भी होती, तो पर्दे के पीछे से संचालन की बागडोर उसी के हाथों में होती, पर उन दिनों नवाज शरीफ जैसे नेता कम से कम सिविल बालादस्ती या नागरिक प्रभुत्व की बातें तो करते थे। इस बार तो सभी ने समर्पण कर दिया है। कोई नहीं कह सकता कि आगे चलकर ऊंट किस करवट बैठेगा? पिछले दिनों जिस तरह जन-आंदोलनों को बर्बरतापूर्वक कुचला गया है, उससे जेन जी जैसे किसी बड़े उभार की संभावना कम ही नजर आती है। (लेखक पूर्व आईपीएस अधिकारी है) (ये लेखक के अपने विचार हैं)

धमदाहा की आवाज फिर पहुंची मंत्रिमंडल तक लेसी सिंह के शपथ लेते ही जश्न में डूबा इलाका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। धमदाहा की विधायक लेशी सिंह ने जब दोबारा मंत्री पद की शपथ ली, तो मानो पूरे क्षेत्र ने एक साथ राहत की सांस ली और उत्सव का बिगुल बज उठा। पूर्णिया स्थित उनके आवास से लेकर धमदाहा के गांव-गिरांव तक माहौल में जोश, उम्मीद और संतोष का अनोखा मिश्रण दिखाई दिया।

कार्यकताओं ने जहां आतिशबाजी कर आसमान रोशन किया, वहीं रंग-गुलाल की बरसात ने खुशी को और गाढ़ा कर दिया। शपथ के बाद प्रतिक्रिया देते हुए उनके समर्थकों ने कहा कि लेशी सिंह उन नेताओं में हैं जिनका काम ही उनकी असल पहचान है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विकास की निरंतरता बनाए रखने के लिए फिर से उन पर भरोसा जताया है। उनका मानना है कि लेशी सिंह का दोबारा मंत्री बनना सिर्फ राजनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि बिहार के विकास पथ पर एक और मजबूत कदम है।

स्थानीय लोगों का उत्साह भी कम नहीं था। उनका कहना है कि यह फैसला क्षेत्र के लिए उम्मीदों का नया दरवाजा खोलता है। लेशी सिंह की सक्रिय पहल और जनसरोकारों से जुड़ी कार्यशैली के कारण लोगों को भरोसा है कि आगामी समय में धमदाहा के विकास कार्यों को और मजबूती मिलेगी।

महिला पर डायन का ठप्पा लगाकर मारपीट पुलिस ने मुख्य आरोपी को भेजा जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

के नगर/ चंपानगर/ पूर्णिया। चम्पानगर थाना क्षेत्र के चनका पंचायत वार्ड संख्या-3 स्थित संतनगर चनका गाँव में एक महिला को अंधविश्वास के नाम पर प्रताड़ित करने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। आरोप है कि गाँव के ही एक युवक ने महिला को घर से बाहर घसीट कर न सिर्फ पीटा, बल्कि डायन कहकर जान लेने की धमकी भी दी।

घटना के बाद सक्रिय हुई पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष अनुपम राज के अनुसार गिरफ्तार युवक नीरज कुमार (25), पिता गोरी सहनी, मूलतः भागलपुर जिले के महल थाना क्षेत्र के नया नगर रानी दियरा वार्ड-8 का निवासी है। वह फिलहाल अपने ससुराल संतनगर चनका में रह रहा था। पीड़िता द्वारा दर्ज प्राथमिकी में उसका नाम प्रमुख रूप से शामिल

किया गया था। पीड़िता प्रियंका देवी, पति दिनेश मंडल ने पुलिस को बताया कि 13 नवंबर 2025 की दोपहर लगभग 2 बजे नीरज कुमार, उसकी पत्नी गुंजना कुमारी और कुमोद कुमार ने मिलकर उसे घर से बाहर खींच लिया और बेरहमी से पिटाई की। मारपीट के दौरान उसे डायन बताते हुए उसके बच्चे की मौत का आरोप लगाकर अपमानित किया गया। पीड़िता ने यह भी कहा कि हमलावरों ने उसके पैर से चांदी का 10 भर का पायल और गले से चांदी की चैन उखाड़ ली। इतना ही नहीं—रात करीब 10 बजे तक गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी जाती रही। पुलिस ने मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल छापेमारी की और नीरज कुमार को गिरफ्तार कर लिया। अन्य दो आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि अंधविश्वास व डायन प्रताड़ना जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान सख्ती से जारी रहेगा और दोषियों को किसी हाल में छोड़ा नहीं जाएगा।

राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट योगदान के लिए सुशील आर्य सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बनमनखी/पूर्णिया। खेल विभाग, बिहार सरकार तथा बिहार खेल प्राधिकरण, पटना के संयुक्त तत्वावधान में जिला प्रशासन पूर्णिया के सौजन्य से आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता 2025-26 में उत्कृष्ट योगदान देने वाले मध्य विद्यालय गंगैली, प्रखंड बनमनखी के शारीरिक शिक्षक सुशील कुमार आर्य को जिले के एडीएम राजकुमार गुप्ता एवं जिला खेल पदाधिकारी रवि शंकर झा ने संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

सम्मान प्राप्त करने के बाद श्री आर्य ने जिला पदाधिकारी पूर्णिया, एडीएम पूर्णिया और जिला खेल पदाधिकारी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का कार्य करेगा। श्री आर्य के सम्मानित होने पर शिक्षकों और संगठन प्रतिनिधियों ने बधाइयों का सिलसिला शुरू कर दिया। बधाई देने वालों में बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजीव रंजन भारती, संजू जस्ट, गणेश कुमार यादव, पूर्णिया पूर्व अध्यक्ष सरोज भगत, प्रधानाध्यापक सुशांत कुमार, मिलन कुमार, शिक्षक मोहम्मद आफताब आलम, मोहम्मद जहांगीर आलम, संतोष कुमार, दिनेश कुमार यादव, महावीर प्रसाद यादव सहित अन्य कई शिक्षक शामिल रहे।

नगर पंचायत में खर्च का बड़ा खुलासा

संविदा के बजाय अपने स्तर से कराया गया कार्य हुआ डेढ़ गुना सस्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धमदाह/पूर्णिया। नगर पंचायत क्षेत्र में पिछले दो वर्षों से 23 वार्डों में होने वाले नियमित कार्यों पर भारी भरकम खर्च किया जा रहा था। संविदा के माध्यम से कराए जा रहे इन कार्यों के लिए प्रति माह 22 लाख 50 हजार रुपये का भुगतान किया जाता था। इसके विपरीत, जब इसी कार्य को पिछले दो महीनों से नगर पंचायत ने अपने स्तर से कराना शुरू किया, तो इसकी लागत घटकर सिर्फ 12 से 15 लाख रुपये के बीच आ गई।

अर्थात, वही कार्य जो संविदा पर महंगा साबित हो रहा था, नगर पंचायत द्वारा प्रत्यक्ष संचालन में लगभग 8 से 10 लाख रुपये मासिक सस्ता पड़ रहा है। यह अंतर नगर निकाय के खर्च प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े करता है और कार्यप्रणाली में पारदर्शिता की आवश्यकता को भी रेखांकित करता है। इस संबंध में नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी दिव्या मिश्रा ने बताया कि अपने स्तर से कराने पर पूरा काम 15 लाख के भीतर निपट रहा है, जबकि टेंडर प्रक्रिया में प्रत्येक माह 22 लाख 50 हजार रुपये का भुगतान करना पड़ता था।

काली बाड़ी मुहल्ले में भीषण अग्निकांड : पीड़ित परिवारों से मिले डॉ. अनिल गुप्ता

स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जताई संवेदना, मुआवजे की उठी मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कसबा /पूर्णिया। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 2 स्थित काली बाड़ी मुहल्ले में बुधवार देर रात भड़की भीषण आग ने एक संयुक्त परिवार का सब कुछ छीन लिया। दिलीप मंडल के घर में लगी आग देखते ही देखते इतने विकराल रूप में फैल गई कि घर में रखा सामान, कपड़े, अनाज से लेकर नगदी तक पूरी तरह जलकर राख हो गया। अचानक हुए इस विनाश ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही ग्रीन पूर्णिया के संयोजक सह भाजपा नेता डॉ. अनिल कुमार गुप्ता अपनी धर्मपत्नी पिंकी गुप्ता के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और तत्काल राहत के रूप में सभी प्रभावित सदस्यों के लिए पहनने के कपड़े एवं भोजन सामग्री उपलब्ध कराई।इस अवसर पर जनचेतना क्रांति संघ के संयोजक सह अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के जिला अध्यक्ष बमबम साह, सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश आर्य तथा ग्रीन पूर्णिया के सचिव रविन्द्र कुमार साह भी मौजूद रहे। बमबम साह ने प्रशासन से आग पीड़ित परिवारों को शीघ्र सरकारी मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की। डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि 'यह कठिन समय है, और हम हर संभव मदद के लिए उनके साथ खड़े हैं। पीड़ित परिवारों को किसी भी तरह की आवश्यकता होगी, ग्रीन पूर्णिया की टीम तत्परता से सहयोग करेगी।'स्थानीय लोगों ने बताया कि आग इतनी भयावह थी कि परिवार के सभी सदस्य किसी तरह जान बचाकर बाहर निकल पाए, लेकिन घर का हर सामान राख में तब्दील हो गया। घटना के बाद से क्षेत्र में अफरा-तफरी और शोक का माहौल है। प्रशासनिक स्तर पर क्षति का आकलन किया जा रहा है और राहत प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की तैयारी है।

टिकट चेकिंग अभियान में वसूला गया ढ़ाई लाख जुमार्ना : एसीएम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कटिहार रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनूप कुमार सिंह के निदेशार्नुसार सघन एवं निरंतर स्पेशल टिकट चेकिंग अभियान सफलतापूर्वक जारी है।असिस्टेंट कमर्शियल मैनेजर कुमार जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में टिकट निरीक्षकों की 16 सदस्यीय टीम द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण स्टेशनों एवं ट्रेनों में व्यापक जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान बारसोई एवं किशनगंज स्टेशनों को विशेष रूप से केंद्र में रखते हुए कई महत्वपूर्ण पैसेंजर,मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रियों के टिकटों की जांच की गई। सघन निरीक्षण के दौरान कुल 287 यात्रियों से अनियमित या बिना टिकट यात्रा करने के मामलों में कार्रवाई करते हुए 2,52,445/- का जुमार्ना वसूल कर रेलवे को महत्वपूर्ण राजस्व लाभ पहुँचाया गया। रेल मंडल प्रशासन ने इस सफल अभियान के लिए पूरी टिकट चेकिंग टीम की सराहना की है और आगे भी यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा तथा राजस्व संरक्षण के लिए ऐसे अभियान लगातार जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराया है ।

भूमि विवाद में किसान की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अमदाबाद /कटिहार । प्रखंड क्षेत्र के किशनपुर ग्राम पंचायत के लाल बथानी बाहियार में गुरुवार सुबह भूमि विवाद के चलते एक किसान मनोज कुमार झा (52) की तेजधार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक लाल बथानी वार्ड नंबर 13 के निवासी थे।

परिजन के मुताबिक मनोज कुमार सुबह करीब छह बजे खेत में घास लेने गए थे। इसी दौरान गांव के सुरेश मंडल के भांजे श्याम कुमार मंडल ने उन्हें अपने मामा के घर बुलाया और कहा कि मेरे मामा के जमीन के बगल में खेती क्यों कर रहे हैं। बातचीत में बहस बढ़ने पर श्याम ने आंगन में ही लोहे के रांब्बे से मनोज के सिर पर दो वार किया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल मनोज को तुरंत अमदाबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से चिकित्सकों ने कटिहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया। लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।सूचना पाते ही थानाध्यक्ष अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर आरोपी श्याम कुमार मंडल को गिरफ्तार कर लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कटिहार भेज दिया गया। घटना के बाद परिजन में कोहराम मचा है।थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया परिजन की शिकायत पर कांड दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

तीन डॉक्टरों के भरोसे चल रहा है सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। जिले के सभी प्रखंडों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्थानांतरण कर दिया गया हैं। सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 30 बेड की व्यवस्था हैं लेकिन डॉक्टर नाम मात्र के हैं। ताजा मामला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में देखने को मिल रहा हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में एक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं दो फिजिशियन चिकित्सक हैं इन्हीं के सहारे 24 घंटे अस्पताल चल रहे हैं। इस बाबत आचार संहिता समाप्त होते ही जदयू के प्रखंड अध्यक्ष बलराम पोद्दार अस्पताल पहुंचकर प्रसव कक्ष सहित डॉक्टर की उपस्थिति के बारे में जानकारी ले रहे थे। इस दरवियान डॉक्टर के जगह में सीएचओ ड्यूटी कर रहे थे। इसी क्रम में मनसाही में डॉक्टर की भारी कमी के बारे में जदयू के प्रखंड अध्यक्ष बलराम पोद्दार से जानकारी ली तो उन्होंने कहा कि आचार संहिता से पहले स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे से मिले थे एक डॉक्टर देने वाले थे। लेकिन 6 अक्टूबर को आचार संहिता लग जाने के कारण अस्पताल में डॉक्टर नहीं दिया गया। अब आचार संहिता समाप्त हो गया हैं।

प्रखंड कृषि कार्यालय मनसाही में बीज वितरण जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही/कटिहार। प्रखंड कृषि कार्यालय मनसाही में गेहूं, सरसों, टीसी, हरा मटर, मटर बीज वितरण जारी हैं। इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि 109 क्विंटल गेहूं 200 किसानों के बीच वितरण किया जा रहा हैं। सरसों प्रत्यक्षण साहेबनगर, फुलहरा के 30 किसानों के बीच, टीसी 16 किलो, हरा मटर 1350 किलो, मटर 192 किलो किसानों के बीच वितरण किया जा रहा हैं। किसान अभिलंब किसान सलाहकार के माध्यम से बीज का उठाव कर ले। इस अवसर पर कृषि समन्वयक मनीष कुमार,मंजर आलम, जीवन प्रकाश, सभी पंचायत के किसान सलाहकार मौजूद रहे ।

रेलवे महिला समिति की ओर से सिल्वर बेल्स कार्यक्रम आयोजित

विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। रेलवे महिला समिति की ओर से संचालित सिल्वर बेल्स प्राइमरी स्कूल में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डीआरएम किरेंद्र नराह ने दीप प्रज्वलित कर किया। जिसके साथ ही पूरे परिसर में उत्साह और उल्लास का वातावरण छा गया।

समारोह में बच्चों ने नृत्य, समूहगान, नाटक सहित विविध प्रस्तुतियों से उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का मन मोह लिया। मंच पर बच्चों की ऊर्जा और प्रतिभा ने विद्यालय परिसर को उत्सव में

बदल दिया। आयोजित समारोह में स्कूल की शिक्षिकाओ ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर समूह डांस प्रस्तुत किया।समारोह सह कार्यक्रम के दौरान पुरस्कार वितरण भी आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथियो द्वारा सम्मानित किया गया। वही एसबीआई द्वारा स्कूल के सभी बच्चों के बीच विंटर जैकेट आदि का वितरण किया गया। सभी बच्चों के चेहरों पर पुरस्कार पाकर खुशी साफ झलक रही थी। विद्यालय में हाल ही में बच्चों द्वारा प्री-दीपावली प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसे सभी ने सराहना की। रेलवे परिवार व महिला समिति द्वारा बच्चों की रचनात्मकता और संस्कारों को बढ़ावा देने की पहल की प्रशंसा की गई। कार्यक्रम के अंत में डीआरएम किरेंद्र नराह ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित किया और समिति के प्रयासों की सराहना कीया। रेलवे महिला समिति अध्यक्ष सह डीआरएम मैडम निवेदिता नाराह ने कहा कि 'बच्चे हमारे भविष्य ही नहीं, हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा हैं। सिल्वर बेल्स प्राइमरी स्कूल के बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास देखकर मुझे विश्वास होता है कि भारतीय रेल परिवार की नई पीढ़ी मूल्य, संस्कार और सृजनशीलता के साथ आगे बढ़ रही है। रेलवे महिला समिति द्वारा बच्चों को दिए जा रहे अवसर काफी सराहनीय हैं।रेलवे महिला समिति द्वारा संचालित सिल्वर बेल्स प्राइमरी स्कूल में चिल्ड्रेन डे का यह रंगारंग समारोह रेलवे परिवार के लिए अविस्मरणीय बन गया। मौके पर डीआरएम किरेंद्र नराह, रेलवे महिला समिति अध्यक्षा सह डीआरएम मैडम निवेदिता नाराह, एडीआरएम मनोज कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सह मैडम एडीआरएम पूजा सिंह,सचिव कुमकुम श्रीवास्तव, जॉइंट सचिव सुधा कुमारी, प्रिंसिपल रीता चौधरी सहित रेल महिला समिति की सभी पदाधिकारी,रेल अधिकारी आदि मौजूद रहे ।

पूर्णिया में 1 दिसंबर को बंधन, विश्वास व परंपरा का महोत्सव

सनातन सेवा संघ का सामूहिक विवाह आयोजन चर्चा में

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। समाज में सहयोग और संस्कारों की नई मिसाल गढ़ते हुए सनातन सेवा संघ पूर्णिया ने आगामी 1 दिसंबर को कला भवन में भव्य निःशुल्क सामूहिक विवाह महोत्सव का आयोजन तय किया है। कार्यक्रम की कमान संभाल रहे डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस महोत्सव को लेकर पूरी रूपरेखा मीडिया के सामने रखी।

डॉ. गुप्ता ने बताया कि यह आयोजन केवल विवाह संस्कारों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन परिवारों के लिए सहारा बनेगा जो आर्थिक तंगी या सामाजिक परिस्थितियों के कारण सरल और गरिमामय विवाह की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि विवाह 'पूरी तरह शास्त्रोक्त हिंदू परंपराओं के अनुरूप' संपन्न होगा,

ताकि प्रत्येक जोड़ा अपने जीवन के इस महत्वपूर्ण क्षण को पूर्ण गरिमा के साथ महसूस कर सके। संगठन ने 11 जोड़ों का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसमें से 7 जोड़ों का पंजीकरण फिलहाल हो चुका है। शेष पंजीकरण भी तेजी से पूर्ण होने की उम्मीद जताई गई है। उल्लेखनीय है कि यदि निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन आते हैं तो सभी पंजीकृत जोड़ों को समारोह में शामिल होने का अवसर दिया जाएगा—संघ का मानना है कि 'संस्कार में संकोच कैसा?' डॉ. गुप्ता ने बताया कि प्रत्येक जोड़े के लिए व्यक्तिगत मंच, अलग-अलग वैदिक आचार्य, तथा माला-विनिमय के लिए विशेष सजावट की तैयारी की जा रही है। हर जोड़े को अलग पहचान और सम्मान देने की मंशा से व्यवस्था को अत्यंत सूक्ष्मता से तैयार किया जा रहा है। समारोह के दौरान अतिथियों और परिवारों के बैठने से लेकर कन्यादान तक हर चरण को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने पर जोर रहेगा। प्रेस वार्ता में भाजपा नेत्री पिंकी गुप्ता, राजू सनातनी सहित अन्य सदस्यों ने कार्यक्रम को सामाजिक समरसता और मानवीय सहयोग की अनूठी पहल बताया। उनके अनुसार, ह्लयह विवाह महोत्सव उन लोगों के लिए उम्मीद का द्वार है जो परंपरा को निभाना चाहते हैं लेकिन संसाधनों से जूझते हैं। पूर्णिया में यह सामूहिक विवाह महोत्सव न सिर्फ संस्कारों का उत्सव बनेगा, बल्कि समाज को यह संदेश भी देगा कि एकजुट होकर हम किसी भी परिवार के जीवन में खुशियों की रोशनी फैला सकते हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई पहचान, जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट संस्थानों को किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। महानंदा सभागार में आयोजित स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक एक सकारात्मक उपलब्धि के साथ संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला पदाधिकारी अंशुल कुमार ने जिले के उन स्वास्थ्य संस्थानों को सम्मानित किया, जिन्होंने राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (NQUAS) के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी सेवाओं को प्रमाणित कराया है।

जिलाधिकारी ने माता चौक UPHC और पूर्णिया कोर्ट UPHC के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को राष्ट्रीय स्तर पर NQUAS प्रमाणीकरण मिलने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। यह

उपलब्धि न सिर्फ संस्थानों की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, बल्कि जिले में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। इसी क्रम में राज्य स्तरीय प्रमाणीकरण प्राप्त करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों—दीवानगंज स्वास्थ्य उप केंद्र (पूर्णिया ईस्ट) और रानीपतरा अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पूर्णिया ईस्ट)—को भी जिलाधिकारी ने प्रमाणपत्र प्रदान कर सराहा। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ऐसे प्रयास प्रेरणा का स्रोत हैं। यह सम्मान जिले के स्वास्थ्यकर्मियों की मेहनत, जिम्मेदारी और बेहतर सेवा भावना का प्रमाण है।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगाम कसने की तैयारी, केंद्र सरकार ने भेजे कई प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम लगातार बढ़ने से परेशान उपभोक्ताओं को जल्द ही राहत मिल सकती है। केंद्र सरकार प्रीमियम में अनियंत्रित बढ़ोतरी को रोकने के लिए सीमा तय करने पर विचार कर रही है। इस दिशा में कई प्रस्ताव तैयार किए गए हैं, जिन्हें समीक्षा के लिए भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) को भेजा गया है। सूत्रों के मुताबिक, जीएसटी दरें शून्य होने के बावजूद प्रीमियम तेजी से बढ़ रहे हैं। बढ़ती चिकित्सा लागत और दावा निपटान की असमान व्यवस्था बीमा कंपनियों पर दबाव बना रही है। इसी को देखते हुए सरकार ने बीमा उद्योग, अस्पताल समूहों और इरडा अधिकारियों के साथ व्यापक चर्चा शुरू की है। सरकार का फोकस राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज के जरिए दावों की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने पर है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि बीमा कंपनियां हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कटौती का वास्तविक लाभ पॉलिसीधारकों तक पहुंचाएं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इरडा एजेंटों को मिलने वाली कमीशन प्रणाली की भी समीक्षा कर सकता है।
फिलहाल यह कमीशन बीमा कंपनियों के प्रबंधन खर्च का हिस्सा होता है। एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के लिए यह सीमा ग्रॉस रिटेन प्रीमियम का 35 फीसदी निर्धारित है। नियमों के अनुसार, नई स्वास्थ्य पॉलिसियों पर एजेंटों को प्रीमियम राशि का 20 फीसदी तक और नवीनीकरण पर 10 फीसदी तक कमीशन मिलता है। इरडा स्वास्थ्य बीमा बाजार में मौजूद कमियों की ओर लगातार इशारा करता रहा है। इनमें अपेक्षा से कम दावों के भुगतान के मामले प्रमुख हैं। इस महीने की शुरुआत में इरडा प्रमुख अजय सेठ ने दोहराया कि नियामक दावा निपटान राशि पर कड़ी निगरानी रखे हुए है और किसी भी अनियमितता पर कार्रवाई की जाएगी। सरकार का मानना है कि बढ़ते प्रीमियम और असमान क्लेम निपटान जैसी समस्याओं पर अब निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है, ताकि पॉलिसीधारकों को वास्तविक सुरक्षा और राहत मिल सके।

15 नहीं, 11 साल में होगी कम्यूटेड पेंशन की बहाली 8वें वेतन आयोग में होगा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था नेशनल काउंसिल (स्टाफ साइड), जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक डिटेल पत्र लिखकर 8वें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस में मौजूद अनियमितताओं और गंभीर कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 3 नवंबर 2025 को 8वें वेतन आयोग के टीओआर अधिसूचित किए थे। जनवरी 2025 में आयोग की घोषणा के बाद सरकार ने एनसी जेसीएम स्टाफ साइड से सुझाव भी मांगे थे। मार्च 2025 में परिषद ने एक विस्तृत चार्टर सरकार को सौंपा था, जिसमें कम्यूटेड पेंशन की बहाली अवधि 15 साल से घटाकर 11 साल करने की प्रमुख मांग शामिल थी। पत्र में परिषद ने कहा कि 1 जनवरी 2004 या उसके बाद नियुक्त 26 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारी (जिनमें रेलवे, रक्षा के सिविल कर्मचारी और अर्धसैनिक बल शामिल हैं)नई पेंशन प्रणाली से बाहर निकलकर पुरानी पेंशन योजना की बहाली की ज़ोरदार मांग कर रहे हैं। ओ पी एस एक बिना अंशदान और गारंटीड पेंशन वाला सुरक्षित ढांचा है, जिसे एनपीएस से बदल दिया गया था।एक दीर्घकालिक, उचित और न्यायोचित मांग है, जो कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सम्मान की चिंता से उपजी है। इस मुद्दे को 8वें वेतन आयोग के ॠश्क्रमें शामिल किया जाए, ताकि आयोग इसे व्यापक दृष्टिकोण से परखे और सुझाव दे सके।

बोरिया-बिस्तर समेट रहा डॉयचे बैंक

कई अमीरों के हैं खाते

नई दिल्ली, एजेंसी।
जर्मनी का डॉयचे बैंक भारत में अपना रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस समेटने की तैयारी में है। इसे खरीदने की होड़ में देश के दो बड़े प्राइवेट बैंक कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक शामिल हैं। आठ साल में यह दूसरा मौका है जब डॉयचे बैंक भारत में अपना कारोबार बेचने की फिराक में है। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों भारतीय बैंकों ने डॉयचे बैंक के इस पोर्टफोलियो का मूल्यांकन कर लिया है। डॉयचे बैंक बेचना चाहता है। हालांकि यह साफ नहीं है कि इस पोर्टफोलियो में पर्सनल लोन और मॉर्टगेज का कितना-कितना हिस्सा है। बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार में करीब 25,000 करोड़ रुपये की एसेट अंडर मैनेजमेंट है। मार्च 2025 में खत्म हुए वित्तीय वर्ष में बैंक के रिटेल कारोबार से कुल 2,455 करोड़ रुपये का रेवेन्यू आया था।

भारतीयों बैंकों का क्या फायदा?

ताजा आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 के अंत तक डॉयचे बैंक के रिटेल बैंकिंग में कुल 25,038 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। डॉयचे बैंक के सीईओ क्रिश्चियन सीविंग ने वैश्विक स्तर पर बैंक को और अधिक लाभदायक बनाने के लिए एक पुनर्गठन योजना शुरू की है। इसी योजना के तहत डॉयचे बैंक भारत में अपने रिटेल कारोबार से पूरी तरह बाहर निकलना चाहता है। कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक के प्रवक्ताओं ने ईमेल सवालों का जवाब नहीं दिया।

विदेशी बैंकों की मुश्किल

भारत में विदेशी बैंकों को बड़े स्थानीय बैंकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उनके खर्चे ज्यादा होते हैं और वे कीमतों के मामले में कड़ी प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते। साल 2022 में सिटीबैंक ने अपना क्रेडिट कार्ड और रिटेल कारोबार 1 अरब डॉलर से अधिक में एक्सिस बैंक को बेच दिया था। इसी साल कोटक महिंद्रा बैंक ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड से 3,330 करोड़ रुपये का पर्सनल लोन पोर्टफोलियो खरीदा था। एक सूत्र ने बताया कि बातचीत चल रही है, लेकिन हमें मूल्यांकन पर भी ध्यान देना होगा। कोटक और फेडरल बैंक दोनों ही पोर्टफोलियो खरीदकर अपने कारोबार का विस्तार करने के इच्छुक हैं और यह एक ऐसा ही मौका है। यह उन्हें डॉयचे बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार में भी हिस्सेदारी देगा।

भारत बना सौर ऊर्जा में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में सौर ऊर्जा का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और देश उत्पादन के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में कुल 125 गीगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। राज्यों में उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन तेजी से बढ़ा है।खास बात है कि राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के बाद अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

दरअसल, केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के कारण राज्यों में सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ रहा है। यूपी में राज्य सरकार इस योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य में सौर ऊर्जा के उत्पादन को लेकर काफी सक्रिय हैं।

राज्य सरकार के अधिकृत आंकड़ों के अनुसार, यूपी में 2,75,936 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इससे उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है। राज्य

में उपभोक्ता रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए लगातार आवेदन कर रहे हैं।?अगर राष्ट्रीय स्तर पर आवेदनों की संख्या देखें तो यूपी इस मामले में दूसरे स्थान पर है।

आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में 31 अक्तूबर तक राज्य में 1,808.09 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। लखनऊ, वाराणसी, कानपुर नगर और बरेली में तेजी से लोग इस योजना के जरिये रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर रहे हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में फिर गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में लगातार गिरावट जारी है। गुरुवार, 20 नवंबर को बिटकॉइन का भाव घटकर 92,000 डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसकी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरें कम करने को लेकर अनिश्चितता है। सुबह 6ः15 बजे के आंकड़ों के अनुसार, बिटकॉइन की कीमत 0.41 प्रतिशत गिरकर 92,140.39 डॉलर हो गई। बिटकॉइन का कुल मार्केट कैप 1.83 ट्रिलियन डॉलर रहा, जबकि पिछले 24 घंटों में इसकी ट्रेडिंग की मात्रा 80.08 बिलियन डॉलर रही। वहीं, दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर भी 0.28 प्रतिशत गिरकर 3,042 डॉलर पर आ गई। दिसंबर में फेड रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की संभावना घटकर केवल 32 प्रतिशत रह गई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि फेड रिजर्व की बैठक के विवरण से पता चला कि वह महंगाई और रोजगार बाजार को लेकर अभी सतर्क है। इस वजह से निवेशक जोखिम वाली संपत्तियों से दूर भाग रहे हैं। उच्च ब्याज दरों से बिटकॉइन जैसी संपत्तियों का आकर्षण कम हो जाता है, क्योंकि यह निवेश पर कोई नियमित आय (ब्याज) नहीं देती। साथ ही, स्पॉट बिटकॉइन श्व्ञ्जस्न से लगातार पांचवें दिन भी पैसा निकाला गया, जिससे बाजार पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। बिटकॉइन पिछले कुछ दिनों से लगातार दबाव में है। मंगलवार, 18 नवंबर को यह सात महीने में पहली बार 90,000 डॉलर से नीचे गिर गया था। इस अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली क्रिप्टोकरेंसी ने साल 2025 में अब तक की अपनी सारी बढ़त गंवा दी है और अक्टूबर में 126,000 डॉलर के अपने शिखर से यह लगभग 30 प्रतिशत नीचे है। ईथर भी अगस्त के अपने शिखर (4,955 डॉलर) से लगभग 40 प्रतिशत गिर चुकी है। अक्टूबर की शुरुआत में बिकवाली के बाद से क्रिप्टो बाजार अभी तक स्थिर नहीं हो पाया है, जिसमें 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ था। हालांकि बड़े संस्थागत निवेशक अभी भी टिके हुए हैं, लेकिन छोटे निवेशकों की भागीदारी और सस्ते में खरीदारी की गतिविधियां कम हो गई हैं।

एक शौक जो कारोबार में बदल गया

इंजीनियरिंग की नौकरी भी नहीं रोक पाई, अब 35 करोड़ रुपये का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगर पैशन को करियर और फिर उसे कारोबार में बदल दिया जाए तो सफलता मिलने के चांस बहुत ज्यादा हो जाते हैं। ऐसा ही कुछ किया हैदराबाद के मुस्तफा अली ने। मुस्तफा विप्रो में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। लेकिन उन्हें कारों के बारे में अच्छी जानकारी थी। उन्होंने बाद में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ दी और 2019 में पुरानी कारों का शोरूम कार डिपो खोला। आज वह इससे करोड़ों रुपये की कमाई कर रहे हैं। मुस्तफा ने जुबली हिल्स, हैदराबाद के एक किराए के 1,800 वर्ग फुट के छोटे से जगह से अपनी उद्यमी यात्रा शुरू की थी। तब उनके पास सिर्फ पांच कारें थीं। आज कार डिपो काफी बढ़ गया है। साल 2024 में उनका टर्नओवर 35 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। अब वे हैदराबाद के पॉश बंजारा हिल्स में एक बड़ी किराए की जगह से काम कर रहे हैं। वे साल 2020 में यहां शिफ्ट हुए थे। उनकी कंपनी कार डिपो

मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू, ऑडी, मारुति, हुंडई, टाटा और महिंद्रा जैसे सभी प्रमुख कार ब्रांडों के साथ काम करती है। मुस्तफा ने साल 2007 में सेंट पैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल, सिकंदराबाद से 12वीं कक्षा पूरी की। इसके बाद उन्होंने उस्मानिया यूनिवर्सिटी से आईटी में बी.टेक किया और साल 2011 में ग्रेजुएशन किया। एक महीने बाद उन्हें विप्रो में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर 20,000 रुपये प्रति माह के वेतन पर बेंगलुरु में नौकरी मिल गई।

4 लाख रुपये से कार की शुरुआत

मुस्तफा की कंपनी कार डिपो में सबसे छोटी डील एंट्री-लेवल कारों जैसे हुंडई ग्रैंड आई10 की होती है, जिसकी कीमत लगभग 4 लाख रुपये है। वहीं, उनकी सबसे महंगी डीलों में इंपोर्टेड गाड़ियां शामिल हैं, जिनकी कीमत 1 करोड़ रुपये तक हो सकती है। कंपनी हर कार पर लगभग 5 से 10 प्रतिशत का मुनाफा कमाती है। मुस्तफा कहते हैं कि पुरानी कारों का कारोबार एक असंगठित क्षेत्र है। इसमें हर चीज की अच्छी तरह से जांच करनी पड़ती है, जैसे कार की कंडीशन, उसके कागजात, एक्सीडेंट आदि। मुस्तफा अपने बिजनेस के लिए कारें सिर्फ दो राज्यों- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से खरीदते हैं। अपने गृह राज्य और पड़ोसी राज्य में कई तकनीकी पहलुओं को सत्यापित करना और प्रबंधित करना उनके लिए आसान होता है।

चीजें बेचकर कमीशन से कमाई

34 वर्षीय मुस्तफा का जन्म मिडिल क्लास फैमिली में हुआ। वह कहते हैं कि वह परिवार के साथ श्रीनगर कॉलोनी में एक 2बीएचके घर में रहते थे। उनके पिता के पास एक मारुति 800 थी, जिसे उस समय एक अच्छी गाड़ी माना जाता था। मुस्तफा के परिवार में कोई भी कभी बिजनेस में नहीं था, लेकिन उनमें बचपन से ही बिजनेस का दिमाग था। वे याद करते हैं, मुझे याद है कि मैंने 10 रुपये में एक स्टेंसिल सेट खरीदा था जिसमें एक फ्री पोकेमोन कलेक्टिबल था और उसे अपने दोस्तों को 20 रुपये में बेच दिया था, जिससे मेरी पॉकेट मनी बढ़ जाती थी। बाद में उन्होंने मोबाइल बेचकर भी अच्छी कमीशन बनाई।

तकनीक में प्रवासियों का योगदान असाधारण

वीजा नीति में बदलाव के बीच गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र की वृद्धि में प्रवासियों की अहम भूमिका को अहम बताया है। उन्होंने यह बात तब कही है जब एच-1बी वीजा को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के विकास के इतिहास में प्रवासियों का योगदान असाधारण रहा है। पिचाई ने स्वीकार किया कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम में अभी भी कई कमियां हैं, लेकिन प्रशासन इन्हें दूर करने पर काम कर रहा है। उनके अनुसार, मौजूदा ढांचे में बदलाव किए जा रहे हैं ताकि विश्वभर से प्रतिभाशाली पेशवरों को अमेरिका लाने की प्रक्रिया सुचारु बन सके। पिचाई लंबे समय से आव्रजन के समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एआई की रणनीतिक अहमियत को स्पष्ट रूप से रेंखाकित किया।

टेक लीडर्स और राजनीतिक सत्ता के बीच बढ़ती नजदीकियां

टेक लीडर्स और राजनीतिक सत्ता के बीच बढ़ती नजदीकियों पर उन्होंने कहा कि फिलहाल दुनिया एक असाधारण एआई मोड़ पर है। पिचाई ने कहा कि यह तकनीक अर्थव्यवस्था, राष्ट्रिय सुरक्षा और समाज सभी के लिए बड़े अवसर ला सकती है।

एच-बी वीजा के जरिए ही पिचाई ने कमाया इतना नाम

बता दें कि पिचाई खुद एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के रूप में अमेरिका पहुंचे थे और बाद में एच-1बी वीजा के जरिए ही उन्होंने सिलिकॉन वैली में इतना नाम कमाया। ट्रंप ने इस तकनीक को विकसित करने वाली कंपनियों को लाभ पहुंचाने के कई प्रयास किए हैं। पिचाई के अनुसार सरकार के साथ करीबी संवाद इसलिए जरूरी है ताकि यह तकनीक समाज के हित में इस्तेमाल हो सके और इसके संभावित दुरुपयोग को भी रोका जा सके। विदेशी कर्मचारियों के वीजा पर व्हाइट हाउस की सख्ती पर पूछे गए सवाल के जवाब में पिचाई ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के इतिहास में प्रवासियों का योगदान बेहद शानदार रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस भूमिका को समझती है और मौजूदा एच-1बी कार्यक्रम में मौजूद कमियों को दूर करने पर काम कर रही है, ताकि दुनिया भर से प्रतिभाशाली लोग अमेरिका आकर योगदान दे सकें। मुझे लगता है कि हम आगे भी निवेश जारी रख पाएंगे।

जो 25 साल की उम्र में हो सकता है वो 35 में नहीं, सीए ने किया नौजवानों को सोचने पर मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरी करने वाला लगभग हर शख्स चाहता है कि वह 60 की उम्र में एक अच्छी बड़ी रकम के साथ रिटायर हो जाए। लेकिन अब बदलते समय में रिटायरमेंट की उम्र और रकम भी बदल रही है। काफी लोग 60 की उम्र से पहले रिटायर होना चाहते हैं वह भी बड़े फंड के साथ। लेकिन इसकी तैयारी भी नौकरी लगते ही कर देनी चाहिए। एक सीए ने निवेश से जुड़ी ऐसी की कुछ बातों को बताया है। सीए नितिन कौशिक ने एक पोस्ट में बताया है 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करने से जो रिटर्न मिल सकता है, वो 35 की उम्र में निवेश शुरू करने से नहीं मिल सकता है। उन्होंने बताया कि अगर कोई शख्स 35 की उम्र में निवेश करना शुरू करता है तो उसके फंड में एक करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर आ सकता है। उनकी इस बात ने उन नौजवानों को सोचने पर मजबूर कर दिया है जो सोचते हैं कि निवेश के लिए उनके पास अभी बहुत समय है। नितिन कौशिक ने बताया कि रिटायरमेंट का उम्र से ज्यादा लेना-देना नहीं है, बल्कि यह आपकी आदतों पर ज्यादा निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर मान लेते हैं कि 60 साल की उम्र रिटायरमेंट के लिए तय है, जैसे यह किस्मत में लिखा हो।

अडानी का नाम जुड़ने के बाद थम नहीं रही जेपी पावर की तेजी, दो दिन में 30 प्रतिशत उछला शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।
जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) के शेयरों में तेजी का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। आज कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में करीब 12 प्रतिशत बढ़कर 22.80 रुपये पर पहुंच गया। बुधवार को इसमें कारोबार के दौरान करीब 18 फीसदी तेजी आई थी और आखिरकार यह 15 प्रतिशत की बड़ी बढ़त के बाद हुआ। पिछले सत्र में यह 20.31 रुपये पर बंद हुआ था और आज 21.30 रुपये पर खुला। जेपी पावर की सहयोगी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के क्रेडिटर्स ने अडानी ग्रुप के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह डील करीब 1.5 अरब डॉलर की है। इस समाधान योजना को अडानी एंटरप्राइजेज, उसके प्रमोटर ग्रुप की एंटिटीज, अडानी ग्रुप की अन्य कंपनियों या एक स्पेशल पर्पज व्हीकल के जरिए लागू किया जा सकता है। जयप्रकाश एसोसिएट्स संकट से जूझ रहे जेपी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। इसका बिजनेस इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन, सीमेंट, पावर, रियल एस्टेट, फर्टिलाइजर्स और हॉस्पिटैलिटी जैसे कई क्षेत्रों में फैला है। तकनीकी तौर पर जेपी पावर वेंचर्स के लिए डेली आरएसआई 74.9 पर है। यह इसे ओवरबॉट जोन में रखता है क्योंकि 70 से ऊपर की रीडिंग आमतौर पर बढ़ी हुई खरीदारी के दबाव का संकेत देती है। इससे पता चलता है कि शेयर में निकट भविष्य में थोड़ी गिरावट या स्थिरता आ सकती है। शेयर वर्तमान में अपने सभी 8 प्रमुख सिंपल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है, जो मजबूत ऊपर की ओर गति को दर्शाता है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 27.62 रुपये और न्यूनतम स्तर 12.35 रुपये है।

अच्छे-अच्छों से ज्यादा कमाता है गुड़गांव का ड्राइवर

उद्यमी अंकुर ने ड्राइवर को गिफ्ट में दी स्कूटी

नई दिल्ली, एजेंसी।
अपने समाज में लोग ड्राइवर को आमतौर पर उतना सम्मान नहीं देते, जितना जापान या अन्य देशों में मिलता है। अमेरिका, दुबई, कुवैत आदि देशों में तो ड्राइवर को इतनी सैलेरी मिलती है कि भारत जैसे तीसरी दुनिया के देशों से लोग वहां यह नौकरी करने भी पहुंच जाते हैं। लेकिन दिल्ली एनसीआर के शहर गुड़गांव में एक उद्यमी अंकुर वारिकू अपने ड्राइवर को इतनी सैलरी देते हैं कि कोई भी व्यक्ति यह नौकरी कर ले। यही नहीं, उन्हें सैलरी के अलावा ढेरों सुविधाएं भी मिलती है। साथ में हर साल 11 प्रतिशत की सैलेरी हाइक पक्की!

गुड़गांव के एक मशहूर उद्यमी और कंटेंट क्रिएटर हैं अंकुर वारिकू। इन्होंने हाल ही में एक खुलासा किया है जिसने सबको हैरान कर दिया है। उन्होंने बताया कि उनके ड्राइवर, जिनका नाम है दयानंद भईया, हर महीने 50,000 से ज़्यादा कमाते हैं। यह रकम आमतौर पर इस तरह की नौकरियों के लिए मिलने वाली

सैलरी से काफी ज़्यादा है। इसके अलावा उन्हें हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा और ढेरों पर्क भी मिलते हैं। इस दिवाली तो उन्हें गिफ्ट में ब्रांड न्यू स्कूटी मिली है।

अंकुर वारिकू ने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर यह बात साझा की। उन्होंने बताया कि दयानंद भईया को हर साल 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिलती है। इतना ही नहीं, उन्हें परिवार का सदस्य माना जाता है। उनके पास घर की चाबियां भी हैं और उन्हें परिवार के एटीएम का पिन भी पता है। दयानंद भईया की हालिया सैलरी बढ़ोतरी के बाद, उनकी महीने का वेतन 53,350 रुपये हो गया है। उनके इस ट्वीट को गुरुवार की सुबह छह बजे तक 51.48 लाख से भी ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

आंख मूंद कर भरोसा करते हैं

अंकुर वारिकू ने विस्तार से बताया, वह हमारे बच्चों को क्लास तक छोड़ते हैं, घर की डुप्लीकेट चाबियां रखते हैं, हमारे एटीएम का पिन जानते हैं, वो सारे ज़रूरी काम संभालते हैं जिनमें हमारी मौजूदगी की ज़रूरत नहीं होती। वह मुझे अपने जैसा मानते हैं (परिवार के सभी सदस्यों को तुम कहकर बुलाते हैं, आप नहीं)। वह ऐसे इंसान हैं जिन पर मैं अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आंख मूंदकर भरोसा करता हूँ। अंकुर वारिकू की कंपनियों ने साल 2024 में कुल 16.84 करोड़ का रेवेन्यू जेनरेट किया है।

दिवाली गिफ्ट में नई स्कूटी

दयानंद भईया को सिर्फ अच्छी सैलेरी ही नहीं नहीं मिलती है। बल्कि अंकुर वारिकू के ड्राइवर को और भी कई फायदे मिलते हैं। उनकी सालाना कमाई 6 लाख रुपये से ज़्यादा है, जो कई फील्ड्स में शुरुआती नौकरी के लिए मिलने वाली सैलरी से भी ज़्यादा है। इसके अलावा, दयानंद भईया और उनके परिवार जनों को कॉरपोरेट इम्पलायीज की तरह हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ भी मिलता है। दिवाली पर उन्हें एक महीने की पगार के बराबर बोनस भी दिया जाता है। दिवाली में सामान्य कर्मचारी की तरह उन्हें बढ़िया गिफ्ट भी मिलता है। इस दिवाली तो उन्हें एक ब्रांड न्यू स्कूटी भी गिफ्ट में मिली है।

ड्राईवर नहीं परिवार का अहम हिस्सा : अंकुर वारिकू ने एक्स पर बताया कि दयानंद भईया ने 13 साल पहले उनके साथ बतौर ड्राइवर काम करना शुरू किया था। तब उनकी सैलरी 15,000 रुपये प्रति माह थी। तब से लेकर अब तक, वह परिवार का एक अहम हिस्सा बन गए हैं और उन्होंने अपनी ज़िंदगी भी बनाई है। उन्होंने यह भी बताया कि दयानंद भईया सिर्फ ड्राइवर नहीं हैं, बल्कि परिवार के लिए एक भरोसेमंद साथी हैं।

निकाय चुनाव को लेकर तैयारियां हुई तेज

अधिसूचना के आधार पर वार्ड वार डाटा जारी

नबिटा टीम

चाईबासा/धनबाद। झारखंड में नगर निकाय चुनावों को लेकर तैयारियां तेज हो चुकी हैं। राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और नगर विकास एवं आवास विभाग की पूर्व अधिसूचना के आधार पर नगरपालिकाओं में पिछड़ा वर्ग-अत्यंत पिछड़ा वर्ग एवं पिछड़ा वर्ग- की जनसंख्या का विस्तृत निकायवार और वार्डवार आंकड़ा जारी कर दिया है।

यह डेटा विशेष तौर पर आरक्षण निर्धारण के लिए उपयोग किया जाएगा। जारी अधिसूचना के मुताबिक चाईबासा नगर परिषद के 21 वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग के 18,242 और पिछड़ा वर्ग- की 5,262 आबादी हैं।

इसी प्रकार चक्रधरपुर नगर परिषद में 23 वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-क के 21013 और पिछड़ा वर्ग-क्कके 3219 जनसंख्या है। विभाग ने साफ किया है कि ये आंकड़े केवल नगर निकाय चुनाव हेतु मान्य होंगे और इन्हीं को आधार बनाकर आरक्षण तय किया जाएगा।

अब सभी की निगाहें राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी किए जाने वाले आरक्षण रोस्टर पर टिकी हैं। रोस्टर घोषित होते ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि किस वार्ड को किस श्रेणी के लिए आरक्षित किया गया है, जिसके बाद चुनाव की औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

धनबाद से संवाददाता के अनुसार झारखंड में नगर-निकाय चुनाव की तैयारी तेज हो गई है। चुनाव के लिए ओबीसी आरक्षण जरूरी है। इसी कड़ी में नगर विकास एवं आवास विभाग की ओर से पिछड़ा वर्ग एक एवं दो की आबादी से संबंधित अधिसूचना जारी की गई है।

इसी तरह धनबाद के नगर निगम क्षेत्र के सभी 55 वार्डों में पिछड़ा वर्ग एक एवं दो की आबादी से

संबंधित अधिसूचना जारी की है। जिसका उपयोग केवल स्थानीय निकायों के निर्वाचन के लिए किया जाएगा। धनबाद नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग एक की कुल संख्या 435961 वहीं पिछड़ा वर्ग दो की कुल संख्या 151427 है।

नगर विकास विभाग द्वारा पिछड़ा वर्ग-एक एवं दो की आबादी जारी होने के बाद माना जा रहा है कि जल्द ही चुनाव की तारीखों की घोषणा होगी। नगर निगम चुनाव को लेकर झारखंड हाई कोर्ट में भी सुनवाई चल रही है।

30 नवम्बर तक आठ ट्रेनों का परिचालन रद्द

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल में होने वाले विकास कार्यों के चलते 24 से 30 नवंबर के बीच आठ ट्रेनों का परिचालन रद कर दिया है, जबकि विकास कार्यों के कारण आठ महत्वपूर्ण ट्रेनों को उनके गंतव्य से पहले ही रोक दिया जाएगा।

ये ट्रेनें निर्धारित स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद रहेंगी। वहीं, चार ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया है और वे अपने निर्धारित समय से देरी से चलेंगी। वहीं, रेलवे ने ट्रेन संख्या 12802 आनंद विहार पुरी पुरुषोत्तम एक्सप्रेस को 24, 27 और 29 नवंबर को चंद्रपुरा बांकुड़ा सेक्शन में कंट्रोल कर चलाएगी।

इस फैसले का असर झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल के हजारों यात्रियों पर पड़ेगा। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे यात्रा करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति जरूर जांच लें।

पुलिस ने किया नकली शराब फैक्टरी का उद्भेदन

दस लाख का माल भी जब्त, चार लोग धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गम्हरिया। कांड्रा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बीते बुधवार की देर रात हैप्पी ढाबा के पीछे एक मकान में छापेमारी कर अवैध विदेशी नकली शराब की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद करते हुए चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। साथ ही, वहां से तीन लग्जरी वाहनों को भी जब्त किया गया है। पुलिस द्वारा यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई। इस दौरान उक्त मकान से भारी मात्रा में अवैध विदेशी नकली शराब बरामद की गई है जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 10 लाख रुपए बताई जा रही है।

बरामद की गई बोतलों पर यूके का लेबल चिपका हुआ था, जबकि शराब की पेटियां बाहर से पूरी तरह प्लेन थीं, जिस पर कोई विवरण दर्ज नहीं था।

कांड्रा थाना प्रभारी विनोद मुर्मू के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई छापेमारी के दौरान चार लोगों को हिरासत में लिया गया है जिससे पूछताछ की जा रही है। साथ ही, वहां से इनोवा, स्कॉर्पियो और इंडिगो आदि तीन वाहनों को भी पुलिस ने जब्त किया है।

बताया गया है कि उक्त इलाके में लंबे समय से विदेशी शराब की अवैध खरीद-बिक्री की शिकायतें पुलिस को मिल रही थीं। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि ये नकली विदेशी शराब आखिर कहां से लाई गई और इसके पीछे कौन सा तस्करी नेटवर्क सक्रिय है। इधर, पुलिस द्वारा की गई इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के दारू माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

ट्रैक्टर ने दो बाइक सवारों को कुचला

नवबिहार आइम्स संवाददाता

जमुआ (गिरिडीह)। जिले के जमुआ के पोबी गांव में एक ट्रैक्टर ने बाइक सवार दो युवकों को रौंद दिया। मौके पर ही दोनों युवकों की मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो रोकर हाल बुरा है। गुरुवार को पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतकों की पहचान पोबी गांव के रोहित तुरी और चंदन तुरी के रूप में हुई है। देर रात बाइक से दोनों गांव लौट रहे थे, इसी दौरान एक ट्रैक्टर की चपेट में आने से दोनों युवकों का दम मौके पर टूट गया।

जानकारी मिलने के बाद जमुआ पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची मृतकों के स्वजनों ने चालक पर लापरवही के साथ गाड़ी चलाने का आरोप लगाते हुए थाना में आवेदन दिया है ।

अफीम के साथ तस्कर धराया

लाखों रुपये आंकी जा रही कीमत ☐ बलेनो कार एवं मोबाइल भी जब्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। शहर थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार की देर रात एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 किलो 523 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान चैनपुर थाना क्षेत्र के बंदुआ निवासी अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से मारुति बलेनो कार, एक मोबाइल फोन और अफीम से भरा बैग बरामद किया है।

पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने गुरुवार को पुलिस सभागार में बताया कि पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि अभिषेक कुमार काफी समय से पलामू और चतरा बार्डर के रास्ते अफीम खरीदता था और उसे डाल्टनगंज शहर में ऊंचे दामों पर बेचता था। इस अवैध कारोबार में पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों से

खरीदार पलामू पहुंचते थे। आरोपित इस अफीम को करीब 5 लाख रुपये प्रति किलो की दर से बेचने की फिराक में था।

एसपी ने बताया कि गिरफ्तारी के समय पुलिस ने उसके पास से मिली बलेनो कार और मोबाइल को जब्त कर लिया है। इन्हीं साधनों का उपयोग कर वह तस्करी नेटवर्क को संचालित करता था। जांच में यह भी सामने आया कि अभिषेक कुमार के खिलाफ पहले से कई मामले दर्ज हैं, जिससे साफ है कि वह एक आदतन तस्कर है।

एसपी ने कहा कि पलामू पुलिस अब इस मामले में और गहराई से जांच कर रही है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि यह अफीम किस स्रोत से लाई जाती थी और किन क्षेत्रों में इसकी आपूर्ति की जाती थी। इस तस्करी नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान की जा रही है और जल्द ही कई और गिरफ्तारियां संभव हैं।

जिले में बांटे जायेंगे 70 हजार कम्बल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। झारखंड में तापमान सर्द होना शुरू हो गया है। हवाएं कंपकपाने लगी हैं। सर्दी की ठिठुरन का अहसास अब होने लगा है। ऐसे में जरूरतमंदों को ठंड से निपटने के लिए जल्द ही गर्म कंबल बांटे जाएंगे। धनबाद जिले में करीब 70 हजार लोगों को कंबल बांटे जाएंगे। जबकि पूरे राज्य में करीब 10 लाख लोगों को कंबल बांटे जाएंगे।

धनबाद जिला प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार राज्य की योजना के तहत कंबल बांटने के लिए राशि मिल चुकी है। साथ ही खरीदी भी हो चुकी है। जिला प्रशासन ने इस बार मिंक ब्लैंकेट मंगाई है जिसे बांटा जाना है। कंबल जिले के सभी प्रखंडों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत उचित लाभुकों को दी जाएगी।

कंबल बांटने के लिए जिले के सभी प्रखंडों में भी प्रखंडवार कंबल भेजे जाएंगे। कंबल बाटने की तिथि भी

जल्द निर्धारित होगी। प्रशासन के अनुसार इस महीने ही कंबल बांटे जाने की प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है। उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि इस बार बढ़िया क्वालिटी के कंबल बांटे जाएंगे।

उन्होंने बताया कि पहले दरी वाले कंबलों का वितरण होता था, लेकिन इस बार सरकार ने मिंक ब्लैंकेट बांटने का लक्ष्य तय किया है। यह कंबल गर्म होने के साथ साथ अधिक टिकाऊ भी होते हैं। उपायुक्त आदित्य रंजन का कहना है कि ठंड में कंबल वितरण के अलावा जरूरत पड़ने पर जगह जगह अलाव की भी व्यवस्था होगी।

मानकी मुण्डा संघ कोल्हान पोड़ाहाट केन्द्रीय समिति में विवाद गहराया

विधि सलाहकार पर क्षेत्र अतिक्रमण का आरोप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चाईबासा। मानकी मुण्डा संघ कोल्हान पोड़ाहाट केन्द्रीय समिति (पश्चिमी सिंहभूम) के पुनर्गठन को लेकर अंदरूनी मतभेद गहराते जा रहे हैं। इसी कड़ी में महासचिव चंदन होनहागा ने पदाधिकारियों के साथ आनलाइन संवाद के दौरान समिति की गतिविधियों और व्यवस्था पर गंभीर चिंता व्यक्त की है।

महासचिव के अनुसार नवंबर माह की नियमित बैठक में उपस्थिति बेहद कम रही, जिसके चलते समिति का पुनर्गठन संभव नहीं हो पाया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों से केंद्रीय कोषाध्यक्ष द्वारा हिसाबझकिताब प्रस्तुत न किया जाना भी एक बड़ी बाधा है।

यह केवल किसी व्यक्ति का सवाल नहीं, बल्कि पूरे मानकी मुण्डा एवं डाकुवा समुदाय की सामूहिक जिम्मेदारी का विषय है। उन्होंने कहा कि समय पर पुनर्गठन हो जाता तो कई नए चेहरे समिति में शामिल होकर संगठन को मजबूती देते, लेकिन लगातार टल रही प्रक्रिया से संगठनात्मक ढांचा कमजोर हो रहा है। ऐसी स्थिति में नवंबर माह में ही आपातकालीन बैठक बुलाने की जरूरत है।

महासचिव होनहागा ने न्याय पंच के कार्यों पर भी गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना है कि न्याय पंच समिति का अभिन्न अंग हैं, फिर भी कुछ सदस्य स्वयं को समिति से अलग मानते हैं, जो अनुशासनहीनता है और संगठन को नुकसान पहुंचाता है।

महासचिव ने विधि सलाहकार महेंद्र दोराईबुरू पर न्याय पंच के कार्य में अत्यधिक हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उन्हें अपने दायरे में रहकर काम करना चाहिए। न्याय पंच में अनावश्यक दखल से कई मानकी मुण्डा एवं डाकुवा परेशान हैं।

कहा कि महेंद्र दोराईबुरू बिना अनुमति न्याय पंच कार्यालय में प्रवेश न करें। उन्हें और उनकी धर्म पत्नी को सलाहकार समिति से हटाया जाए, क्योंकि उनकी नियुक्ति समिति की स्वीकृति से नहीं हुई है।

महासचिव ने यह भी आरोप लगाया कि उनके विरुद्ध उपायुक्त पश्चिमी सिंहभूम और विधानसभा सचिवालय रांची में आरोप पत्र भेजा गया, जो समिति की गरिमा के खिलाफ है।

तेज प्रताप को हराने वाले को पार्टी ने दिया मंत्री पद का इनाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार चुनाव में एनडीए को बहुमत मिलने के बाद आज नई सरकार का गठन हो गया। नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बनें। वहीं, भाजपा से सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा उपमुख्यमंत्री की शपथ ली। इन के साथ ही कुल 26 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली, जिनमें से 14 भाजपा से, 8 जदयू से, 2 लोजपा से और एक-एक हम और रालोमो से हैं। एनडीए की इस कैबिनेट में नौ नए चेहरों को शामिल किया गया है, जिसमें लोजपा के संजय कुमार सिंह भी शामिल हैं।

संजय कुमार सिंह महुआ विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। वह लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास (लोजपा) के टिकट पर पहली बार विधायक बने हैं। इस सीट से ही लालू प्रसाद के बेटे तेजप्रताप यादव चुनावी मैदान में थे। संजय चिराग पासवान के काफी करीबी माने जाते हैं। इसके साथ ही वह लोजपा के संसदीय बोर्ड के नेता भी रह चुके हैं।

45 साल के संजय कुमार ने स्नातकोत्तर तक की पढ़ाई की है। फिलहाल में वह एक व्यवसाय है। इसके साथ ही उनके पास करीब 7 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति है।

इस बार के चुनाव में महुआ विधानसभा सीट चर्चित सीटों में से एक रही थी। वजह था कि राजद से बाहर होने के बाद लालू यादव के बेटे तेजप्रताप यादव का पहली बार चुनावी मैदान में थे। इस सीट तेजप्रताप यादव, मुकेश रोशन और संजय कुमार सिंह के बीच कड़ा मुकाबला था। हालांकि तेज प्रताप चुनाव में इस चुनाव में तीसरे नंबर पर रहे। संजय ने उन्होंने 51938 वोट से हराया। वहीं, महुआ से मौजूदा विधायक मुकेश रोशन दूसरे नंबर पर रहे। मुकेश को 44,997 वोट से मात दी।

संजय कुमार सिंह पहली बार विधायक चुने गए। इससे पहले 2020 के चुनाव में उन्होंने महुआ सीट से मुकेश रोशन से हार का सामना करना पड़ा।

कई दिनों से सऊदी में पड़ी है झारखण्ड के मजदूर की लाश

परिजनों ने लगायी सरकार से मदद की गुहार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। डुमरी की मधगोपाली पंचायत के दुधपनिया गांव निवासी प्रवासी मजदूर का शव 22 दिनों से सऊदी अरब में पड़ा है। जबकि यहां शव के इंतजार में मृतक के स्वजन सदमे में हैं। मजदूर विजय की मौत वहां गोली लगने से हो गई थी। पत्नी समेत स्वजन का रो-रो कर बुरा हाल है।

विजय की मौत 22 दिनों पूर्व 24 अक्टूबर को फायरिंग में गोली लगने से हुई थी। पत्नी बसंती देवी का रो-रो कर बुरा हाल है। उनके दो पुत्र पांच वर्षीय ऋषि और तीन वर्षीय रोशन समेत सभी स्वजन बेसहारा हो गए हैं।

विजय का शव नहीं आने से उनके घर के चूल्हे नहीं जल रहे हैं। स्वजन हर दिन शव आने के इंतजार में रहते हैं। पति का शव सऊदी अरब से मागने को लेकर पत्नी बसंती देवी बार-बार सरकार से गुहार लगा रही है। मुआवजा की भी मांग कर रही।

पत्नी कहना है कि सऊदी अरब में हुंडई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी में पति काम करते थे। 15 अक्टूबर की शाम पति का वाइस मैसेज आया था। मैसेज में था कि पुलिस किसी और पर गोली चला रही थी, लेकिन गोली गलती से उन्हें लग गई। बाद में उन्हें अस्पताल ले जाया

गया जहां 24 अक्टूबर को उनका दम टूट गया।

इधर प्रवासी मजदूरों के हित में काम करने वाले समाजसेवी सिकंदर अली ने कहा कि इस क्षेत्र की बड़ी आबादी देश-विदेश में काम कर रही है। ऐसे में मजदूर के साथ घटना होने के बाद मुआवजा एक बड़ी समस्या होती है।

स्वजन भी मुआवजा नहीं मिलने तक परेशान रहते हैं। ऐसे में महीनों तक मजदूरों का शव विदेश में पड़ा रहता है। स्वजन हर दिन शव के इंतजार में रहते हैं। काफी मुश्किल से स्वजन को मुआवजे के साथ शव मिलता है। उन्होंने सरकार से अपील की कि मुआवजा के साथ विजय का शव सऊदी से जल्द घर पहुंचाया जाए। ताकि उनका अंतिम संस्कार किया जा सके।

वेबिनार का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। स्कॉटिश पब्लिक स्कूल, राजोखर में कक्षा 10वीं के छात्रों के लिए सीबीएसई द्वारा आयोजित एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन वेबिनार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस वेबिनार में सीबीएसई के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे और उन्होंने नई टू बोर्ड एग्जामिनेशन स्कीम पर विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की।

अधिकारियों ने छात्रों को बताया कि नई परीक्षा व्यवस्था किस प्रकार संचालित होगी, उसमें कौन-कौन से बदलाव शामिल हैं और छात्रों को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। वेबिनार का उद्देश्य छात्रों को आगामी नीति के प्रति जागरूक और तैयार करना था, जिसमें सभी आवश्यक बिंदुओं को सरल एवं स्पष्ट तरीके से समझाया गया।

कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्य एवं सभी शिक्षक भी मौजूद थे। छात्रों ने वेबिनार के माध्यम से नई परीक्षा नीति के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त की और आने वाली बोर्ड परीक्षाओं के प्रति अधिक आत्मविश्वास महसूस किया। स्कॉटिश पब्लिक स्कूल प्रबंधन सीबीएसई का आभार व्यक्त करता है और आशा करता है कि इस तरह के शैक्षणिक कार्यक्रम छात्रों के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में मील का पत्थर साबित होंगे।

शपथ ग्रहण के बाद सीएम ने पीएम का जताया आभार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नीतीश कुमार ने एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। उन्होंने दर्जनों मंत्रियों के साथ पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी के दोनों डिप्टी सीएम कई बड़े नेता मौजूद थे। गांधी मैदान में हजारों की भीड़ जमा थी। शपथ लेने के बाद नीतीश कुमार ने सबका आभार जताया।

आज पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में बिहार की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आज के इस विशेष अवसर पर बिहार के लोगों को मेरा नमन, हृदय से आभार एवं धन्यवाद। आज शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हृदय से

धन्यवाद एवं आभार। साथ ही केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विभिन्न राज्यों से आए मुख्यमंत्री, केन्द्रीय मंत्री, सभी गणमान्य लोगों एवं विशिष्ट अतिथियों का भी हार्दिक अभिनंदन। बिहार के सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में एनडीए की सरकार पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। मुझे विश्वास है कि बिहार के लोगों के सहयोग और आशीर्वाद से हम बिहार को देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करेंगे।

राजगढ़िया परिवार ने किया नेत्रदान

धनबाद। कतरास के राजगढ़िया परिवार ने समाजसेवा की अनूठी मिसाल पेश की है। एसएनएमएमसीएच में मरणोपरांत आलोक राजगढ़िया का नेत्रदान किया गया। बुधवार को 36 वर्षीय आलोक राजगढ़िया की मृत्यु के बाद उनके परिवार ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया।

आलोक की मौत घर की सीढ़ियों से गिरने के कारण ब्रेन हैमरेज से हुई। इसके बाद समाजसेवी अंकित राजगढ़िया ने आलोक के पिता जगदीश राजगढ़िया और बहन अमृता को नेत्रदान के लिए प्रेरित किया।

स्वजनों की सहमति से मेडिकल कॉलेज के नेत्र विभाग में नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी की गई। मृतक के पिता जगदीश राजगढ़िया और बहन अमृता ने नेत्रदान के फैसले पर गर्व महसूस किया। पिता ने कहा कि आलोक इस दुनिया में नहीं रहे, लेकिन उनके नेत्रदान से दो नेत्रहीन व्यक्तियों को जीवन में रोशनी मिलेगी।

दहेज की खातिर विवाहिता की हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडई। डंडई थाना क्षेत्र के जरदे गांव निवासी सकलदीप चौधरी की पत्नी पूनम कुमारी की सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न व हत्या का आरोप लगाया है।

हासनदाग गांव निवासी मृतका की मां पानपति देवी ने डंडई थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पानपति देवी ने बताया कि चार वर्ष पूर्व बेटी पूनम की शादी सकलदीप चौधरी से हुई थी। शादी के कुछ ही माह बाद उसके पति सकलदीप चौधरी, ससुर प्रसाद चौधरी व सास प्रेमशिला देवी दहेज में पैसे और गाड़ी की मांग करने लगे थे।

घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के चलते मांग पूरी नहीं कर सकी। जिसके चलते पूनम को मारपीट व प्रताड़ना झेलनी पड़ती थी। स्वजनों ने यह भी कहा कि पूनम दो बेटियों की मां थी और इसी को लेकर उसे हमेशा ताना दिया जाता था कि तुम्हारा सिर्फ बेटी हो रही है। तुम्हें मारकर दूसरी शादी कर लेंगे।

दोपहर करीब दो बजे गांव के लोगों ने फोन पर पूनम की मौत की सूचना दी। खबर मिलते ही मायके वाले पूनम की ससुराल पहुंचे। स्वजन का आरोप है कि जैसे ही उन्होंने मौत के कारणों को लेकर सवाल किया तो गांव के सोमनाथ चौधरी, अर्जुन चौधरी, लाल बिहारी चौधरी, राजेश चौधरी सहित अन्य लोगों ने मिलकर उनकी पिटाई शुरू कर दी।

किसी तरह जान बचाकर डंडई थाना पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। इधर इस संबंध में थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मृतका के मायके पक्ष द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर!

● सवालों के घेरे में बीसीसीआई-टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस बात का अंदेशा था, वो अब सच साबित हो गई है. गुवाहाटी में होने जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया को कप्तान शुभमन गिल के बिना ही उतरना पड़ेगा. गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में 22 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ये टेस्ट मैच शुरू होगा लेकिन इस मैच में भारतीय टीम की कमान गिल के बजाए उप-कप्तान ऋषभ पंत के हाथों में जाती हुई दिख रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल गर्दन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और टीम के साथ गुवाहाटी जाने के बावजूद वो इस मैच से लगभग बाहर हो गए हैं. इतना ही नहीं, उनका 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही वनडे सीरीज में खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है. गिल ही वनडे टीम के भी कप्तान हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि गिल अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. वो बुधवार 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जरूर गए लेकिन अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं. इसके चलते उनका दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होना अब तय ही नजर आ रहा है, जिसका औपचारिक ऐलान होना बाकी है. गिल की गैरहाजिरी में ऋषभ पंत गुवाहाटी में कप्तानी करते हुए दिखेंगे, जिन्होंने कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में भी टीम की कमान संभाली थी. पंत पहली बार किसी टेस्ट मैच में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे.

कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन में खिंचाव

गिल को कोलकाता टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सेशन में ये चोट लगी थी. टीम इंडिया की बल्लेबाजी के दौरान गिल जब क्रीज पर उतरे तो एक स्वीप शॉट जमाते ही उनकी गर्दन में खिंचाव आ गया, जिसके कारण वो दर्द में नजर आए. इसके चलते सिर्फ 3 गेंद खेलकर ही वो रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बैटिंग के लिए नहीं लौटे. गिल को उसी दिन शाम में कोलकाता के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वो पूरी रात रहे और फिर अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज किया गया था. इसके चलते वो दूसरी पारी में भी गिल ने बैटिंग नहीं की और टीम इंडिया वो टेस्ट मैच 30 रन से हार गई.इसके बाद से ही गिल कोलकाता में ही आराम कर रहे थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को डॉक्टर्स ने पूरी तरह से आराम की सलाह दी थी और कहा गया था कि कहीं भी आने-जाने से या लंबे सफर से उनकी दर्द बढ़ सकता है, जिसके पूरी तरह ठीक होने में और भी लंबा वक्त लग सकता है.

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने की महान ब्रायन लारा की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस मैच में शतक लगाते हुए महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शाई होप ने 69 गेंद पर 4 छक्कों और 13 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली। होप के वनडे करियर का यह 19वां शतक था। इस शतक के साथ ही होप ने ब्रायन लारा द्वारा वेस्टइंडीज के लिए वनडे में लगाए 19 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। साथ ही वनडे क्रिकेट में अपने 6,000 रन भी पूरे कर लिए। शतकीय पारी के लिए होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन वेस्टइंडीज यह मुकाबला 5 विकेट से हार गई। वेस्टइंडीज के लिए वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में होप ब्रायन लारा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। 25 शतक के साथ क्रिस गेल पहले स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बेडमिंटन

आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन का दमदार प्रदर्शन, क्वार्टरफाइनल में पहुंचे और प्रणय बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल

में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। वहीं अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21-18, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए। अगले दौर में सात्विक-चिराग का सामना इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी फाजर अलफियन और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री से होगा।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप

भारत-पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज में नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक खेला जाएगा। कुल 16 टीमों के बीच 41 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक लीग स्टेज में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे। आईसीसी ने 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में विभाजित किया है। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस वजह से लीग स्टेज में दोनों टीमें आपस में नहीं भिड़ेंगी। अक्सर आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत और पाकिस्तान के मैच लीग स्टेज में कराए जाते हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है, लेकिन आईसीसी ने इस बार भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखकर लीग स्टेज में भिड़ंत के रोमांच को ही समाप्त कर दिया है। एशिया कप 2025 (सीनियर) में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल सहित तीन मैच हुए थे। मैचों के दौरान दोनों देशों के कप्तानों और खिलाड़ियों के बीच हैंड शेक नहीं हुआ था। इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट के मैदान पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए ऐसी किसी भी असामान्य स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप में दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है।

विश्व कप के लिए 4 ग्रुप बनाए गए हैं

ग्रुप ए में भारत, बांग्लादेश, अमेरिका और न्यूजीलैंड है। ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, पाकिस्तान, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जापान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप डी में तंजानिया, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को जगह दी गई है। लीग स्टेज में भारत 15 जनवरी को अमेरिका, 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच आयोजन स्थल चयनित किए गए हैं। मैच जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं नामीबिया में नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड और एचपी ओवल नामीबिया में खेले जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए।

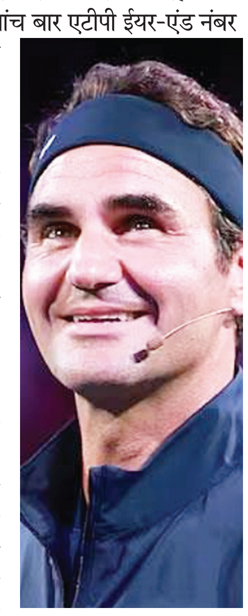

अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोट 'आने का इंतजार कर रहा हूं। 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

तिलक वर्मा ने अपने पैर पर मारी कुल्हाड़ी

कप्तानी मिलने के बाद भी किया निराश; अब वनडे टीम में वापसी मुश्किल!

नई दिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को हाल ही में इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया था। इस टीम ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ तीन अनौपचारिक वनडे मैचों की सीरीज भी मेहमान टीम को हराकर 2-1 से जीती। लेकिन कप्तान तिलक वर्मा का बतौर बल्लेबाज प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज से पहले उनके पास बेहतरीन मौका था टीम इंडिया के वनडे स्क्वाड में वापसी करने का। मगर उन्होंने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली।

तिलक वर्मा की बात करें तो उन्हें भविष्य में टी20 के अलावा वनडे के भी एक अहम खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता है। इसलिए उनको टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वनडे में प्रमोट करने के लिए इंडिया ए वनडे टीम की कमान सौंपी गई। मगर उन्होंने इस सीरीज में निराश किया और तीन मैचों में एक बार भी 40 रन तक का आंकड़ा नहीं छू पाए। वहीं उनका स्ट्राइक रेट भी इस दौरान सवालों के घेरे में रहा।

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में तिलक का प्रदर्शन

- **पहला वनडे:** 39 रन (58 गेंद), स्ट्राइक रेट- 67
- **दूसरा वनडे:** 29 रन (62 गेंद)*, स्ट्राइक रेट- 46
- **तीसरा वनडे:** 11 रन (23 गेंद), स्ट्राइक रेट- 47

ऊपर दिए गए आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि तिलक वर्मा ने बुरी तरह साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ एक सुनहरा मौका गंवा दिया। इन दिनों टी20 टीम में उनकी जगह पक्की है। लेकिन उनकी जो प्रतिभा है वो उन्हें तीनों फॉर्मेट के प्लेयर के तौर पर दिखाती है। मगर उनका प्रदर्शन लिस्ट ए और फर्स्ट क्लास में कैसा है इस पर ही आगे उन्हें टीम इंडिया की अन्य दो फॉर्मेट की टीम में जगह मिल सकती है।

अभिषेक-तिलक ने मिलकर भी वनडे सीरीज में नहीं बनाए ऋतुराज जितने रन, नितीश रेड्डी भी बुरी तरह फ्लॉप

तिलक वर्मा ने 2023 में किया था वनडे डेब्यू

तिलक वर्मा ने सितंबर 2023 में यानी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले डेब्यू किया था। आखिरी बार वह दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेले थे। वह लगभग दो साल से भारत की वनडे टीम से बाहर हैं। उनके नाम चार वनडे मैचों में सिर्फ 68 रन दर्ज हैं और 52 उनका सर्वोच्च स्कोर है। यही मौका था वह सभी को प्रभावित करके टीम इंडिया में वापसी कर सकते थे। यह मौका तब और ज्यादा सुनहरा था जब टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं और कप्तान शुभमन गिल के खेलने पर सस्पेंस है।

एशेज 2025-26: फैंस रोमांचित, पांचों टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की रोमांचक एशेज सीरीज का आगाज शुक्रवार से पर्थ में हो रहा है। फैंस सीरीज को लेकर बेहद रोमांचित हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक सभी पांच टेस्ट मैचों के पहले दिन के टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक पर्थ टेस्ट के लिए, दूसरे और तीसरे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, जबकि चौथे दिन के लिए अच्छी अवेलेबिलिटी है। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ब्रिसबेन टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट बिक चुके हैं। चौथे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं। तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट भी बिक चुके हैं। चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जाएगा। मेलबर्न टेस्ट के पहले दो दिनों के टिकट बिक चुके हैं। तीसरे दिन के लिए बहुत कम टिकट बचे हुए हैं। चौथे दिन के लिए भी टिकट बिक रहे हैं। पांचवां टेस्ट 4 जनवरी 2026 से सिडनी में खेला जाएगा। सिडनी टेस्ट के पहले चार दिनों के टिकट बिक चुके हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कपः

भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, निकहत-जैसमीन समेत चार अन्य खिलाड़ी फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे निकहत जरीन और जैसमीन लंबोरिया समेत चार अन्य मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के फाइनल में पहुंच गईं। जादुमणि सिंह एम (50 किलो), पवन बर्तवाल (55 किलो), सचिन सिवाच (60 किलो) और हितेश गुलिया (70 किलो) भी खिताबी मुकाबले में पहुंच गए। भारत के 15 मुक्केबाज गुरुवार को स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलेंगे।

निकहत का अब शुआन से सामना- कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया।

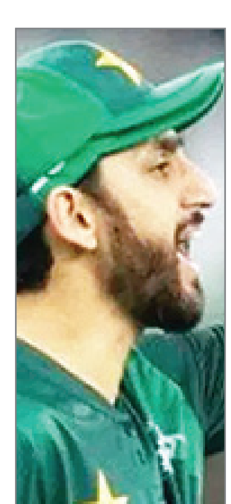

सलमान आगा की जाएगी कप्तानी? 12 महीने में ही ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान के सेलेक्टर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट में फिर से हलचल तेज हो गई है. कई सारी खबरें और रिपोर्ट सामने आ रही हैं. बेशक वो अभी आधिकारिक नहीं हों मगर बिना आग के तो धुआं उठता नहीं है. पाकिस्तान क्रिकेट टीम से जुड़ी पहली रिपोर्ट उसके टी20 कप्तान यानी सलमान आगा से उनकी कप्तानी के छिने जाने को लेकर है. वहीं दूसरी खबर टीम के सेलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट के हेड अजहर अली के इस्तीफे से जुड़ी है. पीसीबी की ओर से इन दोनों खबरों पर फिलहाल कुछ नहीं कहा गया है. मगर मीडिया रिपोर्ट्स में इसके पीछे की वजह का खुलासा भी साफ तौर पर किया गया है.

सलमान आगा से छीनी जा सकती है कप्तानी - पाकिस्तान की लोकल मीडिया में चर्चा गर्म है कि पीसीबी सलमान आगा से टी20 टीम की कप्तानी छिन सकती है. आगा से कप्तानी के छिने जाने की वजह उनका खराब फॉर्म है.

संक्षिप्त समाचार

पाक, चीन में पढ़ने वाले डॉक्टरों का डेटा मांग रहीं एजेंसियां

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लालकिले के पास हुए आत्मघाती बम धमाके में 12 लोग मारे गए थे। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि पुलवामा–फरीदाबाद टेरर मॉड्यूल के ज्यादातर सदस्य डॉक्टर हैं। इनमें से कई ने विदेश से एमबीबीएस और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री ली है। अब जांच एजेंसियां विदेशों से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले डॉक्टरों की

जानकारी जुटा रही है। सीबीआई दिल्ली पुलिस और एनआइए ने दिल्ली–एनसीआर के सभी बड़े–छोटे अस्पतालों और क्लीनिकों को पत्र भेजा है। पत्र में पाकिस्तान, बांग्लादेश, चीन और यूएई से मेडिकल डिग्री हासिल करने वाले डॉक्टरों की पूरी जानकारी मांगी गई है। इसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर, जॉइनिंग डेट, डिग्री की कॉपी और मौजूदा पोस्टिंग का ब्योरा शामिल है। एक वरिष्ठ दिल्ली पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, हम संदिग्धों के पुराने सहपाठियों, दोस्तों और संपर्कों की पहचान करना चाहते हैं। मॉड्यूल के कथित सरगना डॉ. उमर उन नबी श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कॉलेज से पढ़े हैं, लेकिन बाकी सदस्यों के विदेशी कनेक्शन संदेह पैदा कर रहे हैं। इसलिए इन चार देशों से पढ़े सभी डॉक्टरों की जांच होगी। उनकी ट्रैवल हिस्ट्री, बैंक खाते और क्रिमिनल रिकॉर्ड खंगाले जाएंगे। कई बड़े अस्पतालों ने एजेंसियों को जवाब दिया है कि पूरी लिस्ट तो दिल्ली मेडिकल काउंसिल के पास होती है, हमसे क्यों मांग रहे हो? डीएमसी के सदस्यों का कहना है कि पाकिस्तान और बांग्लादेश से दिल्ली के बहुत कम छात्र पढ़ने जाते हैं, लेकिन चीन और यूएई से हजारों की संख्या में आते हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने कहा, हमें आज नोटिस मिला है। हम जल्द ही ऐसे सभी डॉक्टरों की रिपोर्ट तैयार करके एजेंसियों को सौंप देंगे। अधिकारियों ने साफ किया है कि यह जांच सिर्फ सुरक्षा के लिहाज से है। हर विदेशी डिग्री वाले डॉक्टर को आतंकवादी नहीं माना जा रहा, लेकिन मौजूदा सबूतों ने सतर्कता बढ़ा दी है।

दिल्ली में 63 करोड़ से बनी पार्किंग बनी शो-पीस, दो महीने से ताला लगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश–1 के एम–ब्लॉक मार्केट में बनी ऑटोमेटेड मल्टी–लेवल पार्किंग पिछले दो महीनों से बंद पड़ी है। 27 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे धूमधाम से उद्घाटन किया था, लेकिन आज तक एक भी गाड़ी अंदर नहीं जा सकी। हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स की टीम ने मौके पर जाकर देखा कि पार्किंग के मुख्य गेट और एग्जिट दोनों तरफ बड़े पेड़ खड़े हैं। इन पेड़ों की वजह से गाड़ियां अंदर–बाहर नहीं हो सकतीं। पूरी बिल्डिंग खाली और सुनसान पड़ी है। यह पार्किंग एक साथ 400 गाड़ियां खड़ी कर सकती है। इलाके के व्यापारियों को उम्मीद थी कि पार्किंग समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। अब अतिरिक्त गाड़ियां मुख्य सड़क पर खड़ी हो रही हैं, जिससे जाम लग रहा है और दुकानों का कारोबार प्रभावित हो रहा है। वन विभाग का अड़ंगा, एमसीडी का चेक पेंडिंग एम–ब्लॉक मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शारदा ने बताया, 'वन विभाग ने पेड़ काटने की अनुमति नहीं दी है। वजह यह है कि एमसीडी ने कंपनसेटरी प्लांटेशन के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट अभी तक जमा नहीं किया।' वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'डिपॉजिट की प्रक्रिया चल रही है। स्ध्ष्ठ ने वादा किया है कि कुछ दिनों में राशि जमा कर दी जाएगी। इसके बाद तुरंत अनुमति दे दी राजेंद्र शारदा ने बताया कि पेड़ हटाने के बाद भी फायर डिपार्टमेंट से एनओसी लेना होगा। इसमें भी कई हफ्ते लग सकते हैं। उनका कहना है कि विभागों के बीच तालमेल की कमी की वजह से पूरी तरह तैयार पार्किंग बेकार पड़ी है। सड़क पर लगने वाले जाम की वजह से ग्राहक गाड़ी घुमाकर चले जाते हैं।

देश के टॉप प्रदूषित शहरों में हैं एनसीआर के कई इलाके

दिल्ली का शाम 4 बजे का एक्यूआई 392 था

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के साथ एनसीआर के शहर भी इस जानलेवा पलूशन से परेशान हैं। डॉक्टर 6 महीने के लिए दिल्ली छोड़ने को कह चुके हैं और एम्स हेल्थ इमरजेंसी जैसे हालात की बात की है। इस बीच भारत के टॉप पलूशन वाले शहरों की लिस्ट में दिल्ली नहीं है। जी हां आप चौंक सकते हैं पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, इस लिस्ट में टॉप पर है, इसके बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा का नंबर आता है। दिल्ली का शाम 4 बजे का एक्यूआई 392 था, जो बहुत खराब श्रेणी में रहा और गंभीर स्तर से सिर्फ नौ अंक कम था।

टॉप प्रदूषित शहरों की लिस्ट में दिल्ली के अलावा गुरुग्राम और फरीदाबाद भी उस लिस्ट में नीचे हैं। गुरुग्राम और फरीदाबाद खराब श्रेणी में थे, जिनका एक्यूआई क्रमशः 300 और 265 दर्ज किया गया। बुधवार को भारत के 10 सबसे प्रदूषित शहर -एनसीआर के ही थे, जो इस बात को रेखांकित करता है शीर्ष तीन शहरों के बाद, हापुड़, रोहतक, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और भिवाड़ी का नंबर था। 11 नवंबर से लगातार नौ दिनों तक सीपीसबी के दैनिक बुलेटिन में पीएम2.5 ही एकमात्र प्रमुख प्रदूषक रहा है। विशेषज्ञों ने इसके लिए वाहनों से निकलने वाले धुएं (उत्सर्जन), औद्योगिक दहन (जलाने) और अवैध कचरा जलाने के मिश्रण को जिम्मेदार ठहराया है। सीपीसबी के समीर ऐप के डेटा से पता चला कि नवंबर

में 19 दिनों तक पीएम2.5 प्राथमिक प्रदूषक बना रहा। पीएम10 सात दिन और सीओ (कार्बन मोनोऑक्साइड) दो दिन तक हावी रहा।तुलना में, अक्टूबर में पीएम2.5 22 दिन, पीएम10 24 दिन, सीओ चार दिन और सल्फर डाइऑक्साइड एक दिन तक हावी रहा था। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर के विश्लेषक डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि सर्दियों में मेट्रो शहरों में कणों के कुल भार में पीएम2.5 की हिस्सेदारी 40 से 60 प्रतिशत तक होती है और यह पीएम10 से कहीं अधिक जहरीला होता है। उन्होंने कहा, दिल्ली के करीब होने के कारण, गुरुग्राम में वायु गुणवत्ता का स्तर, विशेष रूप से पीएम.5 की सघनता काफी अधिक बनी रहती है, खासकर शाम और रात के समय जब ज्यादातर अवैध तरीके से कचरा जलाया जाता है। मानेसर नगर निगम ने औद्योगिक कचरा जलाने के कई हॉटस्पॉट की पहचान की है। एमसीएम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हमें कई सेक्टरों, जैसे 79, 82, 83, 6 और आइएमटी के पास, में अनधिकृत औद्योगिक कचरा जलाने की शिकायतें मिली हैं।

गेट पर पेड़ों का पहरा

63 करोड़ से बनी पार्किंग बनी शो-पीस, दो महीने से ताला लगा

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के पॉश इलाके ग्रेटर कैलाश-1 के एम-ब्लॉक मार्केट में बनी ऑटोमेटेड मल्टी-लेवल पार्किंग पिछले दो महीनों से बंद पड़ी है। 27 सितंबर को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इसे धूमधाम से उद्घाटन किया था, लेकिन आज तक एक भी गाड़ी अंदर नहीं जा सकी।

मौके पर जाकर देखा कि पार्किंग के मुख्य गेट और एग्जिट दोनों तरफ बड़े पेड़ खड़े हैं। इन पेड़ों की वजह से गाड़ियां अंदर-बाहर नहीं हो सकतीं। पूरी बिल्डिंग खाली और सुनसान पड़ी है।

400 गाड़ियों की क्षमता, सड़क पर डबल पार्किंग: यह पार्किंग एक साथ 400 गाड़ियां खड़ी कर सकती है। इलाके के व्यापारियों को उम्मीद थी कि पार्किंग समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। अब अतिरिक्त गाड़ियां मुख्य सड़क पर खड़ी हो रही हैं, जिससे जाम लग रहा है और दुकानों का कारोबार प्रभावित हो रहा है।

एम-ब्लॉक मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शारदा ने बताया, वन विभाग ने पेड़ काटने की अनुमति नहीं दी है। वजह यह है कि एमसीडी ने कंपनसेटरी प्लांटेशन के लिए सिक्योरिटी डिपॉजिट अभी तक जमा नहीं किया। वन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, डिपॉजिट की प्रक्रिया चल रही है। एमसीडी ने वादा किया है कि कुछ दिनों में राशि जमा कर दी जाएगी। इसके बाद तुरंत अनुमति दे दी जाएगी। फायर डिपार्टमेंट का एनओसी भी बाकी राजेंद्र शारदा ने बताया कि पेड़ हटाने के बाद भी फायर डिपार्टमेंट से एनओसी लेना होगा। इसमें भी कई हफ्ते लग सकते हैं। उनका कहना है कि विभागों के बीच तालमेल की कमी की वजह से पूरी तरह तैयार पार्किंग बेकार पड़ी है। सड़क पर लगने वाले जाम की वजह से ग्राहक गाड़ी घुमाकर चले जाते हैं। सामने ठेला लगाने वाले विक्रेता ने कहा, जब लेन ब्लॉक होती है तो हमारा भी धंधा ठप हो जाता है।

दिल्ली में चाणक्यपुरी के प्राइवेट स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के चाणक्यपुरी इलाके के एक प्राइवेट स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्कूल को ईमेल आया, जिसमें बिल्डिंग में बम होने की बात लिखी थी। आनन–फानन में सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि जांच के बाद धमकी भरे ईमेल को झूठा पाया गया है। इससे पहले भी दिल्ली के स्कूलों को ई–मेल आए थे, जिनमें बम से उड़ाने की धमकियां दी गई थीं। लाल किला हादसे के बाद से सुरक्षा टीमें अलर्ट मोड पर हैं। बम निरोधक दस्तों ने स्कूलों का चप्पा–चप्पा छाना था। दोनों ही केस में ये अफवाह साबित हुई थी।

दिल्ली-6 का लौटेगा पुराना स्वरूप सीएम रेखा गुप्ता ने किया ऐलान

दिल्ली-यूपी समेत 7 राज्यों में ठंड बढ़ी, पारा भी गिरा

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली-6 क्षेत्र के विकास और सौंदर्यीकरण को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। उन्होंने कहा कि दिल्ली-6 का पुराना स्वरूप लौटेगा। बुधवार को हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि शाहजहांनाबाद पुनर्विकास निगम का पुनर्गठन किया जाए, ताकि पुरानी दिल्ली में लोगों को बेहतर और समुचित सुविधाएं मिल सकें। साथ ही, सीएम ने बाजारों में महिलाओं के लिए पिंक टॉयलेट बनवाने के निर्देश भी दिए। सचिवालय में बुलाई गई इस बैठक में सीएम रेखा गुप्ता के साथ चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल, मंत्री आशीष सूद, एसआरडीसी, पीडब्ल्यूडी, निगम और दिल्ली पुलिस के अधिकारी मौजूद थे। सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार पुरानी दिल्ली (वॉल्ड सिटी) के सौंदर्यीकरण और विकास के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि शाहजहांनाबाद पुनर्विकास निगम का पुनर्गठन किया जाएगा। बैठक में यह भी कहा गया कि पिछली सरकार की लापरवाही से क्षेत्र की स्थिति खराब हुई है और ऐतिहासिक चांदनी चौक में समस्याएं

लगातार बढ़ी हैं। सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि एसआरडीसी निष्क्रिय हो चुका है। इसमें सरकारी अधिकारियों के साथ विरासत और इतिहास से जुड़े विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाना चाहिए तथा इसका नाम भी बदला जाना चाहिए। सूद ने कहा कि राजधानी की ऐतिहासिक इमारतों में व्यावसायिक गतिविधियों को पूरी तरह बंद किया जाना चाहिए। पुराने स्वरूप को बनाए रखने के लिए निर्माण पर रोक लगेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तीन सरकारी एजेंसियों के काम करने से विकास कार्यों में देरी होती है। दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि शाहजहांनाबाद प्रोजेक्ट को पुनर्गठन कर इसके माध्यम से ही विकास कार्यों को आगे बढ़ाएगी। आम आदमी पार्टी का कहना है कि चांदनी चौक पुनर्विकास केजरीवाल सरकार की एक प्रमुख पहल थी।

दिल्ली की ठंड में गर्माएगी ग्लोबल जियो-पॉलिटिक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। दिसंबर में दिल्ली की सर्दी चरम पर होगी। ठिठुरन भरी ठंड के बीच ग्लोबल जियो–पॉलिटिक्स पूरी तरह गर्म रहेगी। क्योंकि दुनिया के दो सबसे बड़े नेता एक साथ नई दिल्ली में होंगे। दरअसल 23वीं भारत–रूस वार्षिक शिखर बैठक ऐसे वक्त हो रही है जब पश्चिमी देश, खासकर अमेरिका को लगता था कि वे भारत पर मॉस्को से दूरी बनाने का दबाव डालकर कामयाब हो जाएंगे। लेकिन इसके उलट भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन कंधे से कंधा मिलाकर खड़े नजर आ रहे हैं और दुनिया को साफ संदेश दे रहे हैं कि यह साझेदारी कम नहीं, बल्कि और मजबूत हो रही है। बता दें कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर में भारत आने वाले हैं। उनकी इस यात्रा को लेकर अभी से तरह–तरह के कयास लगने शुरू हो गए हैं। यह भारत दौरा किसी साधारण कूटनीतिक मुलाकात से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है।

आज ममदानी से मिलेंगे ट्रंप, जुबानी वार-पटलवार के बीच पहली बार होगा आमना-सामना

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि न्यूयॉर्क सिटी के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी उनसे शुक्रवार, 21 नवंबर को व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर यह जानकारी दी। ट्रंप ने लिखा, 'कम्युनिस्ट मेयर ऑफ न्यूयॉर्क सिटी, जोहरान 'क्वामे' ममदानी ने मुलाकात का अनुरोध किया है। हम शुक्रवार को ओवल ऑफिस में मिलने पर सहमत हुए हैं। आगे और जानकारी दी जाएगी।' ट्रंप और ममदानी के बीच चुनाव अभियान के दौरान से ही तीखा राजनीतिक टकराव चलता रहा है। ट्रंप ने चुनाव से ठीक पहले कहा था कि ममदानी की जीत न्यूयॉर्क सिटी के लिए 'पूरी तरह आर्थिक और सामाजिक तबाही' साबित होगी। वहीं, जीत के बाद अपने जोशीले भाषण में ममदानी ने ट्रंप पर सीधा निशाना साधते हुए कहा था कि न्यूयॉर्क 'प्रवासी लोगों से चलता है, और अब एक प्रवासी इसे नेतृत्व देगा। उन्होंने ट्रंप को चुनौती देते हुए कहा, 'अगर किसी को ट्रंप को हराना आता है, तो वह वही शहर है जिसने उन्हें जन्म दिया। और अगर किसी तानाशाह को डराना है, तो उसकी सत्ता की बुनियाद को बदल दो। ट्रंप, अगर आप देख रहे हैं, तो वॉल्यूम बढ़ा लीजिए।' ट्रंप ने ममदानी के भाषण को 'बहुत गुस्से से भरा' बताया और कहा कि इस रवैये से वे सफल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पहल ममदानी को करनी चाहिए थी, 'मैं तो यहां हूं। देखेंगे क्या होता है। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें ही पहले संपर्क करना चाहिए था।' इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि 'मैं चाहता हूं कि नया मेयर अच्छा करे, क्योंकि मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं।'
कम्युनिज्म नहीं चला है– ट्रंप
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से ममदानी को 'कम्युनिस्ट' कहते रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि 'हजारों वर्षों में कम्युनिज्म कभी काम नहीं कर पाया है।

ट्रंप का 60वीं बार दावा: मेरी धमकी पर पीएम मोदी ने कहा- 'हम युद्ध नहीं करेंगे', भारत बोला- 'कब तक बोलोगे झूठ'

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान तनाव को लेकर बड़ा और विवादित दावा किया है। ट्रंप का कहना है कि उन्होंने दोनों देशों को 350% टैक्स लगाने की धमकी देकर उन्हें युद्ध के कगार से पीछे हटने पर मजबूर किया था। ट्रंप के दावों का सिलसिला मई से लगातार जारी है, जबकि भारत ने हमेशा किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि मई में भारत और पाकिस्तान 'परमाणु हमले' की तैयारी में थे।उनके अनुसार- 'मैंने दोनों से कहा कि युद्ध कर सकते हो, लेकिन मैं 350 प्रतिशत शुल्क लगा दूँगा। फिर तुम अमेरिका में व्यापार नहीं कर पाओगे।' ट्रंप का कहना है कि धमकी के बाद दोनों देशों ने उनसे ऐसा न करने की अपील की।

ट्रंप ने कहा कि सबसे पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उन्हें कॉल करके धन्यवाद दिया और कहा कि लाखों लोगों की

जान बच गई। इसके बाद, ट्रंप के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन कर कहा- 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप कहते हैं कि उन्होंने मोदी से कहा, 'ठीक है, चलिए एक समझौता करते हैं।' ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे ''युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत शुल्क लगा रहा हूं। वे अमेरिका के साथ अब व्यापार नहीं कर पाएंगे।'' 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप ने दावा किया कि वह ''पूरी तरह तैयार'' थे और उन्होंने अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट से कहा था कि वह (संघर्ष को) समाप्त करने के लिए 350 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। और अगर दोनों देश युद्ध रोक देते हैं, तो ''हम एक अच्छा व्यापार समझौता करेंगे।'' भारत का आधिकारिक रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि भारत-पाकिस्तान बीच किसी तीसरे देश की मध्यस्थता कभी स्वीकार नहीं की जाती।

मेरे अंग दान कर देना; टीचर्स की वजह से मेट्रो के सामने कूदने वाले बच्चे की आखिरी ख्वाहिश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 16 साल के एक लड़के ने मेट्रो के आगे कूदकर जान दे दी है। पुलिस को उसके बैग से एक सुसाइड नोट मिला है जिसमें उसने स्कूल के टीचर्स पर मानसिक रूप से परेशान करने का आरोप लगाया है। एक और झकझोरने वाली बात यह है कि किशोर ने अपनी आखिरी ख्वाहिश में परिवार वालों से कहा है कि उसके अंगों को उन्हें दान कर दिया जाए जिन्हें इनकी जरूरत है। घटना बुधवार दोपहर 2.34 बजे की है, जब बच्चा ड्रामा क्लब जाने के लिए निकला था। वह राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन पहुंचा और मेट्रो के सामने कूद गया। उसे तुरंत बीएलके हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा सुसाइड नोट में उसने अपनी पहचान लिखी थी और इसे पढ़ने वाले को एक नंबर पर संपर्क करने को कहा था। उसने लिखा कि स्कूल स्टाफ की लगातार डांट–फटकार की वजह से वह ऐसा कदम उठाने पर मजबूर हुआ है।

सामने आएगा एपस्टीन फाइल में छिपा राज, ट्रंप ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने को दी मंजूरी

वाशिंगटन , एजेंसी।
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जेफरी एपस्टीन की जांच से जुड़ी फाइलें जारी करने वाले बिल पर साइन कर दिया है। ट्रंप ने बुधवार देर शाम को इस बात की जानकारी दी। कांग्रेस ने इस बिल को पहले पास किया था। इसके तहत डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस को यौन अपराध के दोषी जेफरी एपस्टीन के गलत कामों की अपनी जांच से मिली सारी जानकारी 30 दिनों के अंदर सर्च और डाउनलोड करने लायक फॉर्मेट में रिलीज करनी होगी। हालांकि, शुरुआत में ट्रंप ने इसका खुलकर विरोध किया था। जेफरी एपस्टीन एक दोषी यौन अपराधी था जिसकी 2019 में फेडरल कस्टडी में मौत हो गई थी। इससे पहले यूएस हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने मंगलवार को बिल पास करने के लिए 427-1 से वोट किया और बाद में सीनेट ने इसे मंजूरी दे दी। देरी करने का आरोप लगाया। स्पीकर माइक जॉनसन ने ट्रंप का बचाव करते हुए कहा, 'प्रेसिडेंट का इससे कोई लेना-देना नहीं है और उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है।' स्पीकर ने डॉक्यूमेंट पब्लिक करने का समर्थन तो किया, लेकिन डेमोक्रेट्स की इसे अभी

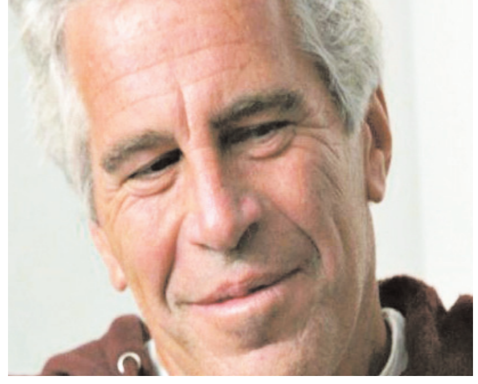

आगे बढ़ाने के लिए आलोचना की। दरअसल ट्रंप प्रशासन ने एपस्टीन के सभी डॉक्यूमेंट्स जारी करने का महीनों तक विरोध किया था, लेकिन पिछले रविवार को ट्रंप ने कहा कि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में उनकी पार्टी के सदस्य फाइलों के खजाने को खोलने के लिए कानून के लिए वोट कर सकते हैं। ट्रंप कहा, 'यह डेमोक्रेट्स की प्रॉब्लम है। वे एपस्टीन के दोस्त थे। दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर डेमोक्रेट्स को घेरते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, 'जेफरी एपस्टीन (जिन पर 2019 में ट्रंप जस्टिस डिपार्टमेंट ने आरोप लगाया था) पूरी जिंदगी डेमोक्रेट रहे। उन्होंने डेमोक्रेट नेताओं को हजारों डॉलर दान किए और कई जाने-माने डेमोक्रेट लोगों से गहराई से जुड़े थे, जैसे बिल क्लिंटन (जिन्होंने उनके प्लेन में 26 बार सफर किया), लैरी समर्स (जिन्होंने हाल ही में हार्वर्ड समेत कई बोर्ड से इस्तीफा दिया है), पॉलिटिकल एक्टिविस्ट रीड हॉफमैन, माइनॉरिटी लीडर हकीम जेफ्रीज (जिन्होंने एपस्टीन पर आरोप लगने के बाद उनसे अपने कैंपेन के लिए दान करने को कहा था), डेमोक्रेट कांग्रेस वुमन स्टेसी प्लास्केट और भी कई।' उन्होंने आगे कहा, 'शायद इन डेमोक्रेट्स और जेफरी एपस्टीन के साथ उनके जुड़ाव की सच्चाई जल्द ही सामने आ जाएगी, क्योंकि मैंने अभी एपस्टीन की फाइलें जारी करने के लिए बिल पर साइन किया है। जैसा कि सभी जानते हैं, मैंने हाउस के स्पीकर माइक जॉनसन और सीनेट मेजॉरिटी लीडर जॉन थ्यून से इस बिल को हाउस और सीनेट में पास करने के लिए कहा था। मेरे कहने पर, डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस ने पहले ही कांग्रेस को करीब पचास हजार पेज के डॉक्यूमेंट्स सौंप दिए हैं। मत भूलिए, बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने डेमोक्रेट एपस्टीन से जुड़ी एक भी फाइल या पेज नहीं सौंपा और न ही उन्होंने कभी उनके बारे में बात की।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि डेमोक्रेट्स ने एपस्टीन मुद्दे का उपयोग किया है, जो उन्हें रिपब्लिकन पार्टी से कहीं अधिक प्रभावित करता है। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि हमारी शानदार जीत से ध्यान भटकाया जा सके, जिसमें द बिग ब्यूटीफुल बिल, मजबूत सीमाएं, महिलाओं के खेलों में कोई पुरुष नहीं या सभी के लिए ट्रांसजेंडर नहीं, डीईआई को समाप्त करना, बाइडेन की रिकॉर्ड सेटिंग मुद्रास्फीति को रोकना, कीमतें कम करना, इतिहास में सबसे बड़ी कर और विनियमन कटौती, आठ युद्धों को समाप्त करना, हमारी सेना का पुनर्निर्माण करना, ईरान की परमाणु क्षमता को खत्म करना, संयुक्त राज्य अमेरिका में खरबों डॉलर का निवेश करना और यहां तक कि हाल ही में शटडाउन पर डेमोक्रेट्स को बहुत बड़ी हार देना शामिल है।

'आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम का शुभारंभ आज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य सरकार की महत्वकांक्षी कार्यक्रम 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम' का शुभारंभ आज शुक्रवार 21 नवंबर से हो रहा है। इसको लेकर जिला प्रशासन द्वारा सभी तरह की तैयारियां पूरी कर ली गई है। इसकी जानकारी गुरुवार को उपायुक्त अजय नाथ झा ने दी। उन्होंने बताया कि 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम' का शुभारंभ 21 नवंबर से हो रहा है, जो आगामी 15 दिसंबर, 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं। किस तिथि को किस पंचायत/नगर निगम - परिषद के वार्ड में ह्यआपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रमह्न के तहत शिविर लगेगा इसका शिड्यूल भी जारी कर दिया गया है। कार्यक्रम को लेकर व्यापक स्तर पर प्रचार झ्र प्रसार किया जा रहा है। प्रखंडों के लिए वरीय पदाधिकारी को बनाया गया है पर्यवेक्षक पदाधिकारी- सभी प्रखंडों के लिए 'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिले के वरीय पदाधिकारियों को संबंधित प्रखंडों का पर्यवेक्षक पदाधिकारी बनाया गया है। जो पूरे कार्यक्रम में उपस्थित होकर मॉनिटरिंग का काम करेंगे। चास प्रखंड के लिए उप विकास आयुक्त श्रीमती शताब्दी मजूमदार को, चंदनकियारी प्रखंड के लिए अनुमंडल पदाधिकारी चास सुश्री प्रांजल ढांडा को, जरीडीह प्रखंड के लिए अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी को, पेटरवार प्रखंड के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी श्रीमती मारुति मिंज को, नावाडीह प्रखंड के लिए अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो श्री मुकेश मछुआ को, बेरमो प्रखंड के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खलको को, कसमार प्रखंड के लिए जिला भू अर्जन पदाधिकारी द्वारिका बैठा को, चंद्रपुरा प्रखंड के लिए निदेशक

डीपीएलआर मेनका को,गोमिया प्रखंड के लिए जिला पंचायतीराज पदाधिकारी मो शफीक आलम को जिला स्तरीय पर्यवेक्षक/पर्वेक्षक पदाधिकारी/नोडल पदाधिकारी बनाया गया है।

शिविरों में विभिन्न विभागों के लगेंगे स्टॉल

'आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत जिले के विभिन्न पंचायतों में लगने वाले शिविर में सभी विभागों का स्टाल लगेगा। जिला प्रशासन ने सभी विभागों के वरीय पदाधिकारियों को अपने झ्र अपने विभाग से संबंधित स्टॉल लगाने का निर्देश दिया है। शिविर में अलग झ्र अलग विभाग के कुल 20 - 22 स्टॉल प्रस्तावित हैं। शिविर में खाद्य आपूर्ति विभाग, कल्याण विभाग, सामाजिक सुरक्षा, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, श्रम विभाग, महिला बाल एवं समाज कल्याण विभाग, कृषि-पशुपालन झ्र सहकारिता विभाग, जेएसएलपीएस, विद्युत झ्र पेयजल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, योजनाओं के प्रचार झ्र प्रसार -हेल्प डेस्क/कल्याण मंच आदि रहेंगे। ताकि आन द स्पाट आवेदन प्राप्त कर सुयोग्य लाभुकों को योजना से लाभांवित किया जा सके।

शिविर में इन विभिन्न गतिविधियों का होगा संपादन

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रमह्न के जरिए आमजनों को राज्य सरकार की सभी लोक कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जायेगी। इसके तहत झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, अबुआ आवास योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, हरा राशन कार्ड, बिरसा सिंचाई कूप संवर्द्धन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, जाति/आवासीय/आय प्रमाण पत्र आदि किया जाएगा। आम जनों से अपील है कि वह अपने पंचायत/नगर निगम/परिषद के वार्ड में आयोजित होने वाले शिविरों में स्वयं हिस्सा लें और दूसरों को हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें।

कल शुक्रवार को प्रखंडों में यहां लगेगा शिविर-

'आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम' के तहत शुक्रवार को चास प्रखंड के भंड्रों एवं तुरीडीह पंचायत का उत्क्रमित मध्य विद्यालय भंड्रों, चंदनकियारी प्रखंड के बाटबिनोर पंचायत के बाटबिनोर पंचायत सचिवालय, गोमिया प्रखंड के पचमो पंचायत के म.वि. रहावन का मैदान में, नावाडीह प्रखंड के भलमारा पंचायत के पंचायत सचिवालय, चंद्रपुरा प्रखंड के नररा पंचायत के पंचायत सचिवालय, पेटरवार प्रखंड के बुण्डू एवं पेटरवार पंचायत के संबंधित पंचायत सचिवालय, जरीडीह प्रखंड के अराजू पंचायत के पंचायत सचिवालय भवन में, कसमार प्रखंड के दांतु पंचायत के संबंधित पंचायत सचिवालय, बेरमो प्रखंड के अरमो पंचायत के संबंधित पंचायत सचिवालय, नगर निगम चास के वार्ड संख्या 01 एवं 10 के मदरसा गौश नगर और नगर परिषद फुसरो के वार्ड संख्या 01 में रामाधार सिंह पब्लिक स्कूल नियर दुर्गा मंदिर रामनगर में शिविर का आयोजन होगा।

व्यापारियों को बैंक ने उपलब्ध कराए सिक्के व छोटे नोट

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास में व्यापारियों को लंबे समय से सिक्का और छोटे नोटों की कमी का सामना करना पड़ रहा था। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से चास चैंबर ऑफ कॉमर्स भवन में पंजाब नेशनल बैंक के सहयोग से विशेष वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में व्यापारियों ने हिस्सा लिया और अपने व्यवसायिक लेन-देन को सुचारू रखने के लिए सिक्का एवं छोटे मूल्य के नोट प्राप्त किए। बताया जा रहा है कि हाल के दिनों में बाजारों में छुट्टे पैसों की भारी कमी देखी जा रही थी, जिसके कारण व्यापारियों को ग्राहकों के साथ लेन-देन में दिक्कतें आ रही थीं। कई दुकानदारों ने बैंक और चैंबर से इस समस्या के समाधान की मांग की थी। इसी को ध्यान में रखते हुए बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स और पीएनबी बैंक ने संयुक्त पहल करते हुए यह वितरण

अभियान चलाया। चैंबर के अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर व्यापारियों को राहत देने की कोशिशें जारी रहेंगी। व्यापारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे उनकी दैनिक लेन-देन की समस्या काफी हद तक कम होगी और व्यापार में सुगमता आएगी।

संक्षिप्त समाचार

'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' अभियान के लिए जागरूकता रथ रवाना

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नगर निगम की ओर से गुरुवार को लुबी सर्कुलर रोड स्थित कार्यालय परिसर से 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' अभियान को लेकर जागरूकता रथ को नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर

रवाना किया। यह रथ लोगों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने और उनके समस्याओं के समाधान के लिए बनाए गए सहायता केंद्रों के बारे में जागरूक करने का काम करेगा। नगर आयुक्त ने बताया कि 21 नवंबर से 15 दिसंबर तक यह जागरूकता रथ धनबाद नगर निगम क्षेत्र के सभी वार्डों का दौरा करेगा। रथ के माध्यम से लोगों को बताया जाएगा कि सरकार द्वारा विभिन्न सेवाओं और योजनाओं का लाभ आसानी से कैसे लिया जा सकता है। इसके साथ ही प्रत्येक वार्ड में चल रहे सहायता केंद्रों के बारे में भी लोगों को जानकारी दी जाएगी, ताकि वे अपनी समस्याएं दर्ज करवा सकें और समाधान प्राप्त कर सकें। नगर आयुक्त ने शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि जब रथ उनके वार्ड में पहुंचे तो वे इससे मिलने वाली जानकारी को ध्यान से सुनें और योजनाओं से जुड़कर लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य है कि किसी भी नागरिक की समस्या अनसुनी न रहे और सभी को सरकारी सुविधाओं का लाभ समय पर उपलब्ध हो सके।

कुलियों का प्रदर्शन, 2008 की तर्ज पर ग्रुप डी में नियोजन की मांग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को कुलियों ने राष्ट्रीय कुली मोर्चा के बैनर तले शांतिपूर्ण मांग की। उन्होंने रेलवे में समायोजन और रोजगार की मांग को लेकर स्टेशन मास्टर को एक ज्ञापन सौंपा। मांग का नेतृत्व कर रहे शांतनु कुमार मुखर्जी ने बताया कि जिस तरह लालू प्रसाद यादव के कार्यकाल में कुलियों को नियोजन देकर रेलवे के ग्रुप-डी में शामिल किया गया था, उसी तरह वर्तमान में भी कुलियों को स्थायी नियोजन दिया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षों से रेलवे स्टेशन पर सेवा दे रहे कुलियों की आजीविका पर संकट गहराता जा रहा है। कुलियों ने बताया कि राष्ट्रीय कुली मोर्चा ने कुलियों के जीवन से जुड़ी छह प्रमुख मांगें रेलवे मंत्रालय के समक्ष रखी थीं, जिसका जवाब मंत्रालय ने 30 अक्टूबर 2025 को दिया। उसमें कहा गया कि बैटरी चालित वाहन कुलियों के काम को प्रतिस्थापित नहीं करेंगे, बल्कि पूरक सेवा के रूप में चलाए जा रहे हैं। हालांकि कुलियों का कहना है कि स्टेशनों पर चल रहे बैटरी चालित वाहन यात्रियों के साथ उनके सामान की ढुलाई भी कर रहे हैं, जिससे उनकी कमाई पर सीधा असर पड़ रहा है और परिवार के भरण-पोषण में कठिनाई हो रही है।

आपकी योजना - आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम के तहत जिले में 213 शिविर लगेंगे

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में आमजन को सरकारी योजनाओं से जोड़ने और उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुनः एक बार आपकी योजना झ्र आपकी सरकार -आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ आज (शुक्रवार) से होने जा रहा है। सरकारी सेवाओं को लाभुकों के दरवाजे तक पहुंचाने के कार्यक्रम को गति देने के लिए इस बार पूरे जिले में कुल 213 शिविर का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन का मुख्य लक्ष्य है कि जो नागरिक अब तक किसी योजना के लाभ से वंचित रहे हैं, उन्हें शिविरों में तत्काल निष्पादन और पंजीकरण का अवसर मिल सके। उक्त बातें उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने कहीं। वह गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभागार में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सभी शिविर में राज्य सरकार की सभी कल्याणकारी विभागों के स्टॉल लगाए जाएंगे ताकि नागरिकों को एक ही स्थान पर सभी विभागीय सेवाएं उपलब्ध हो सकें। शिविरों में उक्त के अतिरिक्त ऑन द स्पॉट स्टॉल, हेल्प डेस्क, मीडिया सेंटर आदि स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों पर समस्याओं का स्थल पर ही निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। शिविर में खाद्य आपूर्ति विभाग, कल्याण विभाग, सामाजिक सुरक्षा, राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, श्रम विभाग, महिला बाल एवं समाज कल्याण विभाग, कृषि झ्र पशुपालन झ्र सहकारिता विभाग, जेएसएलपीएस, विद्युत झ्र पेयजल विभाग, स्वास्थ्य विभाग के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं जैसे झ्र अबुआ स्वास्थ्य सहायता योजना, सर्वजन पेंशन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना आदि के स्टॉल रहेंगे।

बाइक चोर गिरोह का फंडाफोड, तीन गिरफ्तार, 9 बाइकें भी बरामद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस ने बालीडीह थाना क्षेत्र में सक्रिय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए चोरी की नौ बाइक तथा तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए बोकारो एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था, जिसने लगातार छापेमारी और तकनीकी जांच के आधार पर गिरोह के सदस्यों तक पहुंच बनाई। पुलिस ने बताया कि बालीडीह इलाके में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं के बाद इस गिरोह पर निगरानी बढ़ाई गई थी। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में माराफारी थाना क्षेत्र के सिवानडीह निवासी गिरोह का मुख्य सरगना शमशेर आलम और उसका सहयोगी चंदन कुमार शामिल हैं। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि चोरी की गई बाइकों को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया भेजा जाता था, जहाँ अंगद कुमार नामक व्यक्ति उन्हें सस्ते दामों पर बेचने का काम करता था। इसी जानकारी के आधार पर पुलिस ने पुरुलिया में छापेमारी कर चोरी की सभी नौ बाइकों को बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह लंबे समय से बालीडीह और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय था तथा सुनसान जगहों पर खड़ी बाइकों को निशाना बनाता था। चोरी की गई बाइकों को वे बदल-बदलकर अलग-अलग रास्तों से बंगाल भेजते थे, जिससे पुलिस को गुमराह किया जा सके। गिरफ्तार तीनों आरोपितों से मिले सुराग के आधार पर पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की भी तलाश कर रही है। एसपी ने बताया कि इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में बाइक चोरी की घटनाओं पर काफी हद तक लगाम लगेगी और शेष फरार आरोपितों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

धनबाद में पुलिस महानिरीक्षक ने विधि-व्यवस्था पर की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक, दिए दिशा निर्देश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद समाहरणालय स्थित पुलिस मुख्यालय सभागार में गुरुवार को बोकारो प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुनील भाष्कर की अध्यक्षता में विधि-व्यवस्था संधारण को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में धनबाद जिला पुलिस के सभी शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे, जिनमें वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी रित्विक श्रीवास्तव, सभी डीएसपी, सभी एसडीपीओ, थाना प्रभारी और अंचल निरीक्षक शामिल थे।

अपराध नियंत्रण पर विस्तृत समीक्षा

आईजी ने बैठक के दौरान धनबाद में हाल के दिनों में घटित अपराधों का बिंदुवार विश्लेषण किया। खास तौर पर संपत्ति मूलक अपराध—जैसे चोरी, लूट, छिनतई, गृहभेदन—पर विशेष समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि धनबाद पुलिस ने पिछले कुछ माह में अपराध नियंत्रण के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया है और जिले में कुल मिलाकर शांति-व्यवस्था कायम है।

संपत्ति मूलक अपराधों की रोकथाम पर कड़े निर्देश

मीडिया को संबोधित करते हुए आईजी सुनील भाष्कर ने कहा कि सभी थाना प्रभारियों को संपत्ति मूलक अपराधों को रोकने के लिए ठोस रणनीति पर काम करने का निर्देश दिया गया है। खासकर अपराधी प्रवृति वाले व्यक्तियों पर सीसीए लगाने, जेल से रिहा होने वाले अपराधियों पर निरंतर निगरानी, पुराने लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन, सक्रिय गैंगों पर कानूनी नकेल कसने जैसे कार्यो को प्राथमिकता के साथ पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। आईजी ने बताया कि जिले में सक्रिय कई संगठित अपराध गिरोहों पर कार्रवाई की गई है, जिससे ऐसे मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई है। यह धनबाद पुलिस की सक्रियता और अपराध नियंत्रण के प्रति संवेदनशीलता को दशार्ता है।

गश्ती व पेट्रोलिंग व्यवस्था और मजबूत होगी

बैठक में सभी थाना प्रभारियों को क्षेत्र में गश्त बढ़ाने, पेट्रोलिंग पार्टी को अधिक सक्रिय करने और सिटी हॉक्स को लगातार मोड पर रखने का निर्देश दिया गया। आईजी ने कहा कि गस्ती दल की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी लगातार करेंगे, ताकि अपराधियों में भय का माहौल बना रहे और आम जनता सुरक्षित महसूस करे। यह समीक्षा बैठक अपराध के रोकथाम और विधि-व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के तहत विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम का किया जा रहा आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तम्बाकू मुक्त युवा अभियान के अवसर पर सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में डीपीएस के बच्चों को तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बच्चो के साथ-साथ शिक्षकगण स्टाफ को तम्बाकू न लेने हेतु शपथ दिलाया गया।

राज्य में 13-15 आयु वर्ग के 5.1% बच्चे करते हैं तम्बाकू का सेवन-

जिला परामर्शी मो असलम के द्वारा कहा गया कि तम्बाकू की लत वैश्विक स्तर पर जनस्वास्थ्य के लिए एक बडी समस्या के रूप में उभर रही है। भारत में 13-15 वर्ष के 8.5% जबकि झारखण्ड में 5.1% बच्चे किसी न किसी प्रकार के तम्बाकू का सेवन करते है जो कही न कही कक्षा 7 से 9 के छात्र होते हैं। यह एक चिन्ता का विषय है। ऐसे मे हम सभी शिक्षण संस्थान के प्रबंधक/प्राचार्य के साथ साथ छात्र की भी जवाबदेही है कि अपने शिक्षण संस्थान को तम्बाकू मुक्त बनाये रखें। जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि तम्बाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के दौरान यह कार्यक्रम विभिन्न स्कूलों में आयोजित किया जा रहा है साथ ही समुदाय स्तर पर भी जन जागरूकता हेतु मुखिया के अध्यक्षता में भी बैठक कराई जा रही है। बोकारो जिला प्रयास कर रहा है कि ग्रामीण स्तर पर जितने भी सरकारी भवन हैं उसको भी तम्बाकू मुक्त रखा जाए। प्राचार्य द्वारा बताया गया कि स्कूल में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी गाईडलाइन का क्रियान्वयन किया जा रहा है जिससे सम्बन्धित स्वयं मूल्यांकन फार्म विभाग को भेजा जा चुका है। बोकारो के सभी शैक्षणिक संस्थान द्वारा इसका अनुपालन अवश्य किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में प्राचार्य , शिक्षक, स्टाफ एवं छात्र छात्रायें उपस्थित थी।

सुरक्षित पेयजल आपूर्ति को प्रशासन सख्त, संरचनाओं को क्षति पहुंचाने वालों पर होगी कार्रवाई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति को सुचारू और सुरक्षित बनाएं रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाने का निर्णय लिया है। भारत सरकार के पीने का पानी एवं स्वच्छता मंत्रालय तथा झारखंड सरकार के पंचायती राज एवं पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जारी निदेर्शों के अनुपालन में जिला प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि ग्रामीण जल आपूर्ति से जुड़े किसी भी स्रोत, संरचना, पाइपलाइन या अन्य घटक को क्षति पहुंचाना अब गंभीर अपराध की श्रेणी में आएगा।

नए कानून के तहत कठोर प्रावधान

भारत सरकार द्वारा लागू भारतीय न्याय संहिता झ्र 2023 में धारा 326, 267 एवं 303 के अंतर्गत ऐसे प्रावधान जोड़े गए हैं जिनके तहत - पेयजल स्रोतों को नुकसान पहुंचाना, पाइपलाइनों में छेड़छाड़ करना, जलापूर्ति संरचनाओं को क्षति पहुंचाना जैसे अपराधों के लिए दोषियों के विरुद्ध कड़े दंड का प्रावधान है। इसी संबंध में वीडियो संवाद के माध्यम से आहूत बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जिला प्रशासन किसी भी प्रकार की जलापूर्ति पाइप के तोड़फोड़ या अवैध दखल को बर्दाश्त नहीं करेगा, और ऐसे मामलों पर तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एसडीओ चास एवं बेरमो को दिए गए विशेष निर्देश

उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा और बेरमो श्री मुकेश मछुआ को निर्देशित किया है कि यदि उनके संज्ञान में कहीं भी जलापूर्ति योजना को नुकसान पहुंचाने की घटना आती है, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध बिना किसी देरी के एफआइआर दर्ज कर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। साथ ही, उन्होंने क्षेत्र में नियमित निरीक्षण बढ़ाने और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी मजबूत करने को कहा है।

संरक्षित स्रोत क्षेत्र का चिन्हितिकरण करें

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जहां-जहां पेयजल स्रोत चिन्हित हैं, वहां संरक्षित स्रोत क्षेत्र के बोर्ड लगाएं। इन क्षेत्रों में प्रवेश प्रतिबंधित करने तथा सुरक्षा मानकों का पालन करवाने का निर्देश दिया गया। इसके लिए संबंधित कार्यपालक अभियंताओं चास एवं बेरमो को तुरंत कार्रवाई करने और रिपोर्ट देने को कहा गया। बैठक में वीसी के माध्यम से अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ जुड़ें तथा मौके पर कार्यपालक अभियंता चास रामप्रवेश राम, कार्यपालक अभियंता, बेरमो तेनुघाट चंदन कुमार, सहायक अभियंता, चास तेनुघाट, यूनिसेफ प्रतिनिधि घनश्याम साह समेत अन्य तकनीकी अधिकारी उपस्थित थे।

बीएसएल को मिला डिफेंस मेटलर्जिकल रिसर्च लेबोरेटरी के साथ टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए लाइसेंसिंग एग्रीमेंट

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट ने 15 नवंबर 2025 को हैदराबाद में आयोजित डिफेन्स मेटालर्जिकल रिसर्च लेबोरेट्री (डीएमआरएल) के 62वें वार्षिकोत्सव समारोह के दौरान लाइसेंसिंग एग्रीमेंट फॉर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी के तकनीक हस्तांतरण दस्तावेज प्राप्त किया। इस तकनीक हस्तांतरण के अंतर्गत डीएमआरएल ने बीएसएल को नौसैनिक उपयोग के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण ऊ्टफ249अ स्टील शीट्स के निर्माण हेतु गैर-समावेशी लाइसेंस प्रदान किया है। इस तकनीक हस्तांतरण से बोकारो स्टील प्लांट को भारतीय सशस्त्र बलों तथा अन्य सरकारी एजेंसियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले, अत्याधुनिक विशेष स्टील उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को और अधिक सुदृढ़ रूप से आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी। यह उपलब्धि बीएसएल की तकनीकी दक्षता, गुणवत्ता उत्कृष्टता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। कार्यक्रम के दौरान डीएमआरएल के ओएस एवं निदेशक डॉ. आर. बालामुरलिकृष्णन, डीआरडीओ के डीएस एवं डीजी डॉ. आर. वी. हरा प्रसाद, तथा सचिव, डीडी एवं चेयरमैन, डीआरडीओ डॉ. समीर वी. कमाट सहित डीआरडीओ और डीएमआरएल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बीएसएल की ओर से महाप्रबंधक सुश्री बी. सुनीता मिंज, महाप्रबंधक श्री एस. एस. पाणिग्रही, तथा महाप्रबंधक श्री राहुल तिवारी ने यह तकनीक हस्तांतरण दस्तावेज प्राप्त किया। इस उपलब्धि पर बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) श्री प्रिय रंजन ने कहा कि यह लाइसेंसिंग एग्रीमेंट फॉर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी हस्तांतरण बोकारो स्टील प्लांट की तकनीकी उत्कृष्टता, क्षमता और देश की रक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि बीएसएल भविष्य में भी विशेष गुणवत्ता वाले स्टील के विकास के माध्यम से देश की रक्षा तैयारियों को सुदृढ़ बनाने में अग्रणी भूमिका निभाता रहेगा।

उल्लेखनीय है कि बीएसएल और डीएमआरएल के मध्य लगभग दो दशकों से जारी तकनीकी साझेदारी अत्यंत सफल रही है। इस सहयोग के अंतर्गत पिछले 18 वर्षों में 46,500 टन से अधिक ऊ्टफ249अ स्टील का उत्पादन किया जा चुका है। यह उच्च गुणवत्ता वाला स्टील भारतीय नौसेना के कई प्रतिष्ठित और अत्याधुनिक युद्धपोतों जैसे आईएनएस विक्रांत, आईएनएस नीलगिरि, आईएनएस किल्टन, आईएनएस महेंद्रगिरि और आईएनएस विंध्यगिरि के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे चुका है। गौरतलब है कि बीएसएल देश का एकमात्र ऐसा एकीकृत इस्पात संयंत्र है, जो वैक्यूम डिगैसिंग सुविधा के बिना भी नौसेना के कठोर मानकों के अनुरूप ऊ्टफ 249अ स्टील शीट्स का सफलतापूर्वक उत्पादन कर रहा है। यह उपलब्धि भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता को नई मजबूती प्रदान करती है और रक्षा क्षेत्र में बोकारो स्टील प्लांट की भूमिका को नई ऊँचाइयों तक ले जाती है।

बोकारो स्टील प्लांट को वर्ष 2024 में उत्कृष्ट सुरक्षा प्रदर्शन के लिए मिला कलींगा सेफ़्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड (सिल्वर कैटेगरी)

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की इकाई बोकारो स्टील प्लांट को वर्ष 2024 के दौरान सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिष्ठित कलींगा सेफ़्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड (सिल्वर कैटेगरी) से सम्मानित किया गया. यह पुरस्कार दिनाँक 19 नवम्बर 2025 को मेफेयर कन्वेंशन सेंटर, भुवनेश्वर में आयोजित समारोह में बोकारो स्टील प्लांट के प्रतिनिधियों को ओडिशा विधान सभा की माननीय अध्यक्ष श्रीमती सुरमा पाध्य तथा ओडिशा के माननीय सांसद श्री रबिन्द्र नारायण बेहेरा के द्वारा प्रदान किया गया. समारोह में उद्योग जगत के कई प्रमुख प्रतिनिधि, विशेषज्ञ तथा सुरक्षा पेशेवर उपस्थित थे. कलींगा सेफ़्टी एक्सीलेंस अवॉर्ड उन संस्थाओं को दिया जाता है, जो सुरक्षा प्रणालियों, प्रदर्शन और संस्कृति के प्रति उत्कृष्ट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती हैं. बोकारो स्टील प्लांट को यह सम्मान सुरक्षा प्रदर्शन को दशार्ने वाले विस्तृत आवेदन पत्र का प्रस्तुतिकरण, सुरक्षा पहलों और सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेजीकरण, विशेषज्ञ जूरी के समक्ष डिजिटल प्रस्तुति जिसमें नवाचार, जोखिम नियंत्रण प्रयास और कर्मियों की सहभागिता को प्रदर्शित करने वाले एक विस्तृत मूल्यांकन प्रक्रिया के आधार पर प्राप्त हुआ है. वर्ष 2024 की इस उपलब्धि पर बोकारो स्टील प्लांट ने पुनः यह संकल्प दोहराया कि प्लांट भविष्य में भी विश्व-स्तरीय सुरक्षा मानकों को बनाए रखते हुए अपनी सुरक्षा संस्कृति को और सुदृढ़ करेगा.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com